मिशन शक्ति अभियान

उत्तर प्रदेश सरकर के तत्वाधान में

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

द्वारा

वर्ष 2020-2021

में महिलाओं के लिए सम्पादित होने वाले कार्यक्रमों की

आख्या

प्रस्तुतकर्ता:

प्रो. बिन्दु शर्मा

समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र / आचार्य, जीव विज्ञान विभाग
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

मार्च 2021

दिनाँक: 1 मार्च 2021

कार्यक्रम 1 :
स्वास्थ्य परिक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम

संचालन का स्थान:	गुरुकुल स्ट्रीट आवास पार्क, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रोफेसर बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र,
मुख्य अतिथि:	डॉ .राजकुमार, संयुक्त निदेशक स्वस्थ विभाग,मेरठ
विशिष्ट अतिथि :	1. माननीय प्रति कुलपति, प्रोफेसर वाई. विमला 2. डॉ. पूजा शर्मा ए. सी. एम. ओ स्वस्थ विभाग,मेरठ
स्वास्थ्य परिक्षण हेतु चिकित्सा अधिकरी :	डॉ रचना ,डॉ सुनीता चौहान ,डॉ मेघना श्रीवास्तव पीएल शर्मा हॉस्पिटल मेरठ

विवरण :

1 मार्च 2021 को छात्राओं के लिए नि:शुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर एवं दवा वितरण अभियान का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरुष के बराबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिलाएं उच्च पदों पर काम कर रहे हैं; साहित्य में राजनीतिक क्षेत्रों, स्वास्थ्य और शिक्षा का क्षेत्र हो, महिला किसी से भी कम नहीं है उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है। डॉ .राजकुमार, संयुक्त निदेशक स्वस्थ विभाग,मेरठ ने कहा की हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। महिलाएं समाज का एक अभिन्न अंग हैं इसलिए महिलाओं की चिंता सभी को होनी चाहिए। पर अक्सर देखा गया है कि घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मां ही बच्चे की पहली गुरु होती है जो उसे अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। इस कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने महिलाओं को देखा ।70 से अधिक छात्रों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया तथा निशुल्क औषधि वितरण किया गया। अंत में प्रो बिन्दु शर्मा ने सबका धन्यवाद देते हुए कहा कि महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की जरूरत है। अक्सर व्यस्त जीवन शैली और अस्वास्थ्यकर आहार महिलाओं में बीमारी के मुख्य कारण है ।

फोटोग्राफ गैलरी :

नारी स्वावलम्बन
नारी सम्मान
"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:"
मिशन शक्ति अभियान
2021
स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम
कार्यक्रम अध्यक्ष- प्रो० नरेन्द्र कुमार तनेजा
कुलपति, चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
मुख्य अतिथि - डा० राजकुमार
Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy A51

Samsung Quad Camera
Shot with my Galaxy A51

Good vibes
BE FEARLESS

मीडिया रिपोर्ट :

हमारी संस्कृति में महिलाएं देवी की तरह :डॉ. राजकुमार

अमर भारती संवाददाता

मेरठ। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजकुमार मुख्य अतिथि ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही। गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बारबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। औषधि वितरण मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान 70 से अधिक छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा यदि किसी में कोई कमी पाई गई तो उनको निशुल्क औषधि वितरण किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त निदेशक डॉ संगीता गुप्ता, एसीएमओ डॉ पूजा शर्मा, डॉ रचना, डॉ सुनीता चैहान, डॉ धमेंद्र कुमार, रमेश यादव, अमरपाल, इजीनियर मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहें।

आयोजन हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है: डॉ. राजकुमार

समाज को महिलाओं के प्रति सोच में लाना होगा बदलाव

अभियान

- सीसीएसयू में मिशन शक्ति के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम आयोजित

ग्रीन इंडिया

कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रो.एनके तनेजा। ग्रीन इंडिया

मेरठ। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला को पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है।

यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ.राजकुमार ने चौधरी चरण सिंह विवि में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही। गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विवि मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विवि के कुलपति प्रो.नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बारबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि विवि की प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। पहले की अपेक्षा महिलाओं में अधिक जागरूकता आई। मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान 70 से अधिक छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा यदि किसी में कोई कमी पाई गई तो उनको निशुल्क औषधि वितरण किया गयी। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो.बिन्दु शर्मा ने बताया शासन के निर्देशानुसार पूरे सप्ताह मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, इसी के तहत मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

हर दिन अलग विषय पर कार्यक्रम या फिर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। परीक्षण के दौरान 70 छात्राओं का ब्लड, शुगर, हीमोग्लोबिन, एचआईवी, हीपैटाईटिस बी का परीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला अस्पताल की डॉक्टरों की टीम का विशेष सहयोग रहा। संयुक्त निदेशक डॉ. संगीता गुप्ता, एसीएमओ डॉ.पूजा शर्मा, डॉ.रचना, डॉ. सुनीता चैहान, डॉ. निधि भाटिया, डॉ. शिखा वशिष्ठ का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान प्रो.एके चैबे, प्रो.नवीन चंद्र लोहानी, प्रो.नीलू जैन गुप्ता, डॉ.धमेंद्र कुमार, रमेश यादव, अमरपाल, इजीनियर मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है: डा. राजकुमार

दिव्य विश्वास, संवाददाता

मेरठ। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डा. राजकुमार मुख्य अतिथि ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही।

संविधान में महिला को बराबर का अधिकार : गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। पहले की अपेक्षा महिलाओं में अधिक जागरूकता आई। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढ़ता जा रहा है।

मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान 70 से अधिक छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा यदि किसी में कोई कमी पाई गई तो उनको निःशुल्क औषधि वितरण किया गया।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने बताया शासन के निर्देशानुसार पूरे सप्ताह मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, इसी के तहत सोमवार को मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधी वितरण कार्यक्रम का आयोजिन किया गया था।

हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है-डॉ0 राजकुमार

(आज का बुलेटिन)
दिनेश गोयल बाबा

मेरठ। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ0 राजकुमार मुख्य अतिथि ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही।

संविधान में महिला को बराबर का अधिकार

गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर का अधिकार दिया गया है।

आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

महिला के बिना समाज की कल्पना नहीं

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। पहले की अपेक्षा महिलाओं में अधिक जागरूकता आई। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढता जा रहा है।

70 से अधिक बच्चों का हुआ परीक्षण, औषधि वितरण

मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान 70 से अधिक छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा यदि किसी में कोई कमी पाई गई तो उनको निशुल्क औषधि वितरण किया गया।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने बताया शासन के निर्देशानुसार पूरे सप्ताह मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, इसी के तहत सोमवार को मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधी वितरण कार्यक्रम का आयोजिन किया गया था। सात मार्च तक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। हर दिन अलग विषय पर कार्यक्रम या फिर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। परीक्षण के दौरान 70 छात्राओं का ब्लड, शुगर, हीमोग्लोबिन, एचाआईवी, हीपैटाईटिस बी का परीक्षण किया गया। इसमें 10 से लेकर 14.5 तक छात्राओं का हीमोग्लोबिन पाया गया।

इस अवसर पर जिला अस्पताल की डॉक्टरों की टीम का विशेष सहयोग रहा। संयुक्त निदेशक डॉ0 संगीता गुप्ता, एसीएमओ डॉ0 पूजा शर्मा, डॉ0 रचना, डॉ0 सुनीता चैहान, डॉ0 निधि भाटिया, डॉ0 शिखा वशिष्ठ का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान प्रो0 एके चैबे, प्रो0 नवीन चंद्र लोहानी, प्रो0 नीलू जैन गुप्ता, डॉ0 धर्मेंद्र कुमार, रमेश यादव, अमरपाल, इंजीनियर मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहें।

PIC : DAINIK JAGRAN INEXT

Pooja, Sunita, Rachna

Kirti, Yashi

शक्ति का 'मिशन'

meerut@inext.co.in

MEERUT (1 March): सीसीएसयू पार्क में आयोजित मिशन शक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक ने कहा कि हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है. वर्तमान में महिलाएं पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं. समाज को अपनी सोच बदलनी होगी अब नारी अबला नही है. इसके बाद 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण किया गया. मौके पर स्टूडेंट व टीचर्स से में इस अभियान से जुड़ने का काफी क्रेज देखने को मिला. सभी ने अपनी जांच कराई. परीक्षण के दौरान 70 गर्ल्स स्टूडेंट का ब्लड, शुगर, हीमोग्लोबिन, एचआईवी, हैपेटाइटिस बी का परीक्षण किया गया. इसमें 10 से लेकर 14.5 तक गर्ल्स का हीमोग्लोबिन पाया गया.

Suman, Kajol

Vanshita

INVITE US:

If you are throwing a party, celebrating any festival or mounting an exhibition, we will report it. Call us at 9910444850 or mail at meerut@inext.co.in

For more party photos, go to www.inextlive.com/citylights

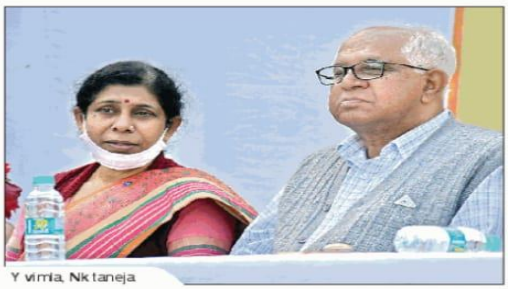

Y vimla, Nk taneja

Anshika, Rajni

iam framed

Garima, Soniya, Doli

Abha, Arpita

Aditi, Shrankhla, kit

स्वदेश

लखनऊ, मंगलवार 02 फरवरी 2021 07

हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है : डॉ. राजकुमार

महिला, पुरूष से कम नहीं, कंधे से कंधा मिलाकर कर रही हैं काम, समाज को महिलाओं के प्रति सोच में लाना होगा बदलाव

मेरठ स्वदेश संवाद। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजकुमार ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कहीं।

गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बारबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनकों अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। पहले की अपेक्षा महिलाओं में अधिक जागरूकता आई। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढता जा रहा है।

नारी शक्ति मिशन को लेकर छात्राओं को किया जागरूक

हरदोई स्वदेश संवाद। माधौगंज कस्बे के मोहल्ला पटेल नगर पश्चिमी स्थित एमएस पब्लिक इंटर कॉलेज में नारी शक्ति मिशन के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें महिला आरक्षी दिव्या द्विवेदी ने छात्राओं को बताया कि सरकार की ओर से 1090,1076, 1081, 112 हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इन पर कॉल करते ही महिला सुरक्षा आसानी से हो सकेगी। उन्होंने कहा कि समाज में फैली विसंगतियों को दूर करने के लिए नारियों का शिक्षित एवं जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षित नारी राष्ट्र के विकास में सहायक सिद्ध हो रही है। पुरुषों की तरह महिलाएं भी अच्छे पदों पर आसीन होकर बखूबी जिम्मेदारियों का निर्वाहन कर रही हैं। नारी के शिक्षित होने से कुप्रथा व अराजक तत्वों द्वारा किए जाने वाले कुकृत्य कम हो सकते हैं साथ ही समाज को नई दिशा प्राप्त हो सकती है। प्रदेश सरकार की ओर से भी नारी सुरक्षा को लेकर बेहतर कदम उठाए जा रहे हैं। शैक्षिक संस्थानों से लेकर गांव गलियों तक जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है। इस मौके पर महिला आरक्षी निशा, एसआई राम पलट राव, प्रधानाचार्य अमित कुशवाहा, उमेश कुशवाहा, अध्यापक केके यादव,नीरज सिंह, मदन पाल, जितेंद्र द्विवेदी,शैलेंद्र कुमार, शिवाकांत राठौर,अविनाश कुमार, दीपक पाल, सुधीर कुमार सहित शिक्षिकाएं व स्कूल की छात्राएं मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान मिशन शक्ति के अंतर्गत सोमवार को राजकीय महाविद्यालय बिलोहा, गैसड़ी, बलरामपुर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे नारी शक्ति, स्वावलंबन, स्वाभिमान तथा महिलाओं और बालिकाओं के सुरक्षा, सम्मान के अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार व्यक्त कियें गए। गोष्ठी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.कमाल अहमद सिद्दीकी ने कहा यद्यपि कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए बहुत कानून बनाए गए हैं बावजूद इसके नारियों को सम्मान और स्वाभिमान के लिए उनके प्रति लोगों को अति संवेदनशील होना होगाऔर उनमें साहस उत्पन्न करने के लिए और उन्हें निर्भीक बनाने के लिए वातावरण तैयार करना होगा, इस वातावरण को बनाने के लिए हमें अपने परिवार से ही शुरुआत करनी होगी। मिशन शक्ति अभियान के तहत बैसिक शिक्षा विभाग द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नगर क्षेत्र बलरामपुर में मिशन शक्ति के अंतर्गत आज नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्रथम,द्वितीय,तृतीय स्थान पाने वाली छात्राओं को समाजसेवी गोपी से पुरस्कृत कराया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की वार्डन श्रीमती सुधा मिश्रा,दीपक यादव,घनश्याम रहे।

भारतीय संस्कृति में महिला का उच्च स्थानः डॉ. राजकुमार

मेरठ (मेरठ समाचार प्रतिनिधि)। हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला पहले से शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान समय में महिला पुरूषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है। यह बात स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ0 राजकुमार मुख्य अतिथि ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम के दौरान कही।

गुरूकुल स्ट्रीट आवास पार्क चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ मिशन शक्ति अभियान 2021 के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बारबर का अधिकार दिया गया है। आज हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही है। चाहे फिर वह राजनैतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसको अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। पहले की अपेक्षा महिलाओं में अधिक जागरूकता आई। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढता जा रहा है।

महिलाओं को माना गया है शक्ति का रूप : डॉ. राजकुमार

मेरठ (एसएनबी)। स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजकुमार ने चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय में आयोजित मिशन शक्ति अभियान के तहत स्वास्थ परीक्षण एवं औषिधि वितरण कार्यक्रम में कहा कि हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है। हम मां दुर्गा, लक्ष्मी और विद्या को पूजते हैं। महिला को पहले से ही शक्ति का स्वरूप माना जाता है। वर्तमान में महिला पुरुषों से कम नहीं है, वह कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। समाज को अपनी सोच में बदलाव लाने की आवश्यकता है। नारी अब अबला नहीं है।

कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बराबर का अधिकार दिया गया है। हर क्षेत्र में महिला उच्च पदों पर काम कर रही हैं। चाहें फिर वह राजनीतिक क्षेत्र हो, स्वास्थ्य या फिर शिक्षा का क्षेत्र हो। महिला किसी से भी कम नहीं है। उनको अपने अधिकारों को पहचानने की आवश्यकता है। प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही बच्चे की पहली गुरू होती है, जो उसे अच्छे और बुरे की पहचान कराती है। महिलाओं में शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर बिन्दु शर्मा ने बताया शासन के निर्देशानुसार पूरे सप्ताह मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रम किए जाएंगे। सात मार्च तक इन कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। हर दिन अलग विषय पर कार्यक्रम या फिर गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। परीक्षण के दौरान 70 छात्राओं का ब्लड, शुगर, हीमोग्लोबिन, एचआईवी, हीपैटाईटिस बी का परीक्षण किया गया। इसमें 10 से लेकर 14.5 तक छात्राओं का हीमोग्लोबिन पाया गया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक डॉ. संगीता गुप्ता, एसीएमओ डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. रचना, डा. सुनीता चौहान, डॉ. निधि भाटिया, डॉ. शिखा वशिष्ठ, प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहानी, प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ताभी मौजूद रहे।

दिनाँक: 2 मार्च 2021

कार्यक्रम 2 :
"महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे" पर
ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान

अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रोफेसर बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र /आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
मुख्य वक्ता :	स्वाति यादव, मनोविज्ञान चिकित्सक, सदस्य, मेंटल हेल्थ मिशन

विवरण :

उतर प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओँ के "मानसिक स्वास्थ्य पर एक व्याख्यान एवं अंतः संवाद सत्र" आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो. वाई विमला महोदया ने की | Mental Health Mission India एक गैरलाभकारी और गैरसरकारी संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य और उससे सम्बंधित विभिन्न प्रकार की सांवेगिक व व्यवहारिक समस्याओं के प्रति लोगों को राष्ट्रीय एवं विश्व स्तर पर शिक्षित एवं जागरूक करना है | श्रीमती स्वाति यादव ने महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उपचार हेतु उनका मार्गदर्शन किया | असामान्य घटनाओं की वजह से पैदा हुए मानसिक दबाब के परिणामस्वरूप एडजेस्टमेंट से सम्बंधित समस्याओं जैसे डर ,चिंता ,नींद ना आना ,दुखी होना ,कार्य क्षमता का घटना ,स्कूल परफोर्मेंस घटनाके पहलुओं पर जोर दिया | उन्होंने कहा कि महिलाओं को सबसे पहले मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रति कुलपति ने कहा कि महिलाओं को मानसिक रूप से स्वस्थ होना बहुत ही आवश्यक है महिलाओं को तनाव से दूर रहना चाहिए। मिशन शक्ति समन्वय प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि यदि कोई महिला मानसिक रूप से स्वस्थ है तो है शारीरिक रूप से भी स्वस्थ होगी।

फोटोग्राफ गैलरी :

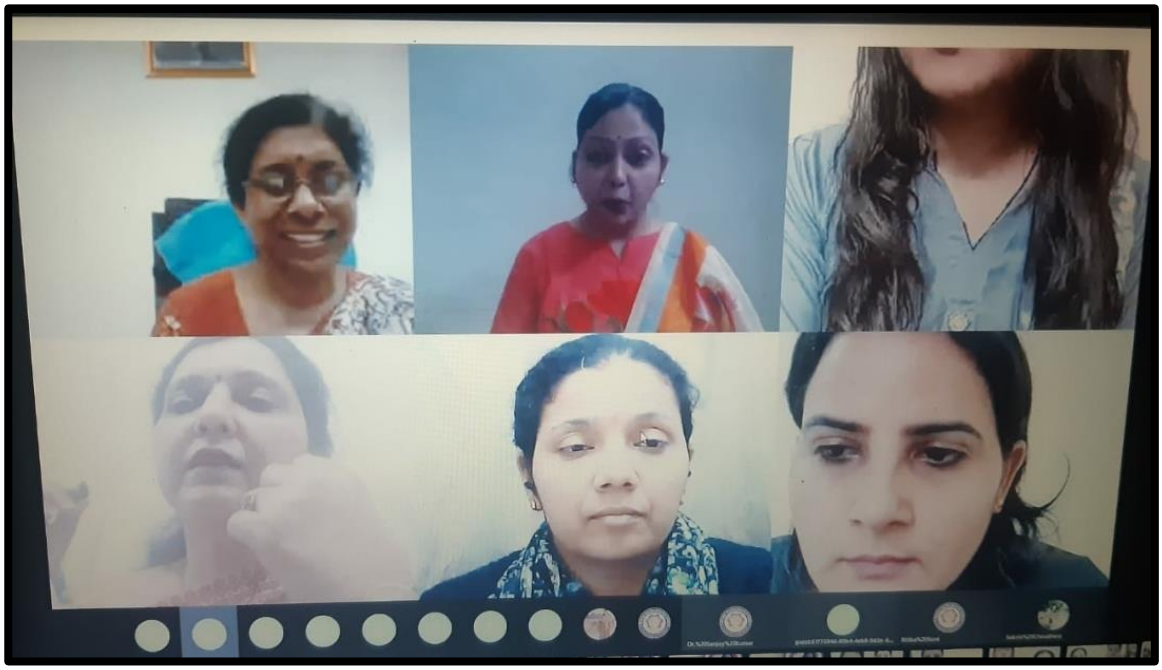

मीडिया रिपोर्ट :

महिलाओं को मानसिक रूप से सशक्त होने की जरूरत : स्वाति

मेरठ (एसएनबी)। चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय में चल रहे मिशन शक्ति अभियान सप्ताह के दूसरे दिन 'महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर एक व्याख्यान एवं अंतः संवाद' विषयक वेबीनार में मेंटल हेल्थ मिशन की सदस्य व मनोवैज्ञानिक चिकित्सक स्वाति यादव ने महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उपचार की जानकारी दी।

कहा, महिलाओं को संविधान में समानता का अधिकार दिया गया

शिक्षा महिलाओं को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने में कारगर

असामान्य घटनाओं की वजह से पैदा हुए मानसिक दबाव के परिणामस्वरूप एडजेस्टमेंट से सम्बंधित समस्याओं डर, चिंता , नींद नहीं आना ,दुखी होना, कार्य क्षमता का घटना, स्कूल परफॉर्मेंस के पहलुओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सबसे पहले मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकता है। संविधान में महिलाओं को समानता का अधिकार दिया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ होना बहुत ही आवश्यक है। महिलाओं को तनाव से दूर रहना चाहिए। शिक्षा महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने में सबसे ज्यादा कारगर साबित होती है। महिलाओं को शिक्षा को महत्व देना चाहिए। मिशन शक्ति समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि मेंटल हेल्थ ठीक रखें क्योंकि यदि कोई महिला मानसिक रूप से स्वस्थ है तो वह शारीरिक रूप से भी स्वस्थ्य होगी। इस अवसर पर आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज दिल्ली की भूमिका, दीपिका, स्वाति, कोमल, सिमरन भी मौजूद रहीं। दूसरी ओर, मिशन शक्ति अभियान के उददेश्य को पूरा करने के लिए विवि में चल रहे योग शिविर में मंगलवार को योगी अमरपाल और रानी बाला के निर्देशन में छात्राओं ने योग से आत्मबल में कैसे वृद्धि होती है, इसका अभ्यास किया और योग की बारिकियों को सीखा। छात्राओं ने प्राणायाम, आसन का अभ्यास किया। मिशन शक्ति की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि योग और प्राणायाम से हम स्वस्थ रहते हैं।

महिलाओं को मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकता: स्वाति यादव

मेरठ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओंके मानसिक स्वास्थ्य पर एक व्याख्यान एवं अंत-संवाद सत्र आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो वाई विमला महोदया ने की। एक गैरलाभकारी और गैर सरकारी संगठन ह। जिसका मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य और उससे सम्बंधित विभिन्न प्रकार की सांवेगिक व व्यवहारिक समस्याओं के प्रति लोगों को राष्ट्रीय एवं विश्व स्तर पर शिक्षित एवं जागरूक करना है। स्वाति यादव मेंटल हेल्थ मिशन की सदस्य मनोवैज्ञानिक ने महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उपचार हेतु उनका मार्गदर्शन किया। असामान्य घटनाओं की वजह से पैदा हुए मानसिक दबाब के परिणामस्वरूप एडजेस्टमेंट से सम्बंधित समस्याओं जैसे डर ,चिंता,नींद ना आना दुखी होना ,कार्य क्षमता का घटना ,स्कूल परफोर्मेंस घटनाके पहलुओं पर जोर दिया। कहा कि महिलाओं को सबसे पहले मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकता है। क्योंकि संविधान में महिलाओं को समानता का अधिकार दिया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रति कुलपति प्रो वाई विमला ने कहा कि महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ होना बहुत ही आवश्यक है। महिलाओं को तनाव से दूर रहना चाहिए। शिक्षा महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर सबसे ज्यादा कारगर साबित होती है।

महिलाओं को मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकता : स्वाति यादव

मेरठ (धारा न्यूज सवांददाता)। उतर प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओंके मानसिक स्वास्थ्य पर एक व्याख्यान एवं अंतः संवाद सत्र आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो वाई विमला महोदया ने की। एक गैरलाभकारी और गैर सरकारी संगठन ह। जिसका मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य और उससे सम्बंधित विभिन्न प्रकार की सांवेगिक व व्यवहारिक समस्याओं के प्रति लोगों को राष्ट्रीय एवं विश्व स्तर पर शिक्षित एवं जागरूक करना है। स्वाति यादव मेंटल हेल्थ मिशन की सदस्य मनोवैज्ञानिक ने महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उपचार हेतु उनका मार्गदर्शन किया। असामान्य घटनाओं की वजह से पैदा हुए मानसिक दबाब के परिणामस्वरूप एडजेस्टमेंट से सम्बंधित समस्याओं जैसे डर ,चिंता,नींद ना आना दुखी होना ,कार्य क्षमता का घटना ,स्कूल परफोर्मेंस घटनाके पहलुओं पर जोर दिया। कहा कि महिलाओं को सबसे पहले मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकता है। क्योंकि संविधान में महिलाओं को समानता का अधिकार दिया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रति कुलपति प्रो वाई विमला ने कहा कि महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ होना बहुत ही आवश्यक है। महिलाओं को तनाव से दूर रहना चाहिए। शिक्षा महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर सबसे ज्यादा कारगर साबित होती है। महिलाओं को शिक्षा को महत्व देना चाहिए। किसी भी चीज की जानकारी होना मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। प्रो बिन्दु शर्मा समन्वयक मिशन शक्ति ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम की जानकारी दी और सभी का स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि मेंटल हेल्थ ठीक रखें क्योंकि यदि कोई महिला मानसिक रूप से स्वस्थ है तो वह शारीरिक रूप से भी स्वस्थ्य होगी। इस अवसर पर भूमिका आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज दिल्ली, दीपिका, स्वाति, कोमल, सिमरन आदि मौजूद रही।

दैनिक हीरा टाइम्स

महिलाओं को मानसिक रूप से सशक्त होने की जरूरत : स्वाति

मेरठ, संवाददाता। उतर प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रति–कुलपति प्रो वाई विमला ने की। इस अवसर पर स्वाति यादव मेंटल हेल्थ मिशन की सदस्य मनोवैज्ञानिक ने महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उपचार हेतु उनका मार्गदर्शन किया। असामान्य घटनाओं की वजह से पैदा हुए मानसिक दबाब के परिणामस्वरूप एडजेस्टमेंट से सम्बंधित समस्याओं जैसे डर, चिंता, नींद ना आना, दुखी होना, कार्य क्षमता का घटना, स्कूल परफोर्मेंस घटनाके पहलुओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सबसे पहले मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकता है। क्योंकि संविधान में महिलाओं को समानता का अधिकार दिया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रति–कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ होना बहुत ही आवश्यक है। महिलाओं को तनाव से दूर रहना चाहिए। शिक्षा महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर सबसे ज्यादा कारगर साबित होती है। महिलाओं को शिक्षा को महत्व देना चाहिए। किसी भी चीज की जानकारी होना मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि मेंटल हेल्थ ठीक रखें, क्योंकि यदि कोई महिला मानसिक रूप से स्वस्थ है तो वह शारीरिक रूप से भी स्वस्थ्य होगी।

महिलाओं को मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकताः स्वाति यादव

(आज का बुलेटिन)
दिनेश गोयल बाबा

मेरठ। उतर प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर एक व्याख्यान एवं अंतः संवाद सत्र आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो वाई विमला महोदया ने की। डमदजंस भ्मंसजी डपेपवद प्दकपं एक गैरलाभकारी और गैर सरकारी संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य और उससे सम्बंधित विभिन्न प्रकार की सांवेगिक व व्यवहारिक समस्याओं के प्रति लोगों को राष्ट्रीय एवं विश्व स्तर पर शिक्षित एवं जागरूक करना है। श्रीमती स्वाति यादव मेंटल हेल्थ मिशन की सदस्य मनोवैज्ञानिक ने महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उपचार हेतु उनका मार्गदर्शन किया। असामान्य घटनाओं की वजह से पैदा हुए मानसिक दबाब के परिणामस्वरूप एडजेस्टमेंट से सम्बंधित समस्याओं जैसे डर ,चिंता ,नींद ना आना ,दुखी होना ,कार्य क्षमता का घटना ,स्कूल परफोर्मेंस घटनाके पहलुओं पर जोर दिया। कहा कि महिलाओं को सबसे पहले मानसिक रूप से सशक्त होने की आवश्यकता है। क्योंकि संविधान में महिलाओं को समानता का अधिकार दिया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ होना बहुत ही आवश्यक है। महिलाओं को तनाव से दूर रहना चाहिए। शिक्षा महिला को मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर सबसे ज्यादा कारगर साबित होती है। महिलाओं को शिक्षा को महत्व देना चाहिए। किसी भी चीज की जानकारी होना मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। प्रो0 बिन्दु शर्मा समन्वयक मिशन शक्ति ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम की जानकारी दी और सभी का स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि मेंटल हेल्थ ठीक रखें क्योंकि यदि कोई महिला मानसिक रूप से स्वस्थ है तो वह शारीरिक रूप से भी स्वस्थ्य होगी। इस अवसर पर भूमिका आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज दिल्ली, दीपिका, स्वाति, कोमल, सिमरन आदि मौजूद रही।

दिनाँक: 1-7 मार्च 2021

कार्यक्रम 3 :

"योग शिविर"

संचालन का स्थान:	योग विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
दिवस :	योग दिवस
अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रोफेसर बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र, आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
योग प्रशिक्षक :	• योगी अमरपाल • रानी बाला

विवरण :

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में मिशन शक्ति अभियान के तहत 1 मार्च से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस छात्राओं में महिला कर्मचारियों के लिए योग शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित योग विभाग में प्रातः 8:00 बजे से 9:00 बजे तक किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हम सभी के जीवन में योग काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह शरीर तथा मस्तिष्क के संबंधों में सन्तुलन बनाने में हमारी काफी सहायता करता है। यह एक प्राकर का व्यायाम है, इसके नियमित अभ्यास के द्वारा हम शारीरिक और मानसिक रुप से स्वस्थ रह सकते हैं।। विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि यदि योग को नियमित रुप से किया जाए तो यह दवाइयों का दूसरा विकल्प हो सकता है। यह प्रतिदिन खाई जाने वाली भारी दवाइयों के दुष्प्रभावों को भी कम करता है। योग प्रशिक्षक योगी अमरपाल और रानी बाला ने छात्रों को यह बताया कि योग से आत्म बल को कैसे बढ़ा सकते हैं छात्राओं में प्राणायाम आसन का अभ्यास किया। मिशन शक्ति के समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने सभी का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि महिलाओं का मानसिक रूप से सशक्त होना बहुत ही आवश्यक है।

फोटोग्राफ गैलरी :

मीडिया रिपोर्ट :

दैनिक हीरा टाइम्स

मिशन शक्ति के अंतर्गत विवि में कार्यक्रम आयोजित

मेरठ, संवाददाता। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान 2021 के उददेश्य को पूरा करने के लिए विश्व. विद्यालय में एक मार्च से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस छात्राओं व महिला कर्मचारियों के लिए योग शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित योग विभाग में प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक आयाजित किया जा रहा है। जिसमें योगी अमरपाल और रानी बाला के निर्देशन में प्रातः छात्राओं ने योग से आत्मबल में कैसे वृद्धि होती है इसका अभ्यास किया और योग की बारीकयों को सीखा। इस योग शिविर में छात्राओं में उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने प्राणायाम, आसन का अभ्यास किया। मिशन शक्ति की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने सभी का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि नारी सम्मान, नारी सुरक्षा नारी स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति का ध्येय वाक्य है उसको पूरा करने के लिए महिलाओं का शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त होना बहुत ही आवश्यक है। योग और प्राणायाम से नारी सशक्त होती है।

DAILY दैनिक न्यूज फर्स्ट टुडे

NEWS F1RST TODAY

नारी को शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त होना आवश्यक : प्रो. बिन्दु शर्मा

मेरठ (प्र)। मिशन शक्ति अभियान 2021 के उददेश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय में एक मार्च से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस छात्राओं व महिला कर्मचारियों के लिए योग शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित योग विभाग में प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक आयाजित किया जा रहा है। जिसमें योगी अमरपाल और रानी बाला के निर्देशन में प्रातः छात्राओं ने योग से आत्मबल में कैसे वृद्धि होती है, इसका अभ्यास किया और योग की बारिकियों को सीखा।

इस योग शिविर में छात्राओं में उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने प्राणायाम, आसन का अभ्यास किया। मिशन शक्ति की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने सभी का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि नारी सम्मान, नारी सुरक्षा नारी स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति का ध्येय वाक्य है उसको पूरा करने के लिए महिलाओं का शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त होना बहुत ही आवश्यक है। योग और प्राणायाम से नारी सशक्त होती है।

नारी को शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त होना आवश्यक: प्रो बिदु शर्मा

मेरठ (धारा न्यूज)। मिशन शक्ति अभियान 2021 के उददेश्य को पूरा करने के लिए विवि में एक मार्च से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस छात्राओं व महिला कर्मचारियों के लिए योग शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित योग विभाग में प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक आयाजित किया जा रहा है। जिसमें योगी अमरपाल और रानी बाला के निर्देशन में प्रातः छात्राओं ने योग से आत्मबल में कैसे वृद्धि होती है इसका अभ्यास किया और योग की बारिकियों को सीखा। इस योग शिविर में छात्राओं में उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने प्राणायामए आसन का अभ्यास किया। मिशन शक्ति की समन्वयक प्रो बिन्दु शर्मा ने सभी का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि नारी सम्मानए नारी सुरक्षा नारी स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति का ध्येय वाक्य है उसको पूरा करने के लिए महिलाओं का शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त होना बहुत ही आवश्यक है। योग और प्राणायाम से नारी सशक्त होती है।

नारी को शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त होना आवश्यक: बिन्दु शर्मा

मेरठ। मिशन शक्ति अभियान 2021 के उददेश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय में एक मार्च से अंतराष्ट्रीय महिला दिवस छात्राओं व महिला कर्मचारियों के लिए योग शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित योग विभाग में प्रात: 8 बजे से 9 बजे तक आयाजित किया जा रहा है। जिसमें योगी अमरपाल और रानी बाला के निर्देशन में प्रात: छात्राओं ने योग से आत्मबल में कैसे वृद्धि होती है इसका अभ्यास किया और योग की बारिकियों को सीखा। इस योग शिविर में छात्राओं में उत्साह देखने को मिला। छात्राओं ने प्राणायाम, आसन का अभ्यास किया। मिशन शक्ति की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने सभी का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि नारी सम्मान, नारी सुरक्षा नारी स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति का ध्येय वाक्य है उसको पूरा करने के लिए महिलाओं का शारीरिक व मानसिक रूप से सशक्त होना बहुत ही आवश्यक है। योग और प्राणायाम से नारी सशक्त होती है।

दिनाँक: 3-4 मार्च 2021

कार्यक्रम 4 :

पोस्टर/स्लोगन/प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

संचालन का स्थान:	इतिहास विभाग, विश्वविद्यालय परिसर, मेरठ
अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	डॉ. अलका तिवारी, कला विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपस्थित शिक्षकगण:	• संरक्षक, प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा जी , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • अध्यक्ष, प्रोफेसर विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • डॉ. संगीता गुप्ता, एसीएमओ; • सुशांत चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी • डॉ. पूजा शर्मा; • डॉ. रचना; • डॉ. सुनीता चौहान; • डॉ निधि भाटिया; • डॉ. शिखा वशिष्ठ
मुख्य वक्ता :	संयुक्त निदेशक, डॉ राजकुमार स्वास्थ्य विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण :

सीसीएसयू कैंपस कॉलेजों में सोमवार को मिशन शक्ति के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कैंपस के गुरुकुल स्ट्रीट आवास पार्क में बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजकुमार ने कहा कि हमारी संस्कृति में महिलाओं को देवी की तरह पूजा जाता है आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा जी ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बराबर का अधिकार दिया गया है। उन्होंने कहा महिलाओं को के बिना समाज की कल्पना ही नहीं की जा सकती। इस मौके पर शिविर में 70 से अधिक बच्चों का परीक्षण हुआ तथा औषधी भी वितरित की गई। कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने बताया कि 7 मार्च तक कार्यक्रमों की श्रंखला चलेगी। ललित कला विभाग के अंतर महाविद्यालय पोस्टर प्रतियोगिता हुई। नारी तू नारायणी विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में नव्या ने प्रथम, सुमैया ने द्वितीय एवं सुप्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में संयोजिका डॉ अलका तिवारी डॉ बिंदु शर्मा वक्त पूर्णिमा वशिष्ठ रहे बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी सुशांत चौधरी ने कहा कि सभी विभाग के अधिकारियों अधिकारी अपने विभाग से संबंधित कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक कराएं।

मीडिया रिपोर्ट :

कदम से कदम मिला रही नारी शक्ति

मिशन शक्ति

माई सिटी रिपोर्टर

कैंपस और कॉलेजों में आयोजित हुए कार्यक्रम, वक्ता बोले- संस्कृति में देवी की तरह पूजी जाती हैं महिलाएं

सीसीएसयू के आवास पार्क में मिशन शक्ति के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करतीं प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला और कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी। ब्यूरो

मेरठ। सीसीएसयू कैंपस और कॉलेजों में सोमवार को मिशन शक्ति के तहत विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कैंपस के गुरुकुल स्ट्रीट आवास पार्क में बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

मुख्य अतिथि स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजकुमार ने कहा कि हमारी संस्कृति में महिला को देवी की तरह पूजा जाता है। आज महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। सीसीएसयू के कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि हमारे संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बराबर का अधिकार दिया गया है। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

इस मौके पर शिविर में 70 से अधिक बच्चों का हुआ परीक्षण औषधि वितरित की गई। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिंदु शर्मा ने बताया कि सात मार्च तक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी। डॉ. संगीता गुप्ता, एसीएमओ डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. रचना, डॉ. सुनीता चौहान, डॉ. निधि भाटिया, डॉ. शिखा वशिष्ठ का सहयोग रहा।

ललित कला विभाग में अंतर महाविद्यालय पोस्टर प्रतियोगिता हुई। नारी तू नारायणी विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में नव्या ने प्रथम, सुमैया ने द्वितीय एवं सुप्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में संयोजिका डॉ. अलका तिवारी, डा. बिंदु शर्मा, डॉ. पूर्णिमा वशिष्ठ रहीं।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी शशांक चौधरी ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने विभाग से संबंधित कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक कराएं और प्रतिदिन उसकी प्रगति आख्या जिला व शासन स्तर पर भेजें।

चित्रकला में ज्योति प्रथम और नव्या रहीं द्वितीय

एनएएस कॉलेज में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता छात्र-छात्राएं और साथ में शिक्षिकाएं। संवाद

मेरठ। एनएएस कालेज में पोस्टर प्रतियोगिता हुई। इसमें ज्योति प्रथम, नव्या ने द्वितीय तथा अभिषेक गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यशाला का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. वीपी राकेश ने किया। कार्यशाला संयोजिका डॉ. अलका तिवारी, गरिमा कौशिक, दीपांजलि, कार्यालय अधीक्षक अभिषेक भाटिया का योगदान रहा।

कनोहर लाल कॉलेज में डॉ. अंजलि विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान इलाहाबाद डिग्री कॉलेज द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन प्राचार्य डॉ. किरण प्रदीप के निर्देशन में हुआ।

संयोजन डॉ. वेणु वनिता एवं स्मृति यादव ने किया। डॉ. अंजलि ने नारी सुरक्षा, नारी सम्मान नारी स्वावलंबन के बारे में जानकारी दी। प्रीति सिंह और सोनिका नागर का विशेष सहयोग रहा। कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय शिविर दिल्ली रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में शुरू हुआ।

शुभारंभ प्राचार्य डॉ. किरण प्रदीप एवं सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने किया। आरजी कॉलेज में डॉ. पल्लवी रस्तोगी ने शारीरिक समस्याओं पर जानकारी दी। ब्यूरो

साइबर क्राइम से बचें छात्राएं

कर्मवीर सिंह का स्वागत करतीं प्रिंसिपल।

मेरठ। डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल शास्त्रीनगर में साइबर सिक्योरिटी पर सब इंस्पेक्टर कर्मवीर सिंह ने छात्राओं को साइबर क्राइम से बचने की जानकारी दी।

प्रधानाचार्य डॉ. अल्पना शर्मा ने पौधा देकर अतिथि का स्वागत किया। मेरठ कॉलेज में महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. अल्पना रस्तोगी ने प्रेरित कहानियों के माध्यम से छात्राओं और महिलाओं को जागरूक किया। इस मौके पर डॉ. सरिता वर्मा, डॉ. निशा मनीष, डॉ. राधा मिश्रा, डॉ. विभाग तोमर, डॉ. सीमा रानी, डॉ. मोनिका भटनागर आदि का योगदान रहा।

शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता हुई। निर्णायक डॉ. अनीता गोस्वामी एवं गीता चौधरी रहीं। प्रतियोगिता में चेतना प्रथम, रेशु द्वितीय रहीं। संवाद

दिनाँक: 3 मार्च 2021

कार्यक्रम 5 :

'जिज्ञासा और दृढ़ता के साथ साहसी सफलता' और 'वश्विक परिचय में भारतीय नारी' पर ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान।

अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	डॉ. अलका तिवारी, कला विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपस्थित शिक्षकगण:	• डॉ संजय, मनोविज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता, अध्यक्ष, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ
मुख्य वक्ता :	अरुणिमा शर्मा, प्रोडक्ट मैनेजर

विवरण :

सीसीएसयू में आयोजित सेमिनार में मेरठ में नौकरी के शुरुआत करने के बाद अब से फॉर्म कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजर अरुणिमा शर्मा ने कहा कि साहस और दृढ़ता से काम किया जाए तो सफलता जरूर मिलती है। कड़ी मेहनत अनुकूलता और गहरी सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। मिशन शक्ति के तहत वेबीनार में चौथे दिन सीसीएसयू के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ संजय ने कहा कि देश की महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह प्रतीत होता है। आज महिलाओं की स्थिति पहले से बेहतर है। हालांकि अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है इसीलिए व्यक्तिगत होना आवश्यक है। माननीय कुलपति ने कहा कि यदि महिलाओं को सामाजिक आर्थिक रूप से महिलाओं को अपने अधिकारों और किसी भी स्थिति में अपने

लिए पहला कदम उठाना होगा। विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि आज भारतीय नारी चार दीवारी से निकल कर अपने अधिकारों के प्रति सजग हो गयी है। शिक्षित होकर विभिन्न क्षेत्रों में वो अच्छा प्रदर्शन कर रही है। नारी को भोग्या मानने वाले पुरुष प्रधान समाज में नारी ने प्रमाणित कर दिया की वो भी इस पुरुष प्रधान देश में अपना लोहा रख सकती है। आज उसकी प्रतिभा और दृष्टिकोण पुरुष से पीछे नहीं है।प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को अपने लक्ष्य को आधारित निर्धारित करना होगा। साथ ही योगा, मेडिटेशन, व्यायाम और अच्छा भोजन भी करना चाहिए। मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि वर्तमान में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही है।

फोटोग्राफ गैलरी :

मीडिया रिपोर्ट :

साहस और दृढ़ता से ही मिलती है सफलत

मिशन शक्ति

सीसीएसयू में आयोजित वेबिनार और इस्माईल नेशनल महिला पीजी कॉलेज में रखे विचा

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। साहस और दृढ़ता से काम किया जाए तो सफलता जरूर मिलती है। कड़ी मेहनत, अनुकूलता और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। ये बात बृहस्पतिवार को सीसीएसयू में आयोजित वेबिनार में मेरठ से नौकरी के शुरूआत करने के बाद अब सेल्स फोर्स कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजेर अरुनिमा शर्मा ने कही।

मिशन शक्ति के तहत वेबिनार में चौथे दिन सीसीएसयू के मनोविज्ञान विभाग में प्रो. डॉ. संजय ने कहा कि देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है।

हालांकि अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा।

प्रो. नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा। साथ ही योगा, मेडिटेशन, व्यायाम और अच्छा भोजन भी करना चाहिए। मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. विंदु शर्मा ने कहा कि वर्तमान में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही है।

बृहस्पतिवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम में स्लोगन से महिला सशक्तिकरण का संदेश देतीं मेडिकल कॉलेज की छात्राएं। अमर

दिनाँक: 3 मार्च 2021

कार्यक्रम 6 :

"महिलाओं के कानूनी अधिकार" पर ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान

अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र / आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपस्थित अतिथि :	• संरक्षक, प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा जी , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • अध्यक्ष, प्रति कुलपति, प्रोफेसर वाई. विमला, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • अंतरराष्ट्रीय गीतकार मनोज कुमार मनोज
मुख्य वक्ता :	सूची शर्मा, विशेष लोक अभियोजन

विवरण :

मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन सूची शर्मा ने कहा कि अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती है इसलिए अपने अधिकारों की जानकारी करा करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरुषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी ना होने के कारण महिला शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि संविधान में महिलाओं के मुताबिक शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियां अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज करा कर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकते हैं जिसमें वह रह रहे हैं । इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय गीतकार मनोज कुमार मनोज भी उपस्थित थे। प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपको आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने सभी का स्वागत है धन्यवाद ज्ञापित किया उन्होंने कहा कि समाज में सोच बदलने के लिए महिलाओं का सशक्त होना बहुत आवश्यक है। इसलिए महिलाओं को शिक्षित होने के साथ-साथ संविधान में मिले अधिकारों के विषय में भी जानकारी होनी चाहिए।

फोटोग्राफ गैलरी :

मीडिया रिपोर्ट :

अधिकारों की जानकारी महिलाओं को बनाती है सशक्त: शुचि शर्मा

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती हैं इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही।

विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियां अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमे वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती है, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरुरी नहीं है, अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिला-वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ठ अतिथि अतर्राष्ट्रीय गीतकार मनोज कुमार मनोज ने एक शेर के साथ अपनी बात शुरू की उन्होंने कहा कौन सी दुल्हनिया की बात करते हो तुम, डोलियो को मिलके कहार लूटते रहे। दिन के उजेरे में वो ख्वाब बांट-बांटकर, रात गये रूप का बाजार लूटते रहे। अंतर्राष्ट्रीय परिद्रश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचार-प्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। हमें अभी बहुत कुछ करना है, संतुष्ट होकर नहीं बैठना है। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपकों आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने सभी स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि समाज की सोच बदलने के लिए महिलाओं का सशक्त होना बहुत आवश्यक है। इसके महिलाओं को शिक्षित होने के साथ साथ संविधान में मिले अपने अधिकारों के विषय में भी जानना होगा।

अधिकारों की जानकारी महिलाओं को बनाती है सशक्त : शुचि शर्मा

मेरठ। अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती हैं। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं।

हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही। अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमे वे रह रही है।

वर्ष: 9 अंक: 53
मेरठ गुरूवार
4 मार्च, 2021
(पृष्ठ 6)
मूल्य एक रुपया
मो0-9359388329
7217388329
R.N.I. NO. UPHIN 2013/51210
(प्रात:कालीन) दैनिक
Email: dainikaajkabuleteen@gmail.com
आज का बुलेटिन

अधिकारों की जानकारी महिलाओं को बनाती है सशक्त-शुचि शर्मा

संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर है अधिकार

(आज का बुलेटिन)
दिनेश गोयल बाबा

मेरठ। अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती है। इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही।

विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियाँ अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमे वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती है, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरुरी नहीं है, अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिला- वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ठ अतिथि अतर्राट्रीय गीतकार मनोज कुमार मनोज ने एक शेर के साथ अपनी बात शुरू की उन्होंने कहा कौन सी दुल्हनिया की बात करते हो तुम, डोलियो को मिलके कहार लूटते रहे। दिन के उजेरे में वो ख्वाब बाँट-बांटकर, रात गये रूप का बाजार लूटते रहे। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचार-प्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। हमें अभी बहुत कुछ करना है, संतुष्ट होकर नहीं बैठना है। प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपकों आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने सभी स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि समाज की सोच बदलने के लिए महिलाओं का सशक्त होना बहुत आवश्यक है। इसके महिलाओं को शिक्षित होने के साथ साथ संविधान में मिले अपने अधिकारों के विषय में भी जानना होगा।

अधिकारों की जानकारी महिलाओं को बनाती है सशक्त : शुचि शर्मा

संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर है अधिकार, सशक्त हो बदलनी होगी समाज की सोच

● इंडिया फेम

मेरठ। अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती हैं। इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही।

विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियां अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमें वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती है, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरुरी नहीं है, अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिला- वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ठ अतिथि अंतर्राट्रीय गीतकार मनोज कुमार ने एक शेर के साथ अपनी बात शुरू की।

अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचार-प्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। हमें अभी बहुत कुछ करना है, संतुष्ट होकर नहीं बैठना है।

शिक्षा ही दिला सकती है अधिकार: विमला

प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपको आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने सभी स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि समाज की सोच बदलने के लिए महिलाओं का सशक्त होना बहुत आवश्यक है। इसके महिलाओं को शिक्षित होने के साथ-साथ संविधान में मिले अपने अधिकारों के विषय में भी जानना होगा।

वेबिनार सशक्त होकर बदलनी होगी समाज की सोच

अधिकारों की जानकारी बनाती है सशक्त: शुचि

ग्रीन इंडिया

मेरठ। अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती है। इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही।

विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियाँ अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

संबोधन

- संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर अधिकार

उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमे वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती है इसके लिए वकील को लेकर जाना जरुरी नहीं है, अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिला, वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ट अतिथि अतर्राट्रीय गीतकार मनोज कुमार ने एक शेर के साथ अपनी बात शुरू की।

उन्होंने कहा कौन सी दुल्हनिया की बात करते हो तुमए डोलियो को मिलके कहार लूटते रहे। दिन के उजेरे में वो ख्वाब बाँट-बांटकर रात गये रूप का बाजार लूटते रहे। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। हमें अभी बहुत कुछ करना है, संतुष्ट होकर नहीं बैठना है। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपकों आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने सभी स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया।

अधिकारों की जानकारी महिलाओं को बनाती है सशक्त: शुचि शर्मा

(एम.एन.एस.)

मेरठ। अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का

संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर है अधिकार
सशक्त हो बदलनी होगी समाज की सोच

काम करती हैं। इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही।

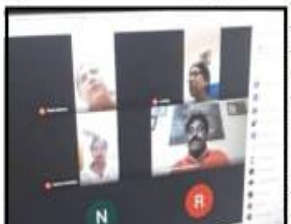

विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियाँ अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमे वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए

सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती है, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरुरी नहीं है, अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिला- वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ठ अतिथि अतर्राट्रीय गीतकार मनोज कुमार मनोज ने एक शेर के साथ अपनी बात शुरू की उन्होंने कहा कौन सी दुल्हनिया की बात करते हो तुम, डोलियो को मिलके कहार लूटते रहे। दिन के उजेरे में वो ख्वाब बाँट-बांटकर, रात गये रूप का बाजार लूटते रहे। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचार-प्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। हमें अभी बहुत कुछ करना है, संतुष्ट होकर नहीं बैठना है। प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपकों आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने सभी स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि समाज की सोच बदलने के लिए महिलाओं का सशक्त होना बहुत आवश्यक है। इसके महिलाओं को शिक्षित होने के साथ साथ संविधान में मिले अपने अधिकारों के विषय में भी जानना होगा।

अधिकारों की जानकारी महिलाओं को बनाती है सशक्त: शुचि शर्मा

सशक्त हो बदलनी होगी समाज की सोच

संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर है अधिकार

मेरठ। अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती हैं। इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शि-ाकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही।

विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियाँ अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमे वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती है, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरुरी नहीं है, अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिला- वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ट अतिथि अतर्राट्रीय गीतकार मनोज कुमार मनोज ने एक शेर के साथ अपनी बात शुरू की उन्होंने कहा कौन सी दुल्हनिया की बात करते हो तुम, डोलियो को मिलके कहार लूटते रहे।

दिन के उजेरे में वो ख्वाब बाँट-बांटकर, रात गये रूप का बाजार लूटते रहे। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचार-प्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। हमें अभी बहुत कुछ करना है, संतुष्ट होकर नहीं बैठना है। प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपकों आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने सभी स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि समाज की सोच बदलने के लिए महिलाओं का सशक्त होना बहुत आवश्यक है। इसके महिलाओं को शिक्षित होने के साथ साथ संविधान में मिले अपने अधिकारों के विषय में भी जानना होगा।

अधिकारों की जानकारी महिलाओं को बनाती है सशक्त: शुचि शर्मा

- संविधान में महिलाओं को पुरुषों के बराबर है अधिकार
- सशक्त हो बदलनी होगी समाज की सोच

मेरठ समाचार प्रतिनिधि

कार्यक्रम में भाग लेते हुए विद्वान।

मेरठ। अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती है। इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरुषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही।

विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियाँ अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमे वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती है, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरुरी नहीं है, अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिला- वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ट अतिथि अतर्राट्रीय गीतकार मनोज कुमार मनोज ने एक शेर के साथ अपनी बात शुरू की उन्होंने कहा कौन सी दुल्हनिया की बात करते हो तुम, डोलियो को मिलके कहार लूटते रहे। दिन के उजेरे में वो ख्वाब बाँट-बांटकर, रात गये रूप का बाजार लूटते रहे। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचार-प्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। हमें अभी बहुत कुछ करना है, संतुष्ट होकर नहीं बैठना है। प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपकों आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रमसमन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर है अधिकार:शुचि शर्मा

दिव्य विश्वास, संवाददाता

मेरठ । अधिकारों की जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती हैं। इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही। विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियां अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं ,जिसमें वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती है, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरुरी नहीं है। अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिला- वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ट अतिथि अतंरराष्ट्रीय गीतकार मनोज कुमार ने अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचार-प्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। हमें अभी बहुत कुछ करना है, संतुष्ट होकर नहीं बैठना है। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपकों आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है।

DAILY
गुरुवार, 04 मार्च, 2021, मेरठ
वर्ष-5, अंक-202, पेज 4, मूल्य-₹ 1
दैनिक न्यूज फर्स्ट टुडे
www.newsfirsttoday.com email:nftoday2016@gmail.com
NEWS F1RST TODAY

अधिकारों की जानकारी महिलाओं को बनाती है सशक्त : शुचि शर्मा

- संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर है अधिकार
- सशक्त हो बदलनी होगी समाज की सोच

मेरठ (प्र)। अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती हैं। इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही।

विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियाँ अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमे वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती है, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरुरी नहीं है, अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिला-वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ठ अतिथि अतर्राष्ट्रीय गीतकार मनोज कुमार मनोज ने एक शेर के साथ अपनी बात शुरू की उन्होंने कहा कौन सी दुल्हनिया की बात करते हो तुम, डोलियो को मिलके कहार लूटते रहे। दिन के उजेरे में वो ख्वाब बाँट-बांटकर, रात गये रूप का बाजार लूटते रहे। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है।

आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचार-प्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। हमें अभी बहुत कुछ करना है, संतुष्ट होकर नहीं बैठना है। प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपकों आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने सभी स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि समाज की सोच बदलने के लिए महिलाओं का सशक्त होना बहुत आवश्यक है। इसके महिलाओं को शिक्षित होने के साथ साथ संविधान में मिले अपने अधिकारों के विषय में भी जानना होगा।

महिला सशक्तिकरण से ही सामाजिक सोच में बदलाव संभव : शुचि

मेरठ (एसएनबी)। मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित वेबिनार में विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कहा कि अधिकारों को जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाती है। इसीलिए महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरुषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। इनकी जानकारी के अभाव में महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। महिला सशक्तिकरण से ही समाज की सोच में बदलाव संभव है।

उन्होंने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि शादीशुदा महिला या युवतियां अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं जिसमें वह रह रही हैं। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती हैं, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरूरी नहीं है। गीतकार मनोज कुमार मनोज ने अपनी बात कुछ यूं बयां की-कौन सी दुल्हनिया की बात करते हो तुम, डोलियों को मिलके कहार लूटते रहे। दिन के उजाले में वो ख्वाब बांट-बांटकर, रात गये रूप का बाजार लूटते रहे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचार-प्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। विवि की प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही महिलाओं को उनके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर बिन्दु शर्मा ने कहा कि समाज की सोच बदलने के लिए महिलाओं का सशक्त होना जरूरी है।

बराबर हैं अधिकार, शोषण न सहें

मिशन शक्ति के तहत कैंपस-कॉलेजों में हुए कई कार्यक्रम, महिलाओं को बताए अधिकार

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ कॉलेज में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करतीं अतिथि और मौजूद छात्राएं। संवाद

मेरठ। मिशन शक्ति के तहत बुधवार को सीसीएसयू कैंपस और कॉलेजों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया।

सीसीएसयू कैंपस में आयोजित वेबिनार में विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कहा कि संविधान में पुरुषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं।

संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित महिलाएं अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं, जिसमे वे रह रही हैं। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती हैं, इसके लिए वकील को लेकर जाना जरूरी नहीं है।

विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध गीतकार मनोज कुमार मनोज ने भारतीय नारी विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है।

आज भी पर्दा प्रथा, दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही है। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपको आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती है, महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा रहीं।

■ आरजी में छात्राओं को दिया परामर्श

आरजी कॉलेज में डॉ. पल्लवी रस्तोगी ने एक्यूप्रेशर द्वारा शरीर के अनेक भागों के दर्द को कैसे सही कर सकते हैं, इसके बारे में जानकारी दी। रेंजर अमिता ने छात्राओं को आत्मसुरक्षा करने के तरीके बताए। रेंजर लीडर डॉ. सुमन तथा बेसिक रेंजर लीडर डॉ. सुनीता सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। आयोजन में कंचन त्यागी, सिमरन, चनप्रीत आदि रेंजर्स ने सहभागिता की। प्राचार्या डॉ. दीप शिखा शर्मा ने उत्साह बढ़ाया।

■ छात्र-छात्राएं भी तनाव में, मन में है डर

शहीद मंगल पांडे महाविद्यालय में डॉ. अनीता मोरल ने कहा कि कोरोना वायरस के डर से पूरी दुनिया में परिवर्तन हो रहे हैं, नवीन परिस्थितियां उत्पन्न हो रही हैं तथा बड़ी संख्या में मृत्यु भी हो रही हैं। ऐसे में छात्र-छात्राओं के मन में डर, चिंता, तनाव, असमंजस, घबराहट और बेचैनी जैसी कई भावनाएं उत्पन्न हो रही हैं। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. दिनेश चंद ने की। डॉ. लता कुमार, डॉ. अमर ज्योति मौजूद रहीं।

अधिकारों की जानकारी महिलाओं को बनाती है सशक्त: शुचि शर्मा

मेरठ। अधिकारों की जानकारी महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती हैं। इसीलिए अपने अधिकारों की जानकारी करना बहुत आवश्यक है। संविधान में पुरूषों के बराबर महिलाओं को अधिकार प्रदान किए गए हैं। जानकारी न होने के कारण महिलाएं शोषण का शिकार होती हैं। हम सशक्त बनकर ही समाज की सोच बदलने का काम कर सकते हैं। यह जानकारी मिशन शक्ति के तहत चौधरी चरण सिंह विवि द्वारा आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने कही।

विशेष लोक अभियोजन शुचि शर्मा ने संविधान में महिलाओं के मिले अधिकारों के बारे में बताते हुए कहा कि शादीशुदा या अविवाहित स्त्रियाँ अपने साथ हो रहे अन्याय व प्रताड़ना को घरेलू हिंसा कानून के अंतर्गत दर्ज कराकर उसी घर में रहने का अधिकार पा सकती हैं

– संविधान में महिलाओं को पुरूषों के बराबर है अधिकार

जिसमे वे रह रही है। घरेलू हिंसा में महिलाएं खुद पर हो रहे अत्याचार के लिए सीधे न्यायालय से गुहार लगा सकती हैए इसके लिए वकील को लेकर जाना जरूरी नहीं हैए अपनी समस्या के निदान के लिए पीड़ित महिलाएं वकील प्रोटेक्शन ऑफिसर और सर्विस प्रोवाइडर में से किसी एक को साथ ले जा सकती है और चाहे तो खुद ही अपना पक्ष रख सकती है। विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय गीतकार मनोज कुमार मनोज ने एक शेर के साथ अपनी बात शुरू की

उन्होंने कहा कौन सी दुल्हनिया की बात करते हो तुमए डोलियों को मिलके कहार लूटते रहे। दिन के उजेरे में वो ख्वाब बाँटएबांटकरए रात गये रूप का बाजार लूटते रहे। अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय नारी विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय नारी को वैश्विक समानता के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आज भी पर्दा प्रथाए दहेज प्रथा और अशिक्षा भारतीय नारी को आगे बढ़ने से रोक रही हैं। शिक्षा का प्रचारएप्रसार भारतीय नारी की दशा और दिशा सुधारने में सहायक होगा। हमें अभी बहुत कुछ करना हैए संतुष्ट होकर नहीं बैठना है। प्रति कुलपति प्रोए वाई विमला ने कहा कि शिक्षा ही आपको आपके अधिकारों से पहचान दिला सकती हैए महिलाओं को सशक्त बना सकती है। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो बिन्दु शर्मा ने सभी स्वागत व धन्यवाद ज्ञापित किया। कहा कि समाज की सोच बदलने के लिए महिलाओं का सशक्त होना बहुत आवश्यक है। इसके महिलाओं को शिक्षित होने के साथ साथ संविधान में मिले अपने अधिकारों के विषय में भी जानना होगा।

दिनाँक: 4 मार्च 2021

कार्यक्रम 7 :

कानूनी मनोविज्ञान/, लड़कियों के लिए मनोवैज्ञानिक वेबीनार

अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र / आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
मुख्य वक्ता :	प्रोफेसर डॉ संजय, मनोविज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण :

सीसीएसयू विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति अभियान के तहत वेबीनार का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि भारत देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है परंतु अभी भी माली समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है। मनोवैज्ञानिक विभाग के शिक्षक डॉ संजय ने बताया कि ने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मा आत्मा प्रेत अनुसार क्षेत्र में आत्मविश्वास वाला होता है , अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के हल निकालने में सक्षम होता है और वे अपनी बात निडरता से दूसरों से कह पाता है और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठा पाता है। ऐसा ऐसे लोग अपने व्यक्तित्व के कारण व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और समाज को विकसित करने में भी उनका महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को होना है तो उन्हें सामाजिक आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को और अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा। महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा और निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ने के साथ-साथ योगा मेडिटेशन भी करना चाहिए अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी कमियों को स्वीकार कर अपने अन्य ताकतों पर भरोसा करना चाहिए और मन में कुछ होने पर अपने माता-पिता से उठाकर उस से बेहतर जीवन, लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट :

महिलाओं को सशक्त बना सकती है आत्मनिर्भरता : डॉ. संजय

मेरठ। गुरुवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति अभियान के तहत वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक डा. संजय ने बताया कि भारत देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है। परंतु अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है और सशक्तता की आत्मनिर्भरता में है, आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है। तभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ किया जा सकता है।
डॉ. संजय ने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित, जिम्मेदार, अनुशासित व आत्म विश्वास वाले होते हैं, वे अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के हल निकालने में सक्षम होते हैं और वे अपनी बात निडरता से दूसरों से कह पाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठा पाते हैं। ऐसे लोग अपने व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और समाज को विकसित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना, और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा।

'आत्मनिर्भरता बनाएगी महिलाओं को सशक्त'

meerut@inext.co.in

MEERUT (4 March): भारत देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है परंतु अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है. इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है. आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है. तभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ किया जा सकता है. यह बात डॉ. संजय शिक्षक मनोविज्ञान विभाग सीसीएसयू मेरठ के कार्यक्रम में सीसीएसयू द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत वेबिनार का आयोजन किया गया. मौके पर डॉ. संजय ने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित, जिम्मेदार, अनुशासित व आत्म विश्वास वाले होते हैं.

महिला का सशक्त होना है जरुरी

प्रति कुलपति प्रो.वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा. मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक प्रो.बिन्दु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही है.

आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है: डा. संजय

दिव्य विश्वास, संवाददाता

मेरठ । भारत देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है ,परंतु अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है, और सशक्तता की आत्मा आत्मनिर्भरता में है, आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है। तभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ किया जा सकता है।यह बात डा.संजय शिक्षक मनोविज्ञान विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित वेबिनार में कही।

डा. संजय ने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित, जिम्मेदार अनुशासित व आत्म विश्वास वाले होते हैं, वे अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के हल निकालने में सक्षम होते हैं और वे अपनी बात निडरता से दूसरों से कह पाते हैं

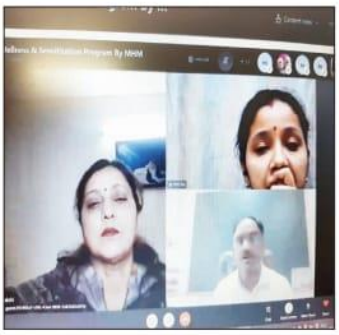

और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठा पाते हैं। ऐसे लोग अपने व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और समाज को विकसित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना, और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा। और इसकी पहली सीढ़ी तो अपनों के बीच से ही शुरू होती है और वहीं से हम सशक्त होना सीखते हैं। इन सबके लिए उनका शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वास्थ होना आवश्यक है। प्रो. नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि उन्हें महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा और निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ने के साथ-साथ योगा, मेडिटेशन एक्सरसाइज और अच्छा भोजन भी करना चाहिए। अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी कमियों को स्वीकार कर अपनी अन्य ताकतों पर भरोसा करना चाहिए और मन में कोई शंका होने पर अपने बड़ों शिक्षको या माता-पिता से साझा कर उनसे बाहर आकर जीवन लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहिए। मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही है। बावजूद इसके महिलाओं को समाज में वह स्थान नहीं मिल पा रहा है जिसकी वह हकदार हैं। सामाजिक बेडियां होने के बावजूद महिलाओं ने पुरूषों के समक्ष अपने ज्ञान एवं विवके का परिचय दिया है।

दैनिक हीरा टाइम्स

आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है : डॉ. संजय

मेरठ, संवाददाता। भारत देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है परंतु अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है और सशक्तता की आत्मा आत्मनिर्भरता में है। आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है तभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ किया जा सकता है। यह बात डॉ. संजय शिक्षक मनोविज्ञान विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित वेबिनार में कही।

डॉ. संजय ने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित,

जिम्मेदार, अनुशासित व आत्मविश्वास वाले होते हैं। वे अपनी छोटी–छोटी समस्याओं के हल निकालने में सक्षम होते हैं और वे अपनी बात निडरता से दूसरों से कह पाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठा पाते हैं। ऐसे लोग अपने व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और समाज को विकसित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा।

इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा। प्रो. नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा और निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ने के साथ–साथ योगा, मेडिटेशन, एक्सरसाइज और अच्छा भोजन भी करना चाहिए। अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी कमियों को स्वीकार कर अपनी अन्य ताकतों पर भरोसा करना चाहिए और मन में कोई शंका होने पर अपने बड़ों, शिक्षकों या माता–पिता से उसे साझा कर उससे बाहर आकर जीवन लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहिए। मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही हैं।

वेबिनार मिशन शक्ति अभियान के चौ. चरण सिंह विवि में आयोजित वेबिनार में डॉ.संजय ने रखे विचार

आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है

संबोधन

- आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित, अनुशासित व आत्म विश्वास वाले होते हैं

ग्रीन इंडिया

मेरठ। भारत में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से बेहतर है परंतु अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है। सशक्तता की आत्मा आत्मनिर्भरता में है, आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है। तभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ किया जा सकता है।

यह बात डॉ.संजय शिक्षक मनोविज्ञान विभाग चौधरी चरण सिंह विवि ने विवि द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित वेबिनार में कही। डॉ.संजय ने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित, जिम्मेदार, अनुशासित व आत्म विश्वास वाले होते हैं, वे अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के हल निकालने में सक्षम होते हैं और वे अपनी बात निडरता से दूसरों से कह पाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठा पाते हैं। ऐसे लोग अपने व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और समाज को विकसित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। प्रति कुलपति प्रो.वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना, और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा। और इसकी पहली सीढ़ी तो अपनों के बीच से ही शुरू होती है और वहीं से हम सशक्त होना सीखते हैं। इन सबके लिए उनका शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है।

प्रो.नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा और निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ने के साथ-साथ योगा, मेडिटेशन एक्सरसाइज और अच्छा भोजन भी करना चाहिए। अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी कमियों को स्वीकार कर अपनी अन्य ताकतों पर भरोसा करना चाहिए और मन में कोई शंका होने पर अपने बड़ों, शिक्षकों या माता-पिता से साझा कर उनसे बाहर आकर जीवन के लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहिए। मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक प्रो.बिन्दु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही है। बावजूद इसके महिलाओं को समाज में वह स्थान नहीं मिल पा रहा है जिसकी वह हकदार हैं।

व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना जरूरी

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

भारत देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है। परंतु अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है, और सशक्तता की आत्मा आत्मनिर्भरता में है, आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है।

तभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ किया जा सकता है। यह बात चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित वेबिनार में सीसीएसयू परिसर में संचालित मनोविज्ञान विभाग के शिक्षक डा. संजय कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित, जिम्मेदार, अनुशासित व आत्म विश्वास वाले होते हैं, वे अपनी

मिशन शक्ति के अंतर्गत ऑनलाइन गोष्ठी में वक्ताओं ने रखी बात

छोटी-छोटी समस्याओं के हल निकालने में सक्षम होते हैं और वे अपनी बात निडरता से दूसरों से कह पाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठा पाते हैं। ऐसे लोग अपने व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और समाज को विकसित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। वहीं, प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा। इसी क्रम में प्रो. नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि उन्हें महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा। मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. बिन्दु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही है। बावजूद इसके महिलाओं को समाज में वह स्थान नहीं मिल पा रहा है जिसकी वह हकदार हैं। सामाजिक बेड़ियां होने के बावजूद महिलाओं ने पुरुषों के समक्ष अपने ज्ञान एवं विवेक का परिचय दिया है।

कार्यालय खण्ड विकास
पत्रांक :- 1372/लेखा-राज्य वित्त/2020-21
अल्प कालीन
खण्ड विकास अधिकारी पुरकाजी की ओर से

महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है मगर अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं

(आज का बुलेटिन)
दिनेश गोयल बाबा

मेरठ। कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर अरुणिमा शर्मा द्वारा एक व्यखान मे अपनी सफलता की यात्रा जो मेरठ से प्रारम्भ की अब वर्तमान मे वह सेलस फोर्स कम्पनी मे प्रोडक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं नामित व्यवसायिक, टिड्एक्स प्रवक्ता, प्रशिक्षक तथा एमएल पब्लिशड रिसर्चर है। अपनी शैक्षिक योग्यता तथा सामाजिक प्रभावी नेतृत्व के कारण गूगल वोमेन टेकमकेर अध्येतावृत्ति प्राप्त कि इसके साथ ही उन्होने टेलेन्ट फेलो के रुप मे कोनटेरेरी वेन्चर फंड भी प्राप्त किया।

गूगल, फेसबुक, आईआईआईई कोलम्बिया विश्वविद्यालय द्वारा पहल कि गयी समावेशी विविधता कार्यक्रम का संचालन भी किया। उन्होने अपने व्यखयान मे साहसिक और दृढ़ता को सफलता का महिलाओं के लिये मूल मन्त्र बताया। जो कड़ी मेहनत, अनुकूलनता सही मार्गदर्शन से प्राप्त किया जा सकता है? भारत देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो

अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है परंतु अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है और सशक्तता की आत्मा आत्मनिर्भरता में है। आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है। तभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ किया जा सकता है। यह बात डॉक्टर संजय शिक्षक मनोविज्ञान विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित वेबिनार में कही।

डॉक्टर संजय ने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित, जिम्मेदार, अनुशासित व आत्मविश्वास वाले होते हैं। वे अपनी छोटी छोटी समस्याओं के हल निकालने में सक्षम होते हैं और वे अपनी बात निडरता से दूसरों से कह पाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठा पाते हैं। ऐसे लोग अपने व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और समाज को विकसित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।

प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा और इसकी पहली सीढ़ी तो अपनों के बीच से ही शुरू होती है और वहीं से हम सशक्त होना सीखते हैं। इन सबके लिए उनका शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वास्थ् होना आवश्यक है। नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि उन्हें महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा और निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ने के साथ-साथ योगा, मेडिटेशन एक्सरसाइज और अच्छा भोजन भी करना चाहिए। अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी कमियों को स्वीकार कर अपनी अन्य ताकतों पर भरोसा करना चाहिए और मन में कोई शंका होने पर अपने बड़ों, शिक्षकों या माता-पिता से साझा कर उनसे बाहर आकर जीवन लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहिए। मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक बिन्दु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही है। बावजूद इसके महिलाओं को समाज में वह स्थान नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वह हकदार हैं। सामाजिक बेड़ियां होने के बावजूद महिलाओं ने पुरूषों के समक्ष अपने ज्ञान एवं विवेक का परिचय दिया है।

आत्मनिर्भरता ही बना सकती है महिलाओं को सशक्त

मेरठ। आज महिलाओं का सशक्त होना जरूरी है। आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है। सीसीएसयू कैंपस में मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में यह बात डॉ.संजय कुमार ने कही। प्रोवीसी प्रो.वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा। अरुणिमा शर्मा ने दृढ़ता और सफलता का मंत्र बताया। प्रो.नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा। प्रो.बिन्दु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही हैं।

आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को पूर्णतः सशक्त बना सकती हैः डॉ0 संजय

मेरठ समाचार प्रतिनिधि

मेरठ। भारत देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है परंतु अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है, और सशक्तता की आत्मा आत्मनिर्भरता में है, आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है। तभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ किया जा सकता है। यह बात डॉ. संजय शिक्षक मनोविज्ञान विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित वेबिनार में कही।

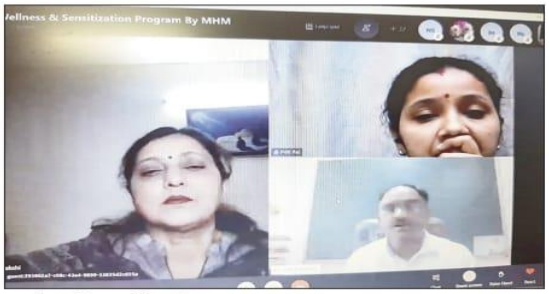

डॉ0 संजय ने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित, जिम्मेदार, अनुशासित व आत्म विश्वास वाले होते हैं, वे अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के हल निकालने में सक्षम होते हैं और वे अपनी बात निडरता से दूसरों से कह पाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठा पाते हैं। ऐसे लोग अपने व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और समाज को विकसित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।

कार्यक्रम में भाग लेते हुए शिक्षकगण।

प्रति कुलपति प्रो0 वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना, और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा। और इसकी पहली सीढ़ी तो अपनों के बीच से ही शुरू होती है और वहीं से हम सशक्त होना सीखते हैं। इन सबके लिए उनका शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वास्थ् होना आवश्यक है।

प्रो0 नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि उन्हें महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा और निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ने के साथ-साथ योगा, मेडिटेशन एक्सरसाइज और अच्छा भोजन भी करना चाहिए। अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी कमियों को स्वीकार कर अपनी अन्य ताकतों पर भरोसा करना चाहिए और मन में कोई शंका होने पर अपने बड़ों, शिक्षको या माता-पिता से साझा कर उनसे बाहर आकर जीवन लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहिए।

मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही है। बावजूद इसके महिलाओं को समाज में वह स्थान नहीं मिल पा रहा है जिसकी वह हकदार हैं। सामाजिक बेडियां होने के बावजूद महिलाओं ने पुरूषों के समक्ष अपने ज्ञान एवं [illegible] परिचय दिया है।

आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती: डॉ. संजय

मेरठ। भारत देश में महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदमों से यह तो अवश्य प्रतीत होता है कि आज महिलाओं की स्थिति पहले से तो बेहतर है। परंतु अभी भी भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर महिलाओं को सशक्त होना आवश्यक है, और सशक्तता की आत्मा आत्मनिर्भरता में है, आत्मनिर्भरता ही महिलाओं को सशक्त बना सकती है। तभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ किया जा सकता है। यह बात डॉ. संजय शिक्षक मनोविज्ञान विभाग चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ ने चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित वेबिनार में कही।

डॉ. संजय ने कहा कि आत्मनिर्भर व्यक्ति सदैव आत्मप्रेरित, जिम्मेदार, अनुशासित व आत्म विश्वास वाले होते हैं, वे अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के हल निकालने में सक्षम होते हैं और वे अपनी बात निडरता से दूसरों से कह पाते हैं और आवश्यकता पड़ने पर अपनी आवाज उठा पाते हैं। ऐसे लोग अपने व्यक्तित्व के स्वामी होते हैं और समाज को विकसित करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि यदि महिलाओं को सशक्त होना है तो उन्हें सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक रूप से आत्मनिर्भर होना होगा। इसके लिए महिलाओं को खुद से प्रेरित होना, अपनी आवाज उठाना, अपने अधिकारों के लिए लड़ना, और किसी भी स्थिति में अपने लिए पहला कदम उठाना सीखना होगा। और इसकी पहली सीढ़ी तो अपनों के बीच से ही शुरू होती है और वहीं से हम सशक्त होना सीखते हैं। इन सबके लिए उनका शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वास्थ होना आवश्यक है। प्रो0 नीलू जैन गुप्ता ने कहा कि उन्हें महिलाओं को अपने लक्ष्य को निर्धारित करना होगा और निर्धारित लक्ष्यों की ओर बढ़ने के साथ-साथ योगा, मेडिटेशन एक्स-रसाइज और अच्छा भोजन भी करना चाहिए। अपने मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपनी कमियों को स्वीकार कर अपनी अन्य ताकतों पर भरोसा करना चाहिए और मन में कोई शंका होने पर अपने बड़ों, शिक्-ाको या माता-पिता से साझा कर उनसे बाहर आकर जीवन लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहिए। मिशन शक्ति कार्यक्रम की समन्वयक प्रो0 बिन्दु शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में महिला हर क्षेत्र में अपनी योग्यता को साबित कर रही है। बावजूद इसके महिलाओं को समाज में वह स्थान नहीं मिल पा रहा है जिसकी वह हकदार हैं। सामाजिक बेडियां होने के बावजूद महिलाओं ने पुरूषों के समक्ष अपने ज्ञान एवं विवके का परिचय दिया है।

मिशन शक्ति अभियान पर किया जागरूक

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देशन मे चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न स्कूलो मे जागरूकता संबंधी गोष्ठी की गई। सार्वजनिक स्थल, चैराहो मे भ्रमण कर महिला/ बालिकाओ को जागरूक किया गया। जिलेभर के पुलिस चैकियो, थानो मे एंटी रोमियो टीम द्वारा कस्बे के भीडभाड चैराहे, कालेज, बाजारो मे पंपलेट बाटे गये। थाना, चैकियो के सीयूजी नंबर दिये। महिलाओ, बालिक-ाओ से उनकी कुशलता पूंछी। कहा कि आवश्यकता पडने पर पुलिस के सीयूजी नंबर पर जानकारी दे सकते है।

दिनाँक: 5 मार्च 2021

कार्यक्रम 8 :

" आत्मरक्षा पर एक दिवसीय शिविर "

संचालन का स्थान:	1) योग विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ 2) इतिहास विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
दिवस :	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
कार्यक्रम की समन्वयक:	• प्रोफेसर बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र, आचार्य जीव विज्ञान विभाग,चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • डॉ. अजय विजय कोर, विभाग।ध्यक्ष, इतिहास विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपस्थित शिक्षकगण :	• प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता, अध्यक्ष, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ • डॉक्टर विवेक त्यागी, • डॉक्टर नरेंद्र पांडे, • डॉ धर्मेंद्र, • डॉक्टर अमरपाल, • डॉक्टर शिखा वशिष्ठ

विवरण :

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति के तहत 5 मार्च 2021 को एक दिवसीय आत्मरक्षा कैंप का आयोजन किया गया था। छात्रों को यूनाइटेड शोतोकॉम कराटे सेल्फ डिफेंस एकेडमी के मांडू वातिका ने छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीके सिखाए। प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला ने कहा कि आजकल लड़कियों और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के मामले सामने आते रहते हैं। समाज में लड़कियों को कमजोर समझा जाता है। लड़कियों के लिए जरूरी हो गया है कि ऐसी कार्य स्थिति से बचने के लिए और आत्म सुरक्षा के लिए तैयार रहें। समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि मार्शल आर्ट एक ऐसी कला है जिसमें फिट रहने के साथ-साथ सु सुरक्षा भी खुद कर सकती है। प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता, डॉक्टर विवेक त्यागी, डॉक्टर नरेंद्र पांडे, डॉ धर्मेंद्र, डॉक्टर अमरपाल, डॉक्टर शिखा वशिष्ठ, रमेश यादव, आदि उपस्थित रहे। वहीं शहीद मंगल पांडे महिला कॉलेज में छात्राओं ने पोस्ट के जरिए नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया। इतिहास विभाग में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वालंबन के लिए उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर अभिषेक और एवं प्रोफेसर आराधना के निर्देशन में मार्शल आर्ट प्रशिक्षण सुनील कुमार गुरु हरकिशन हायर सेकेंडरी स्कूल शास्त्री नगर मेरठ में छात्रों और छात्रों को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया। छात्राओं ने बढ़-चढ़कर के अंतर्गत की पद्धति सीखी।

फोटोग्राफ गैलरी :

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
इतिहास विभाग
पोस्टर/स्लोगन/क्विज
छात्राओं को विधिक एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श कार्यक्रम:
कराटे कैम्प त्रिदिवसीय कार्यक्रम:
महिला सशक्तिकरण जागरूकता रैली:
मिशन शक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम:
स्थान: इतिहास विभाग, चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
आयोजक: प्रो० ए० वी० कौर, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग एवं
समस्त इतिहास विभाग परिवार, चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
DEPARTMENT OF HISTORY
मिशन शक्ति अभियान
तीन दिवसीय महिला कराटे
विशेष शिविर का आयोजन दिनांक 04-06 मार्च, 2021
कार्यक्रम का शुभारम्भ
द्वारा किया जाएगा।
आयोजक: प्रो० ए० वी० कौर, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग एवं
इतिहास विभाग परिवार, चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

मीडिया रिपोर्ट :

महिलाओं को सुरक्षा से जुड़े कानून की जानकारी दी

मिशन शक्ति अभियान

जागरण संवाददाता, मेरठ : प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम के द्वितीय चरण में महिला सशक्तिकरण को लेकर श्रम विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रम विभाग द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत उप श्रमायुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महिला श्रमिकों की जागरूकता के लिए श्रम विभाग के अधिकारियों ने उन्हें विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। कई बिंदुओं पर महिला श्रमिकों को जागरूक किया गया। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पंजीकृत 1796 निर्माण श्रमिकों को एक करोड़ 42 लाख 75 हजार 126 के स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। निर्माण श्रमिकों के दसवीं और इंटर की परीक्षा पास करने वाले बच्चों को आगे शिक्षा जारी रखने के लिए 85 साइकिलों को वितरण भी किया गया।

सीसीएसयू में कराटे का प्रशिक्षण लेती छात्राएं ● सौ. विवि

कराटे से खुद को करें मजबूत

मेरठ: मिशन शक्ति के अंतर्गत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में आत्मरक्षा कैंप का आयोजन किया गया। प्रतिकुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि वह आत्म सुरक्षा के लिए तैयार रहें।

मेडिकल छात्राओं ने प्रस्तुत की नाटिका

जागरण संवाददाता, मेरठ : मिशन शक्ति अभियान के तहत मेडिकल कालेज में शुक्रवार को भी महिला सुरक्षा व स्वावलंबन को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। शुक्रवार को आयोजित हुए कार्यक्रमों में एमबीबीएस की छात्रा याना कौशिक, गौरी, निदा एवं नर्सिंग की छात्रा अन्वी व प्रगति ने मर्मस्पर्शी कविताओं का पाठ कर सभी को मंत्रमुग्ध कर कर दिया। एमबीबीएस व नर्सिंग की छात्राओं द्वारा नारी की स्थिति पर भावपूर्ण नाटिका का मंचन किया गया, कालेज प्राचार्य डा. ज्ञानेंद्र कुमार मौजूद रहे।

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

मेरठ: मिशन शक्ति अभियान के तहत शुक्रवार को शहीद मंगल पांडे पीजी कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वितीय इकाई द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नारी सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन विषय पर छात्राओं ने चित्र बनाए। प्रतियोगिता में उमा जोशी प्रथम, त्रिरत्ना दूसरे और इकरा खातून तीसरे स्थान पर रही। वहीं मिशन शक्ति समिति और शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से छात्राओं को आत्म रक्षा प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रशिक्षक पूर्णेंदु झा ने आत्मरक्षा के तरीकों का अभ्यास कराया। प्रचार्य डा. दिनेश चंद, डा. लता कुमार उपस्थित रही।

अपनी आत्म सुरक्षा के लिए सीखें दांव पेंच : प्रो. वाई विमला

समाज में लडकियों को कमजोर समझा जाता है

कराटे सीख महिलाएं अपनी सुरक्षा खुद कर सकती हैं

मेरठ (धारा न्यूज)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चैधरी चरण सिंह विश्विधालय में एक दिवसीय आत्मरक्षा कैंप का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों का प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण यूनिटेड शोटोकॉम कराटे सेल्फडिफेन्स अकादमी मांडू वातिका मेरठ कांट द्वारा किया गया कार्यक्रम की अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह विश्वविधालय की प्रति कुलपति प्रो वाई विमला ने कहा कि आजकल क्राइम बढ़ता जा रहा हैए जिसमें सबसे ज्यादा लड़कियों और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के मामले सामने आते हैं। समाज में लड़कियों को कमजोर समझा जाता है और कई बार वे घरेलू हिंसा की शिकार भी होती हैं। लड़कियों के लिए बहुत जरूरी हो गया है, कि ऐसी अकल्पनीय स्थिति से बचने के लिए और आत्म सुरक्षा के लिए तैयार रहें। कार्यकेम की समन्यवक प्रो बिंदु शर्मा ने कहा की मार्शल आर्ट एक ऐसी कला हैए जिसमें आप फ्टि रहने के साथ.साथ अपनी सुरक्षा भी खुद कर सकती हैं। इस कला के माध्यम से आप छेड़छाड़ करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दे सकती हैं। आत्म सुरक्षा आपको मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ निधि भटिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रो नीलू जैन गुप्ता ;अध्यक्षा जन्तु विभाग, डॉ विवेक त्यागी ;समन्वयक लॉ विभाग, डॉ नरेंद्र पांडे, डॉ. धर्मेंद्रे, डॉ. अमरपाल, डॉ. शिखा वशिष्ठ रमेश यादव आदि उपस्थित रहे। वहीं इतिहास विभाग में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वावलम्बन के लिए उ प्र शासन के मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत त्रि.दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन विभागाध्यक्षा, प्रो ए वी कौर एवं प्रो आराधना के निर्देशन में मार्शल आर्ट प्रशिक्षक सुनील कुमार, गुरू हरकिशन हॉयर सेकेन्डरी स्कूल, कुटी शास्त्री नगर, मेरठ ने छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया। छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रशिक्षण के अन्तर्गत आत्मरक्षा सेल्फडिफेंस की पद्धति सीखी।

आत्मरक्षा के लिए सीखें दांव पेंचः प्रो.विमला

अभियान

- **मिशन शक्ति के तहत चौ. चरण सिंह विवि में छात्राओं को दिया गया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण**

ग्रीन इंडिया

मेरठ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चौधरी चरण सिंह विवि में एक दिवसीय आत्मरक्षा कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों का प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण यूनिटेड शोटोकॉम कराटे सेल्फ डिफेन्स अकादमी मांडू वातिका मेरठ कांट द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह विवि की प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि आजकल क्राइम बढ़ता जा रहा है, जिसमें सबसे ज्यादा लड़कियों और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के मामले सामने आते हैं। समाज में लड़कियों को कमजोर समझा जाता है और कई बार वे घरेलू हिंसा की शिकार भी होती हैं। लड़कियों के लिए बहुत जरूरी हो गया है, कि ऐसी अकल्पनीय स्थिति से बचने के लिए और आत्म सुरक्षा के लिए तैयार रहें। कार्यक्रम की समन्यवक प्रो.बिंदु शर्मा ने कहा की मार्शल आर्ट एक ऐसी कला है, जिसमें आप फिट रहने के साथ-साथ अपनी सुरक्षा भी खुद कर सकती हैं। इस कला के माध्यम से आप छेड़छाड़ करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दे सकती हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ.निधि भटिया ने किया। कार्यक्रम में प्रो नीलू जैन गुप्ता, डॉ.विवेक त्यागी, डॉ.नरेंद्र पांडे, डॉ. धर्मेंद्र, डॉ. अमरपाल, डॉ. शिखा वशिष्ठ रमेश यादव आदि उपस्थित रहे। वहीं इतिहास विभाग में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वावलम्बन के लिए उप्र शासन के मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत त्रि-दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन विभागाध्यक्षा, प्रो. एव्री.कौर एवं प्रो. आराधना के निर्देशन में मार्शल आर्ट प्रशिक्षक सुनील कुमार, गुरू हरकिशन हॉयर सेकेन्डरी स्कूल, कुटी शास्त्री नगर, मेरठ ने छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया।

संकट के समय सहायता करता है मार्शल आर्टः विमला

मेरठ। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत गुरुवार को सीसीएसयू के इतिहास विभाग में त्रि-दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का सूत्र वाक्य आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस) है।

शिविर का उद्घाटन प्रति-कुलपति प्रो. वाई विमला ने दीप प्रज्जवल कर सरस्वती पूजन से किया। प्रति-कुलपति ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए कह कि वर्तमान समय में लड़कियों एवं महिलाओं को अपने परिवेष में, घर से बाहर निकलकर अपनी सुरक्षा सम्बन्धी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है इसलिए, आज की यह सबसे बड़ी आवश्यकता है कि हम अपनी सुरक्ष स्वयं करें। इसके लिए मार्शल आर्ट हमारे लिए बहुत सहायक हो सकता है यह महिलाओं के हाथ में एक महत्त्वपूर्ण अस्त्र है। विभागाध्यक्षा प्रो. एवी कौर ने कहा कि वर्तमान में महिलाओं के लिए संविधान की व्यवस्थाओं सहित अनेक विशेष कानून हैं फिर भी घर में और घर के बाहर समाज में उन्हें अनेक समस्याओं से जूझना पड़ता है, जिसके लिए उनका मजबूत होना जरूरी है यह आवश्यक है कि वे अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके, इसके लिए प्रत्येक लड़की व महिला को आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट सीखना चाहिए, जिससे संकट के समय में स्वयं अपनी रक्षा कर सकें। प्रो. आराधना ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मार्शल आर्ट के स्वरूप में लगातार परिवर्तन हो रहा है। यदि मार्शल आर्ट कठिन लगती है तो सेल्फ डिफेंस को सीखना चाहिए। यह आसान होने के साथ-साथ व्यवहारिक भी है।

अपनी आत्म सुरक्षा के लिए सीखें दांव पेंचः विमला

मेरठ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चैधरी चरण सिंह विश्वधालय में एक दिवसीय आत्मरक्षा कैंप का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों का प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण यूनिटेड शोटोकॉम कराटे सेल्फ डिफेन्स अकादमी मांडू वातिका मेरठ कांट द्वारा किया गया कार्यक्रम की अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह विश्वविधालय की प्रति कुलपति प्रो वाई विमला ने कहा कि आजकल क्राइम बढ़ता जा रहा हैए जिसमें सबसे ज्यादा लड़कियों और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के मामले सामने आते हैं। समाज में लड़कियों को कमजोर समझा जाता है और कई

कराटे सीख महिलाएं अपनी सुरक्षा खुद कर सकती हैं

बार वे घरेलू हिंसा की शिकार भी होती हैं। लड़कियों के लिए बहुत जरूरी हो गया हैए कि ऐसी अकल्पनीय स्थिति से बचने के लिए और आत्म सुरक्षा के लिए तैयार रहें। कार्यकेम की समन्यवक प्रो बिंदु शर्मा ने कहा की मार्शल आर्ट एक ऐसी कला हैए जिसमें आप फिट रहने के साथणसाथ अपनी सुरक्षा भी खुद कर सकती हैं। इस कला के माध्यम से आप छेड़छाड़ करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दे सकती हैं। आत्म सुरक्षा आपको मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ निधि भटिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रो नीलू जैन गुप्ता यअध्यक्षा जन्तु विभागएडॉ विवेक त्यागी यसमन्वयक लॉ विभागए डॉ नरेंद्र पांडेए डॉण् धर्मेंद्रए डॉण् अमरपालए डॉण् शिखा वशिष्ठ रमेश यादव आदि उपस्थित रहे। वहीं इतिहास विभाग में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वावलम्बन के लिए उ प्र शासन के मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत त्रिण्दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन विभागाध्यक्षाए प्रो ए वी कौर एवं प्रो आराधना के निर्देशन में मार्शल आर्ट प्रशिक्षक सुनील कुमारए गुरू हरकिशन हॉयर सेकेन्डरी स्कूलए कुटी शास्त्री नगरए मेरठ ने छात्राओं को मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया। छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रशिक्षण के अन्तर्गत आत्मरक्षा सेल्फ डिफेंस की पद्धति सीखी।

'मिशन शक्ति' अभियान के तहत यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय मार्शल आर्ट शिविर

अमर भारती संवाददाता

मेरठ। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वावलम्बन के लिए शासन के मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत इतिहास विभाग, चै0 चरण सिंह विश्वविद्यालय में गुरूवार को तीन दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। इस शिविर का सूत्र वाक्य आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस) है। शिविर का उद्घाटन प्रति-कुलपति, प्रो0 वाई0 विमला ने दीप प्रज्जवल कर सरस्वती पूजन से किया।

प्रति-कुलपति ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में लड़कियों एवं महिलाओं को अपने परिवेष में, घर से बाहर निकलकर अपनी सुरक्षा सम्बन्धी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है इसलिए आज की यह सबसे बड़ी आवश्यकता है कि हम अपनी सुरक्षा स्वयं करें। इसके लिए मार्शल आर्ट हमारे लिए बहुत सहायक हो सकता है। यह महिलाओं के हाथ में एक महत्त्वपूर्ण अस्त्र है। विभागाध्यक्षा, प्रो0 ए0वी0 कौर ने कहा कि वर्तमान में महिलाओं के लिए संविधान की व्यवस्थाओं सहित अनेक विशेष कानून हैं फिर भी घर में और घर के बाहर समाज में उन्हें अनेक समस्याओं से जूझना पड़ता है जिसके लिए उनका मजबूत होना जरूरी है। यह आवश्यक है कि वे अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके, इसके लिए प्रत्येक लड़की व महिला को आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट सीखना चाहिए जिससे संकट के समय में स्वयं अपनी रक्षा कर सकें। इस दौरान प्रो0 आराधना ने कहा कि मार्शल आर्ट के स्वरूप में लगातार परिवर्तन हो रहा है यदि मार्शल आर्ट कठिन लगती है तो सेल्फ डिफेंस को सीखना चाहिए। यह आसान होने के साथ व्यवहारिक भी है।

मार्शल आर्ट आत्म सुरक्षा का बेहतर शस्त्र : प्रो. वाई विमला

मेरठ (एसएनबी)। महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वावलम्बन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में तीन दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया। शिविर का उद्घाटन विवि की प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला ने सरस्वती पूजन के बाद दीप प्रज्वलित कर किया।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर शुरू

प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला ने कहा कि वर्तमान में लड़कियों एवं महिलाओं को अपने परिवेश में घर से बाहर निकलकर खुद की सुरक्षा सम्बन्धी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है इसलिए समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है कि हम अपनी सुरक्षा स्वयं करें। इसके लिए मार्शल आर्ट आत्मसुरक्षा का बेहतर शस्त्र है। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एवी कौर ने कहा कि वर्तमान में महिलाओं के लिए संविधान की व्यवस्थाओं सहित कई विशेष कानून हैं। फिर भी घर में और घर के बाहर समाज में उन्हें कई समस्याओं से जूझना पड़ता है जिसके लिए उनका मजबूत होना जरूरी है। वह अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकें, इसके लिए हर लड़की व महिला को आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट सीखना चाहिए जिससे संकट के समय में स्वयं अपनी रक्षा कर सकें।

प्रोफेसर आराधना ने कहा कि मार्शल आर्ट के स्वरूप में लगातार परिवर्तन हो रहा है यदि मार्शल आर्ट कठिन लगता है तो सेल्फ डिफेंस को सीखना चाहिए। यह आसान होने के साथ ही व्यावहारिक भी है।

मार्शल आर्ट जरूर सीखें लड़कियां

मिशन शक्ति के तहत एक दिवसीय आत्मरक्षा शिविर का आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति के तहत शुक्रवार को एक दिवसीय आत्मरक्षा कैंप का आयोजन किया गया।

छात्राओं को यूनिटेड शोतोकॉम कराटे सेल्फ डिफेंस अकादमी के मांडू वातिका ने छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीके सिखाए। प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि आजकल लड़कियों और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के मामले सामने आते हैं। समाज में लड़कियों को कमजोर समझा जाता है।

लड़कियों के लिए जरूरी हो गया है कि ऐसी अकल्पनीय स्थिति से बचने के लिए और आत्मसुरक्षा के लिए तैयार रहें। समनव्यक प्रो. बिंदु शर्मा ने कहा की मार्शल आर्ट एक ऐसी कला है, जिसमें आप फिट रहने के साथ सुरक्षा भी खुद कर सकती हैं।

प्रो. नीलू जैन गुप्ता, डॉ. विवेक त्यागी, डॉ. नरेंद्र पांडे, डॉ. धर्मेंद्र, डॉ. अमरपाल, डॉ. शिखा वशिष्ठ, रमेश यादव आदि उपस्थित रहे।

वहीं शहीद मंगल पांडेय महिला कॉलेज में छात्राओं ने पोस्टर के जरिए नारी सशक्तीकरण का संदेश दिया। नारी सशक्तीकरण एवं स्वावलंबन विषय पर छात्राओं ने चित्र बनाए। प्रतियोगिता में उमा जोशी ने पहला, त्रिरत्ना ने दूसरा व इकरा खातून ने तीसरा स्थान हासिल किया। सांत्वना पुरस्कार आशा व काजल ने जीता। प्रिंसिपल डॉ. दिनेश चंद्र ने सभी को सम्मानित किया। संयोजन डॉ. लता कुमार ने किया।

चित्रकला में विशाखा बनी विजेता

मेरठ। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पर्यावरण एवं स्वच्छता क्लब द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत ऑनलाइन चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्लब निदेशक आयुष गोयल व पीयूष गोयल ने बताया कि प्रतिभागियों ने चित्रों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं जैसे दहेज, अशिक्षा, घरेलू हिंसा आदि समस्याओं को उजागर किया। प्रतियोगिता में विशाखा पुंडीर पहले, अक्षिता जाखड़ दूसरे और अंकित गोयल तीसरे स्थान पर रहीं। अनमोल अग्रवाल ने सांत्वना पुरस्कार जीते। कपिल कुमार, नीतू तोमर व प्रथम के प्रयास भी सराहनीय रहे। ब्यूरो

अपनी आत्म सुरक्षा के लिए सीखें दांव पेंचः विमला

समाज में लड़कियों को कमजोर समझा जाता है, कराटे सीख महिलाएं अपनी सुरक्षा खुद करें

मेरठ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चल रहे मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत चौधरी चरण सिंह विश्विधालय में एक दिवसीय आत्मरक्षा कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों का प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण यूनिटेड शोटोकॉम कराटे सेल्फ डिफेंस अकादमी मांडू वातिका मेरठ कांट द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्ष चौधरी चरण सिंह विश्वविधालय की प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि आजकल क्राइम बढ़ता जा रहा है, जिसमें सबसे ज्यादा लड़कियों और महिलाओं के साथ छेड़छाड़ के मामले सामने आते हैं। समाज में लड़कियों को कमजोर समझा जाता है और कई बार वे घरेलू हिंसा की शिकार भी होती हैं। लड़कियों के लिए बहुत जरूरी हो गया है कि ऐसी अकल्पनीय स्थिति से बचने के लिए और आत्म सुरक्षा के लिए तैयार रहें। कार्यक्रम की समन्यवक प्रो. बिंदु शर्मा ने कहा कि मार्शल आर्ट एक ऐसी कला है, जिसमें आप फिट रहने के साथ-साथ अपनी सुरक्षा भी खुद कर सकती हैं। इस कला के माध्यम से आप छेड़छाड़ करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दे सकती हैं। आत्म सुरक्षा आपको मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. निधि भटिया ने किया। इस कार्यक्रम में प्रो. नीलू जैन गुप्ता, डॉ. विवेक त्यागी, डॉ. नरेंद्र पांडे, डॉ. धर्मेंद्र, डॉ. अमरपाल, डॉ. शिखा, वशिष्ठ रमेश यादव आदि उपस्थित रहे।

सीसीएसयू कैंपस में लगा आत्मरक्षा शिविर, कॉलेजों में हुईं प्रतियोगिताएं, छात्राओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर, बनीं सशक्त

हिन्दुस्तान मिशन शक्ति

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

शुक्रवार को शहीद मंगल पांडे कॉलेज में छात्राओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे।

शुक्रवार को कनोहरलाल कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। • हिन्दुस्तान

समाज में लड़कियों को कमजोर समझा जाता है। यह धारणा गलत है। लड़कियां कमजोर नहीं हैं। विषम परिस्थितियों में खुद की सुरक्षा करने के लिए लड़कियों को प्रशिक्षित होना चाहिए।

मिशन शक्ति अभियान के तहत सीसीएसयू कैंपस में आत्मरक्षा शिविर में छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। यूनिटेड शोटोकॉम कराटे सेल्फ डिफेन्स अकादमी मांडू वातिका ने छात्राओं को प्रशिक्षित किया। प्रोवीसी प्रो.वाई विमला ने कहा कि समाज में अपराध के मामले बढ़ रहे हैं। लड़कियां और महिलाएं इससे सर्वाधिक प्रभावित हैं। वे घरेलू हिंसा की भी शिकार होती हैं। समन्वयक प्रो.बिंदु शर्मा ने कहा कि मार्शल आर्ट से खुद को फिट रहने के साथ-साथ खुद की सुरक्षा भी की जा सकती है। डॉ.निधि भाटिया, प्रो.नीलू जैन गुप्ता, डॉ.विवेक त्यागी, डॉ.नरेंद्र पांडे, डॉ.धर्मेंद्र, डॉ.अमरपाल, वशिष्ठ, रमेश यादव, प्रो.एवी कौर, प्रो.आराधना एवं सुनील कुमार मौजूद रहे।

मिशन शक्ति पर बनाए पोस्टर और लिखे स्लोगन : शहीद मंगलपांडे राजकीय महिला पीजी कॉलेज में मिशन शक्ति समिति के तत्वावधान में पोस्टर प्रतियोगिता हुई। निर्णायक डॉ. स्वर्णलता कदम, डॉ. मोनिका चौधरी, डॉ. कुमकुम ने विजेता छात्राओं का चयन किया। प्राचार्य प्रो. डॉ दिनेश चंद, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजू रानी, प्रशिक्षक पूर्णेंदु झा आदि रहे।

श्रमिकों के 85 बच्चों को दी गई साइकिल

मेरठ। श्रम विभाग की ओर से मिशन शक्ति अभियान के तहत साइकिल वितरण कार्यक्रम हुआ। इसमें सहायक श्रमायुक्त सुमित कुमार ने 85 बालक-बालिकाओं को साइकिल बांटी। साथ ही पंजीकृत 1796 श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत एक करोड़ 42 लाख के स्वीकृति पत्र वितरित किए। सहायक श्रमायुक्त सुमित कुमार, अरविंद कुमार, सहायक श्रमायुक्त पुष्पेंद्र शर्मा, श्रम प्रवर्तन अधिकारी छत्रसाल बरनवाल, हेमंत कुमार, चंद्रप्रकाश, विजय शंकर तिवारी आदि रहे।

कोरोना से बचाव की जानकारी दी

मेरठ। कनोहरलाल पीजी कॉलेज मेरठ में महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान और स्वावलंबन के लिए संचालित मिशन शक्ति कार्य योजना के तहत बरेली कॉलेज में एसोसिएट प्रो. डॉक्टर वंदना शर्मा का अतिथि व्याख्यान हुआ। उन्होंने कोविड की बीमारी से दूर रहने की कुछ महत्वपूर्ण जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. किरण प्रदीप, संयोजन डॉ. वेणु वनिता, स्मृति यादव आदि रहीं।

कई महिला बंदियों को जेल से मिलेगी आजादी

शासन की तैयारी

मेरठ | मनोज बेदी

जेल में सजा काट रहीं कुछ महिला बंदियों को महिला दिवस पर जेल से आजादी मिलेगी। इसके लिए शासन ने तैयारियां कर ली हैं।

मेरठ जेल में बंद ऐसी महिला बंदियों की रिपोर्ट शासन को भेजी गई है। सात मार्च को शासन महिला बंदियों को चिह्नित कर जेल प्रशासन को लिस्ट भेज देगा। इसके बाद जेल प्रशासन लिस्ट में आई महिला बंदियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर रिहा कर देगा।

आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। शासन ने निर्णय लिया है कि प्रदेश की जेलों में बंद ऐसी महिला बंदी जिनकी सजा पूरी होने में कुछ समय शेष है और जेल में उनका आचरण अच्छा रहा हो, उनको अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जेल से रिहा किया जाएगा। शासन ने प्रदेश की सभी जेलों से महिला बंदियों की लिस्ट मांगी है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डा. विभु दत्त पांडे ने बताया कि चौधरी चरण सिंह कारागार में 130 महिला बंदी हैं। कई महिला बंदी जेल में कई वर्षों से सजा काट रही हैं। इनकी सजा पूरी होने में कुछ समय बचा है। इनका जेल में आचरण ठीक रहा है साथ ही ऐसी महिला बंदी जो बुजुर्ग हो चुकी हैं, या किसी घातक बीमार से ग्रस्त हैं, ऐसी महिला बंदियों की रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजा गया है। इन महिला बंदियों को रिहाई का फैसला शासन करेगा। शासन की तरफ से सात मार्च को लिस्ट आएगी। महिलाओं की अगले दिन आठ मार्च रिहाई कर दी जाएगी।

दिनाँक: 8 मार्च 2021

कार्यक्रम 9 :

“मिशन शक्ति की शपथ”

संचालन का स्थान:	जीव विज्ञान विभाग
दिवस :	विश्व महिला दिवस
अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रोफेसर बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र, आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण :

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए चल रहे मिशन शक्ति एवं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने महिलाओं के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा करने के लिए शपथ ली। इस कार्यक्रम में बालिकाओं ने निम्लिखित शपथ ली।

- मैं लिंग रूढ़िवादी या पूर्वाग्रहण को मैं देखती हूं या सुनती हूँ, मैं तो इसका विरोध करूंगी।
- मैं महिलाओं के लिए काम कर रही सोसिएटियों में पहल के लिए प्रयास करुँगी।
- मैं महिलाओं की समानता और समावेशी नीतियों का समाज में प्रसाद करने का प्रयत्न करूंगी।
- मैं निरीक्षण महिलाओं को साक्षर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगी।
- मैं महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए जागरूक करूंगी।

कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा अगर आजकल की लड़कियों पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि ये लड़कियां आजकल बहुत बाजी मार रही हैं। इन्हें हर क्षेत्र में हम आगे बढ़ते हुए देखा जा सकता है । विभिन्न परीक्षाओं की मेरिट लिस्ट में लड़कियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। किसी समय इन्हें कमजोर समझा जाता था, किंतु इन्होंने अपनी मेहनत और मेधा शक्ति के बल पर हर क्षेत्र में प्रवीणता अर्जित कर ली है। इनकी इस प्रतिभा का सम्मान किया जाना चाहिए।

फोटोग्राफ गैलरी :

दिनाँक: 8 मार्च 2021

कार्यक्रम 10 :

जागरूकता मार्च

संचालन का स्थान:	चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण :

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मिशन शक्ति के तहत 8 मार्च 2021 को भूषण हत्या निषेध जन जागरण अभियान जागरूकता रैली का आयोजन किया गया था । विश्वविद्यालय छात्राओं शिक्षिकाओं ने बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या तथा लिंग भेद के खिलाफ रैली निकाली। में शामिल लड़कियों ने तख्ती बैनर के साथ -'नहीं किसी का हो अपमान लड़का लड़की एक समान, बाबा हमको पढ़ने दो पढ़कर आगे बढ़ने दो, कन्या भ्रूण हत्या बन्द करो, बाल विवाह पर रोक लगाओ, हमको दुनिया में आने दो अपना मान बढ़ाने दो, बेटी पढ़ाओ बेटी बढ़ाओ' के नारे लगाकर बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा की मांग की । कार्यक्रम में लड़कियों ने लड़का लड़की असमानता और लैंगिक असमानता यौन उत्पीड़न,दहेज, नशा, बाल विवाह आदि सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ खुलकर अपने विचार रखें। प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला ने कहा कि हमारा समाज लड़कियों और लड़कों में आज भी भेदभाव कर रहा है। जिसके कारण कोख में ही लड़कियों को मार दिया जाता है नतीजन दिनप्रतिदिन लड़कियों की संख्या घटती जा रही है, जो चिंता की बात है। समन्वयक, प्रोफेसर बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र, ने कन्या भूरण हत्या को सामाजिक बुराई बताते हुए कहा कि माता के गर्भ में कन्या भूरण की हत्या होने से स्त्री-पुरुष लिंग अनुपात कम हो रहा है। इसे ठीक करने के लिए मन में संकल्प लेकर कार्य करना होगा, जिससे कि माता-पिता कन्या संतान के दुश्मन नहीं बने और उन्हें प्रेम और प्यार दें।

फोटोग्राफ गैलरी :

इतिहास विभाग
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ
नन्ही परी की है पुकार
जीने का मुझको दो अधिकार
08 मार्च, 2021
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आधी आबादी का सम्मान
(भ्रूण हत्या निषेध जन-जागरण अभियान व जागरूकता रैली)
निवेदक : प्रो. अजय विजय कौर
विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
(कार्यक्रम संयोजक व आयोजक)
चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
समस्त इतिहास विभाग परिवार

REDMI NOTE 5 PRO
AI DUAL CAMERA

दिनाँक: 7 मार्च 2021

कार्यक्रम 11 :

हिंदी विभाग द्वारा 'हिंदी साहित्य और साहित्य' पर वेबिनार

अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रोफेसर बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र, आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम संयोजक:	प्रोफेसर नवीन चंद्र लोहनी, संकायाध्यक्ष कला एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग
संचालन :	• डॉ. अंजू ,शिक्षण सहायक, हिंदी विभाग • डॉ. आरती राणा शिक्षण सहायक हिंदी विभाग
आमंत्रित वक्ता:	1) डॉ. रीता सिंह, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग, लवली प्रोफेशनल वीवी, जालंधर 2) डॉ. प्रतिभा चौहान, सहायक प्रोफेसर, नेहरू कॉलेज, फरीदाबाद 3) डॉक्टर ममता, प्रोजेक्ट फेलो, ICSSR, नई दिल्ली 4) वृंदा शर्मा, शिक्षक एवं स्वतंत्र पत्रकार 5) डॉ मीनाक्षी शर्मा, शिक्षक, अहमदाबाद 6) डॉ. आरती राणा, शिक्षण सहायक, हिंदी विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ 7) डॉ अंजू, शिक्षण सहायक, हिंदी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ 8) सौम्या पांडे, शोधार्थी, हिंदी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ 9) स्वाति, सहायक प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, यमुनानगर **10)** सुविज्ञा, शोधार्थी, गाजियाबाद

फोटोग्राफ गैलरी :

हिंदी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को पूर्व संध्या पर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति' अभियान के अंतर्गत आयोजित वेबगोष्ठी 'हिंदी साहित्य और स्त्री' में आपका हार्दिक अभिनंदन करता है।
कार्यक्रम अध्यक्ष
प्रो. वाई. विमला, माननीय पति कुलपति
कार्यक्रम संयोजक
प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, संकायाध्यक्ष कला एवं अध्यक्ष हिंदी विभाग
विशिष्ट अतिथि
प्रो. विंदु शर्मा, जंतु विज्ञान विभाग एवं समन्वयक मिशन शक्ति
संचालन
डॉ. अंजू, शिक्षण सहायक, हिंदी विभाग
संचालन
डॉ. आरती सप्पा, शिक्षण सहायक, हिंदी विभाग
समय: 7 मार्च 2021 सायं 4 बजे
ज़ूम एप्प एवं फेसबुक
zoom

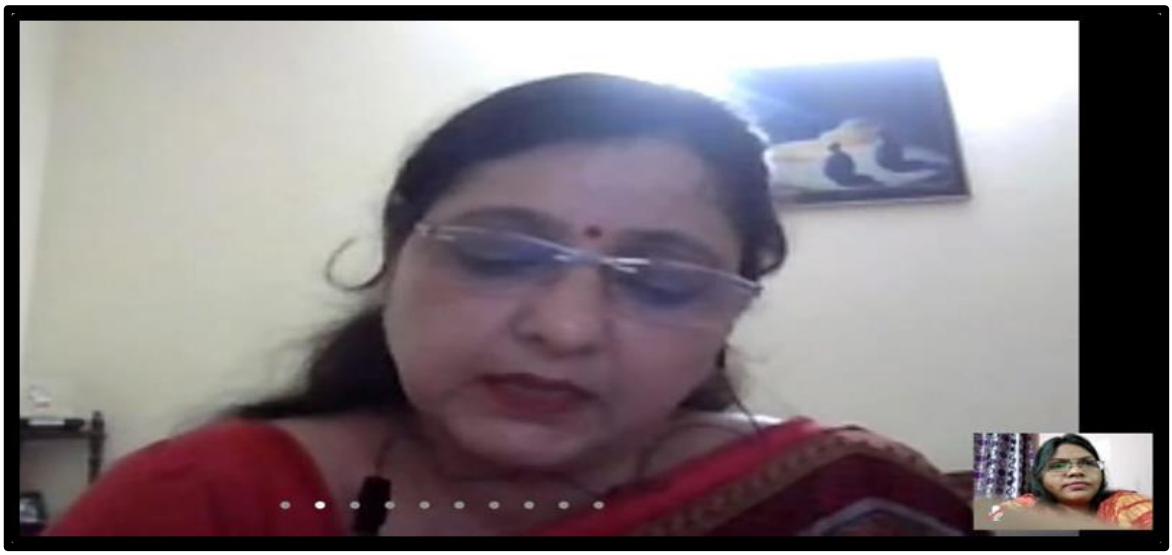

आमंत्रित वक्ता

डॉ रीता सिंह, सहायक प्रोफेसर
हिंदी विभाग, लवली प्रोफेशनल
विवि जालंधर

डॉ प्रतिभा चौहान
सहायक प्रोफेसर
नेहरू कॉलेज फरीदाबाद

डॉ ममता
प्रोजेक्ट फ़ेलो
ICSSR नई दिल्ली

वृंदा शर्मा
शिक्षिका एवं स्वतंत्र
पत्रकार

डॉ मीनाक्षी शर्मा
शिक्षक अहमदाबाद

डॉ आरती राणा
शिक्षण सहायक
हिंदी विभाग

डॉ अंजू शिक्षण सहायक
हिंदी विभाग

सौम्या पाण्डेय
शोधार्थी हिंदी विभाग

स्वाति सहायक प्रोफेसर
राजकीय महाविद्यालय
यमुनानगर

सुविज्ञा प्रशील
शोधार्थी गाज़ियाबाद

हिंदी विभाग पुरातन छात्र परिषद एवं मिशन शक्ति का आयोजन

दिनाँक: 10 मार्च 2021

कार्यक्रम 12 :
"महिला सशक्तिकरण" पर ऑन-लाइन पोस्टर / नारा व्याख्यान

अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रोफेसर बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र, आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
आयोजन समिति	• डॉ. निधि भाटिया, कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग • डॉ. शिखा वशिष्ठ, अस्पताल प्रशासन विभाग

विवरण :

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह, मेरठ में ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 172 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय "महिला सशक्तिकरण" था। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि इस युग में प्रत्येक महिला के लिए स्वतंत्र होना और अपने करियर के बारे में सोचना बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा की कुंजी है और अगर एक शिक्षित परिवार में एक महिला शिक्षित है तो पूरा परिवार भी है। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में पहले स्थान पर अनायशा रेहमान , बीएससी बायोलॉजी , डी. एन. डिग्री कॉलेज, मेरठ; दूसरे पर हिमानी शर्मा , जीव विज्ञान विभाग , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय , मेरठ और तीसरी पर आँचल चौधरी, एम. बी. ए. विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय , मेरठ रहीं । पोस्टर प्रतियोगिता में हले स्थान पर मेरिका जयंत, जीव विज्ञान विभाग , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय , मेरठ ; दूसरे पर कुमारी रितिका धनगर, बी. टेक. कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, SCRIET, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय , मेरठ और तीसरी पर यशी गर्ग , जीव विज्ञान विभाग , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय , मेरठ रहीं । सभी प्रतिभागियों को भागीदारी ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

:

फोटोग्राफ गैलरी :

Let's Educate and empower women to build a strong nation !!
मिशन शक्ति अभियान
2021
CHAUDHARY CHARAN SINGH UNIVERSITY
MEERUT
मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन
ONLINE SLOGAN WRITING AND POSTER MAKING COMPETITION !!
(PARTICIPATION ONLY FOR GIRLS)
Theme : Women empowerment
Last Date for online submission and registration :
10th March 2021 Till 12 pm
Google form link for registration and submission:
https://forms.gle/3MBmJoqSJvhgpSaUA
For any queries WhatsApp on : 7836091381
No registration fees. Digital certificates will be issued to all the participants.
Chief Patron :
Prof. N.K Taneja
Vice Chancellor
C.C.S University, Meerut
Patron :
Prof. Y. Vimala
Pro Vice Chancellor
C.C.S University, Meerut
Convener :
Prof. Bindu Sharma
Department of Zoology,
C.C.S University, Meerut
Organizing Committee:
1. Er. Nidhi Bhatia,
Department of Computer Application
2. Dr. Shikha Vashisht
Department of Hospital Administration
Educated women means educated family. Empower a women to empower the next generation !!

जून, 2021

दिनाँक: 12 जून 2021

कार्यक्रम 1 :

विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण

संचालन का स्थान:	रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास, विश्वविद्यालय परिसर, मेरठ
अध्यक्ष एवं संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई. विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रो. बिन्दु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र /आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपस्थित शिक्षकगण:	1. प्रो. भूपेंद्र सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता 2. प्रो. वीरपाल सिंह, कुलानुशासक 3. प्रो. पी.के. शर्मा, चीफ वार्डन, रानी लक्ष्मी बाई छात्रावास 4. प्रो. नीलू जैन गुप्ता, आचार्य जीव विज्ञान विभाग 5. डॉ. दिव्या शर्मा 6. डॉ. धर्मेंद्र कुमार 7. मनीष मिश्रा, इंजीनियर एवं अन्य शिक्षकगण

विवरण :

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में पौधारोपण किया गया । माननीय कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा एवं अन्य शिक्षकगण द्वारा रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास में पीपल,आंवला, तुलसी, आदि के पौधे लगाए गए । माननीय कुलपति जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा बहुत आवयशक है । हम सभी को प्रयास करते रहना चाहिए कि अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएं और पूर्ण होने तक उनकी देखभल की जाये । प्रति कुलपति वाई विमला जी ने कहा कि विभिन्न प्रकार की मानवीय गतिविधियां की जाती है जो सीधे तौर पर कई आपदाओं के लिए जिम्मेदार है जिनमें मुख्य रुप से ओजोन परत की हानि, अम्लीय वर्षा, जलवायु में परिवर्तन, महासागरों का अम्लीयकरण शामिल है. इसलिए हर व्यक्ति का यह व्यक्तिगत कर्तव्य होना चाहिए कि पर्यावरण की सुरक्षा करें । रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास की वार्डन प्रोफेसर बिन्दु शर्मा ने औषधिय पौधों के गणों के बारे में बताया ।

फोटोग्राफ गैलरी :

मीडिया रिपोर्ट :

शासन के आदेश पर सीसीएसयू में चला पौधारोपण अभियान

हिन्ट संवाददाता

मेरठ। शासन के आदेश पर शुक्रवार को सीसीएसयू में पौधारोपण अभियान चलाया गया। रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास में कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा द्वारा पीपल, आंवला, नीम आदि के 15 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा बहुत जरूरी है। हमें प्रयास करना चाहिए कि ऑक्सीजन देने वाले पौधों को अधिक से अधिक लगाना चाहिए। यही नहीं उनकी देखरेख भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन ने 1 लाख पीपल, नीम, बरगद आदि के हर महाविद्यालय व विश्वविद्यालय परिसर में 100-100 पौधे लगाने के लिए कहा है । इस अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास की वार्डन प्रो. बिंदु शर्मा, प्रति कुलपति प्रो. बाई विमला, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. भूपेंद्र सिंह कुलानुशासक प्रो. वीरपाल सिंह, चीफ वार्डन प्रो. पीके शर्मा, प्रो. नीलू जैन गुप्ता, डा. प्रिया शर्मा, डॉ धर्मेंद्र कुमार, इंजी. मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय में पौधारोपण अभियान चलाया गया

मेरठ समाचार प्रतिनिधि

मेरठ। शासन के आदेश पर शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में पौधारोपण अभियान चलाया गया रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास में माननीय कुलपति जी प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा जी द्वारा पीपल आंवला नीम आदि के 15 पौधे लगाए गए इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा जी ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा बहुत जरूरी है हमें प्रयास करना चाहिए कि ऑक्सीजन देने वाले पौधों को अधिक से अधिक लगाना चाहिए यही नहीं उनकी देखरेख भी करनी चाहिए जिससे वह पौधे पेड़ का रूप ले सकें केवल पौधे लगाने से काम नहीं चलेगा उनकी देखरेख करनी भी बहुत आवश्यक है । उन्होंने कहा कि शासन ने 1 लाख पीपल नीम, बरगद आदि के हर महाविद्यालय वह विश्वविद्यालय परिसर में 100 100 पौधे लगाने के लिए कहा है । रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास की वार्डन प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने पौधों के गुणों के बारे में मैं बताया इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रोफ़ेसर बाई विमला छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर भूपेंद्र सिंह कुलानुशासक प्रोफेसर वीरपाल सिंह चीफ वार्डन प्रोफेसर पीके शर्मा प्रोफेसर नीलू जैन गुप्ता डॉक्टर प्रिया शर्मा डॉ धर्मेंद्र कुमार इंजीनियर मनीष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

दिनाँक: 25 जून 2021

कार्यक्रम 2 :

महिला अध्ययन केंद्र के तत्वाधान में राजनीतिक विभाग द्वारा "पर्यावरण का विकास" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन

संरक्षक:	माननीय कुलपति. प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अध्यक्ष:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
निवेदक:	प्रो. पवन कुमार शर्मा, अध्यक्ष राजनीतिक विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ
समन्वयक:	प्रो. बिन्दु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र /आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
विभाग संयोजक :	डॉ रामपाल, राजनीतिक विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
मुख्य वक्ता :	डॉ राजेंद्र कुमार पांडे, आचार्य, राजनीतिक विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण :

25th जून 2021 को महिला अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में राजनीतिक विभाग द्वारा "पर्यावरण का विकास" विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया गया था। माननीय कुलपति जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रकृति के साथ सभ्यता, संस्कृति के इस रिश्ते को महिलाओं ने संवारा है। प्रकृति प्रदत्त उपहारों के लिए आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से उसकी पूजा करने की हमारी परंपरा ने इस रिश्ते को और अधिक प्रगाढ़ बनाया है। प्रति कुलपति वाई विमला जी ने बताया कि छठ पूजा, तुलसी विवाह, अक्षय नवमी और वट सावित्री पूजा के जरिए विशेष तौर पर महिलाओं ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। इसीलिए यह कहा जा सकता है कि पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. पवन कुमार शर्मा ने बताया कि वटवृक्ष एक अमूल्य संपदा है, यह ऑक्सीजन देने के साथ हमें ग्लोबल वार्मिंग, बाढ़ एवं सूखा जैसी कई आपदाओं से बचाता है। मुख्य वक्ता डॉ राजेंद्र कुमार पांडे कहा कि महिलाओं की आजीविका पर पर्यावरणीय कारकों का प्रभाव अधिक होता है, इसको ध्यान में रखते हुए पर्यावरण का संरक्षण करने में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्रोफेसर बिन्दु शर्मा ने कहा कि कोरोना काल में जिस तरह से आक्सीजन की कमी रही हैं उसे देखते हुए इस साल लोगो को पौधारोपण के लिए काफी सचेत होना है और वृक्षों की महत्व को जानना है।

फोटोग्राफ गैलरी :

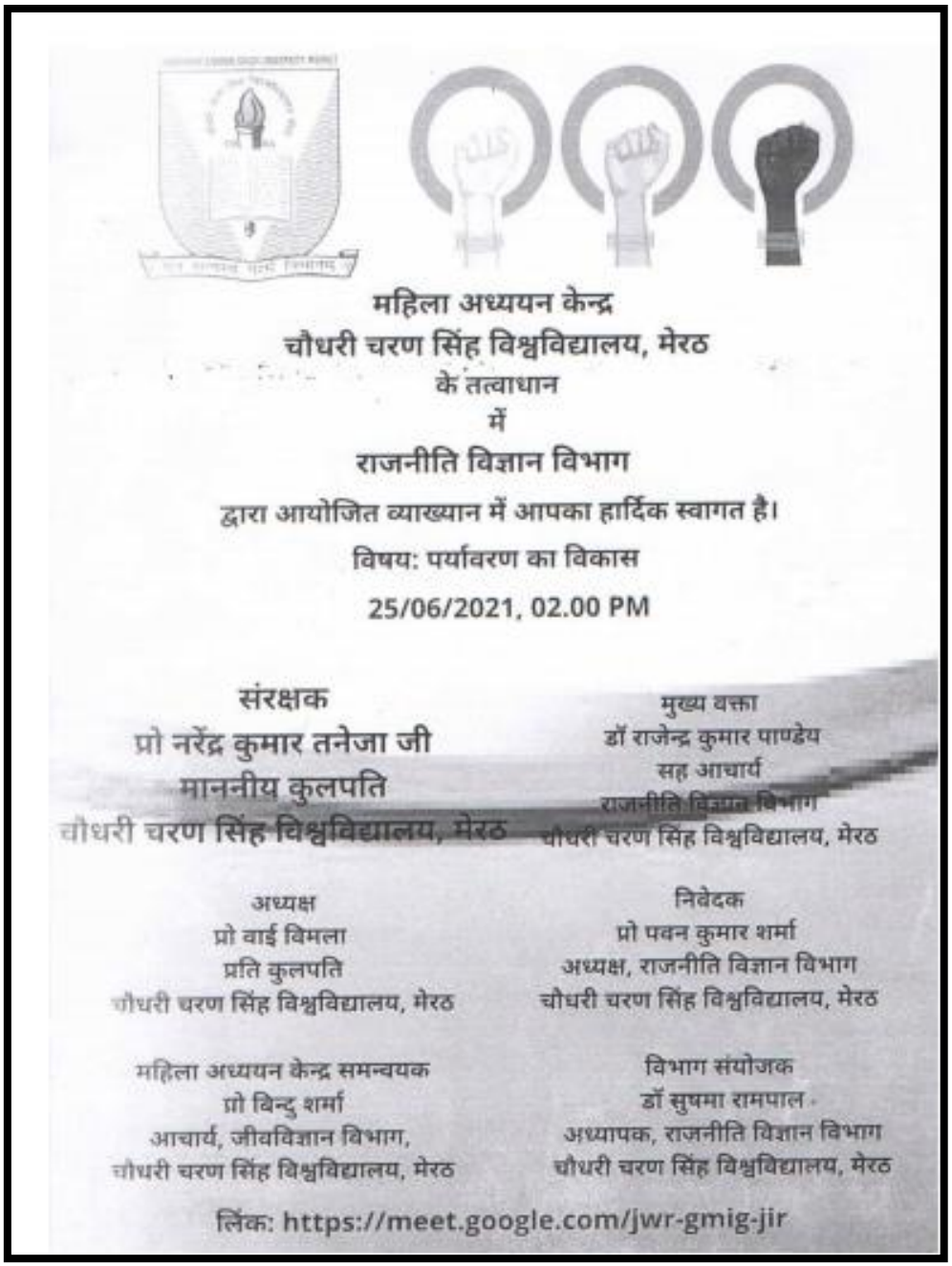
महिला अध्ययन केन्द्र
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
के तत्वाधान
में
राजनीति विज्ञान विभाग
द्वारा आयोजित व्याख्यान में आपका हार्दिक स्वागत है।
विषय: पर्यावरण का विकास
25/06/2021, 02.00 PM
संरक्षक
प्रो नरेंद्र कुमार तनेजा जी
माननीय कुलपति
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
मुख्य वक्ता
डॉ राजेन्द्र कुमार पाण्डेय
सह आचार्य
राजनीति विज्ञान विभाग
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अध्यक्ष
प्रो वाई विमला
प्रति कुलपति
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
निवेदक
प्रो पवन कुमार शर्मा
अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
महिला अध्ययन केन्द्र समन्वयक
प्रो विन्दु शर्मा
आचार्य, जीवविज्ञान विभाग,
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
विभाग संयोजक
डॉ सुषमा रामपाल
अध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
लिंक: https://meet.google.com/jwr-gmig-jir

दिनाँक:

कार्यक्रम 3 :
महिलाओं के लिए समानता सभी के लिए प्रगति पर व्याख्यान का आयोजन

संचालन का स्थान:	विश्वविद्यालय परिसर, मेरठ
दिवस :	बाल मजदूरी विरोध दिवस, अंतरराष्ट्रीय बाल सुरक्षा दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस
मुख्य संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
सम्मानीय अतिथि:	डॉ. निवेदिता जैन, सिद्धांत वैज्ञानिक, IARI
समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
आमंत्रित वक्ता :	1. शुचि शर्मा, वकील, मेरठ कचहरी 2. प्रोफेसर विनीता शुक्ला, एमडीयू विश्वविद्यालय, रोहतक 3. प्रोफेसर संदीप मल्होत्रा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद 4. श्रीमती कृतिका चतुर्वेदी, प्रोफेशनल कॉर्पोरेट ट्रेनर 5. डॉक्टर मेघना श्रीवास्तव, चिकित्सा अधिकारी, अर्बन हेल्थ पोस्ट, साबुन गोदाम, मेरठ

विवरण :

जून 2021 को "महिलाओं के लिए समानता सभी के लिए प्रगति है" विषय पर एक दिवसीय आभासी सम्मेलन का आयोजन किया गया था इस सम्मेलन के लिए प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया वक्ताओं ने निम्नलिखित विषयों पर अपना व्याख्यान दिया। सुश्री शुचि शर्मा, जो फौजदारी की वकालत 2012 से मेरठ कचहरी में कर रही है, उन्होंने 'नाबालिग बच्चों की सुरक्षा आदि पर केंद्रित जानकारी' विषय पर अपना व्याख्यान दिया कि बच्चों के खिलाफ हिंसा न केवल उनके जीवन और स्वास्थ्य को,बल्कि उनके भावात्मक कल्याण और भविष्य को भी खतरे में डालती है। इसलिए बच्चों में व्यक्तिगत सुरक्षा को बढ़ावा देना के लिए स्कूलों में बाल संरक्षण नीतियों और बच्चों के यौन शोषण को रोकने के लिए माता-पिता का जागरूक होना आवश्यक है। प्रो. विनीता शुक्ला, एमडीयू विश्वविद्यालय, रोहतक, ने 'दैनिक जीवन में स्वच्छता' विषय पर अपना व्याख्यान दिया और बताया कि स्वत्छता एक ऐसा कार्य नहीं है जो पैसा कमाने के लिए किया जाये, बल्कि यह एक ऐसी अच्छी आदत है जिसे हमें अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के लिए अपनाना चाहिए। प्रो. संदीप मल्होत्रा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, ने 'पर्यावरण का विकास' विषय पर अपना व्याख्यान दिया ।भारतीय महिलाएँ इस दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही हैं। वे रोजमर्रा की चीजों के लिए पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ समाधान प्रदान कर रही हैं और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा दे रही हैं।

पर्यावरण संरक्षण में भारतीय महिलाओं ने सदैव ही योगदान दिया है। जहाँ भी पर्यावरण को हानि पहुँचाने का कार्य हुआ है, उसा मुखर विरोध हमारी पर्यावरणविद महिलाओं सहित सभी ने किया है। श्रीमती कृतिका चतुर्वेदी ने 'घरेलू हिं KOसा से सुरक्षा और रोकथाम ' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने घरेलू हिंसा विरोधी कानून के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि घरेलू हिंसा जैसे - मारपीट, यौन शोषण, आर्थिक शोषण या फिर अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल से पीड़ित कोई भी महिला अदालत में जज के समक्ष स्वयं या वकील, सेवा प्रदान करने वाली संस्था या संरक्षण अधिकारी की मदद से अपनी सुरक्षा के लिए बचावकारी आदेश ले सकती है। प्रोफेसर बिन्दु शर्मा ने बताया कि तीन R का मतलब होता है -REDUCE (कम उपयोग), RECYCLE (पुन: चक्रण) , REUSE (पुन: उपयोग) । इस नियम का उपयोग करने पर हम पर्यावरण में बढ़ रहे अपशिष्ट को कम कर सकते है और इनसे हो रहे पर्यावरण को नुकसान से भी बचा जा सकता है। यही नहीं दैनिक आवश्यकताओं और क्रियाकलापों पर निर्णय लेते समय भी हम पर्यावरण संबंधी निर्णय ले सकते हैं। कुल 36 प्रतिभागियों ने इस कार्येक्रम में भाग लिया और सभी को ई-प्रमाणित को प्रदान किए गए। अंत में प्रो. अजय विजय कौर ने सभी का धन्यवाद किया।

फोटोग्राफ गैलरी :

TIME SCHEDULE
26th June 2021, Saturday

Inaugural Session

Time	Event	Name
10:30 am	Welcome Address	Prof. Bindu Sharma
10:45 am	Address by Hon. Vice Chancellor	Prof. N.K. Taneja
11:00 am	Address by Pro Vice Chancellor	Prof. Y. Vimala
11:15 am	Address by Guest Of Honour	Dr. Niveta Jain

Technical Session

Time	Lecture topics	Speakers
11:30 am-12:00 pm	नाबालिग बच्चों की सुरक्षा आदि पर केंद्रित जानकारी	Miss Shuchi Sharma
12:00 pm - 1:00 pm	दैनिक जीवन में स्वच्छता	Prof. Vineeta Shukla
1:00 pm-2:00 pm	पर्यावरण का विकास	Prof. Sandeep Malhotra
2:00 pm-3:00 pm	Protection and prevention from Domestic Violence	Mrs. Kritika
3:00 pm-4:00 pm	Importance of Yoga for Women	Dr. Meghna Srivastava
4:00 pm	Vote of Thanks	Prof. Ajay Vijay Kaur

Mahila Adhyayan Kendra
Chaudhary Charan Singh University, Meerut
Is organising
a
ONE DAY VIRTUAL CONFERENCE
(26th June 2021)
on
"Equality for Women is Progress for All"

SPEAKERS

Chief Patron
Hon. Prof. N.K Taneja
Vice-Chancellor
C.C.S University, Meerut

Patron
Prof. Y. Vimala
Pro Vice- Chancellor
C.C.S University, Meerut

Guest of Honour
Dr. Niveta Jain
Principal Scientist
IARI

Convener
Prof. Bindu Sharma
Dept of Zoology
C.C.S University, Meerut

Mrs Kritika
Prof. Vineeta Shukla
Prof. Sandeep Malhotra
Miss Shuchi Sharma
Dr. Meghna Srivastava

Registration Link : https://forms.gle/4zvHoAh8hgjZqNG5A
Meeting Link: https://us02web.zoom.us/j/84203333609
E-Certificate will be provided to all Participants
No Registration Fee
For any queries contact : 7836091381 (whatsapp only)

दिनाँक: 27 जून 2021

कार्यक्रम 4 :

"शोभापुर ग्राम में टीकाकरण कराने की अपील"

संचालन का स्थान:	शोभापुर , मेरठ
मुख्य संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र / आचार्य, जीव विज्ञान विभाग,चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
NCC ऑफिसर :	डॉ. अनिल कुमार
छात्र वालंटियर :	• स्वाति गौतम, अनुसंधान विद्वान, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • मेरिका जयंत, अनुसंधान विद्वान, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • दीपिका, अनुसंधान विद्वान, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी लगवाए चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • NCC कैडेट्स- नेहा, दीपक, देवेंद्र कुमार, संजू, इज़हार ,निशांत पटेल, तुषार नगर, कार्तिक्ये करण, आदि

विवरण :

एनसीसी कैडेट एवं महिला अध्ययन केंद्र ने शोभापुर, दत्तावली, आदि गांव में जाकर सरकार द्वारा चलाये जा रहे टीकाकरण अभियान को सफल बनाने की अपील की और कोरोना काल में अधिक से अधिक लोगो को टीकाकरण करवाने के लिए जागरूक किया। समाज सेविकाओ ने ग्रामीण लोगो को बताया कि वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है और सभी जल्दी से जल्दी टीका लगवाए, ताकि हमारा देश महामारी से सुरक्षित रह सकें।

फोटोग्राफ गैलरी :

मीडिया रिपोर्ट :

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में जागरूकता शिविर का आयोजन

कुमार अशोक

मेरठ। गुरुवार को महिला अध्ययन केंद्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में एक जागरूकता शिविर का आयोजन नानपुर ग्राम में किया गया । इस कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा एवं प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के संरक्षण में किया गयाঃ इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने जीवन में पोषण युक्त आहार के महत्व के बारे ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को बतायाঃ उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सक्रिय जीवन के लिए मनुष्य को उचित एवं पर्याप्त पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है खराब पोषण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और वह संवेदनशीलता बढ़ जाती है एवं मानसिक विकास बाधित होता है उन्होंने जीवन के चरणों में आहार योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी., शिशु के लिए आहार ष्के अनुसार क्या होना चाहिए, बढ़ते बच्चों के लिए संतुलित आहार किस तरह बनाएं, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं ओस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए कैल्शियम युक्त पदार्थ बुजुर्ग लोगों के लिए विटामिन और खनिज की आवश्यकता अधिक होती है। इस कार्यक्रम का संचालनँ घ्ङ नानपुर कॉलेज में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष शैंकी त्यागी ने किया, इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ गंगा दास, डॉ मोनिका शर्मा, डॉक्टर पवन तोमर मौजूद रहे ।

दिनाँक: 28 जून 2021

कार्यक्रम 5 :

एनसीसी कैंडिडेट्स एवं महिला अध्ययन केंद्र द्वारा दत्तवाली गांव में "स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण"

संचालन का स्थान:	दत्तवाली गांव, मेरठ
मुख्य संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र / आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
NCC ऑफिसर :	डॉ. अनिल कुमार
छात्र वालंटियर :	• स्वाति गौतम, अनुसंधान विद्वान, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • मेरिका जयंत, अनुसंधान विद्वान, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • दीपिका, अनुसंधान विद्वान, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी लगवाए चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • NCC कैडेट्स- नेहा, दीपक, देवेंद्र कुमार, संजू, इज़हार ,निशांत पटेल, तुषार नगर, कार्तिक्ये करण, आदि

विवरण :

28th जून को एनसीसी कैडेट्स एवं महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा दत्तवाली गांव में "स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण" किया गया। छात्रों ने घर घर जाकर ग्रामीण लोगो को बताया कि हमारी भावी पीढ़ी के लिए शुद्ध हवा तथा प्रकृति संरक्षण के लिए वृक्षारोपण बहुत जरुरी है। हमें स्वच्छता को अपने जीवन में एक आदत और नैतिक जिम्मेदारी के रुप में शामिल करना होगा। छात्र वालंटियर ने फलदार पौधा रोपण और सफाई कर लोगो को सफाई एवं प्राकृतिक संतुलन बनाये रखने के लिए वृक्ष लगाकर युवाओं को एक संदेश के माध्यम से प्रेरित किया।

फोटोग्राफ गैलरी :

NATIONAL CADETS CORPS
MEERUT
12:17 pm

जुलाई 2021

दिनाँक: 12 जुलाई 2021

कार्यक्रम 1 :

जनसंख्या दिवस के उपलक्ष में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा व्याख्यान एवं पोषण आहार वितरण

संचालन का स्थान:	विश्वविद्यालय परिसर, मेरठ
दिवस :	विश्व जनसंख्या दिवस
मुख्य संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अध्यक्ष :	प्रोफेसर जयमाला, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
NCC ऑफिसर :	डॉ. अनिल यादव
मुख्य वक्ता :	डॉ. इंदु सिंहवाल

विवरण :

दुनिया भर में हर साल 11 जुलाई को वर्ल्ड पॉप्यूलेशन डे यानि की जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। इस अवसर को ध्यान में रखते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने महिला अध्ययन केंद्र के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय में दिनांक 12-07-2021 को माननीय कुलपति प्रो. एन. के. तनेजा और प्रति कुलपति प्रो. वाई. विमला मैडम के संरक्षण में एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. जयमाला, अध्यक्ष, गणित विभाग, थी। समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र एवं मुख्य आयोजक प्रो. बिंदु शर्मा थी। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. इंदु सिंहवाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ, लोकप्रिय अस्पताल, थी। उन्होंने अपने भाषण में महिलाओं को जनसंख्या नियंत्रण पर सुझाव दिए और बढ़ती आबादी को काबू करने के लिए परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक किया। बढ़ती जनसंख्या गरीबी, भुखमरी के अलावा सेहत को भी प्रभावित करती है। इस अवसर पर महिलाओं को पोषण आहार वितरित किया गया। घनी आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में है। दिन-ब-दिन बढ़ती आबादी के बीच आसानी से वायुजनित रोग यानी हवा से होने वाली बीमारियां आसानी से फैल रही हैं। जैसा की शोध में भी स्पष्ट हो चुका है कि कोविड और मानसूनी बीमारियां भी हवा से फैलती हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. इंदु सिंहवाल ने महिलाओं और किशोरियों को जागरूक किया । प्रो. बिंदु शर्मा ने बताया भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या का कारण आज भी शिक्षा एवं अंधविश्वास है। अंत में उनके द्वारा ही सबको औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस कार्यक्रम में एन.सी.सी. ऑफिसर अनिल यादव जी का भी सहयोग रहा।

फोटोग्राफ गैलरी :

"महिला अध्ययन केन्द्र"
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
विश्व जनसं
दिवस

मीडिया रिपोर्ट :

3 मेरठ समाचार
गुरुवार, 15 जुलाई, 2021
www.facel
meerutsar

बढ़ती आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में

मेरठ (मेरठ समाचार प्रतिनिधि)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ इंदु सिंह वाल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण गरीबी भुखमरी और सेहत को भी प्रभावित करती है घनी आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में है दिन पर दिन बढ़ती जनसंख्या जनसंख्या के कारण वायु जनित रोग यानी हवा से होने वाली बीमारियां फैल रही है जैसे कोई डोर मानसूनी बीमारियां भी हवा से फैलती है। महिला अध्ययन केंद्र की प्रमुख प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण अशिक्षा वह अंधविश्वास है जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए परिवार नियोजन की आवश्यकता है।

इस दौरान महिलाओं को पोषण आहार भी वितरित किया गया वह परिवार नियोजन के प्रति महिलाओं को जागरूक किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जयमाला ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण अनेक समस्याएं पैदा होती है इसलिए जनसंख्या को नियंत्रण करना बहुत जरूरी है। वहीं दूसरी ओर महिला अध्ययन केंद्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय वह एनसीसी के तत्वधान में लल्हा पुर में ग्रामीण महिलाओं के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता मनो सामाजिक विज्ञान कार्यकर्ता डॉ विनीता शर्मा ने कहा कि किशोरावस्था के दौरान शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का देखभाल करना अत्यंत आवश्यक है यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो परिवार और समाज भी स्वस्थ रहेगा और उसका विकास भी हो पाएगा इस दौरान महिलाओं को किशोरावस्था में प्रजनन यौन स्वास्थ्य पोषण संबंधी एनीमिया आज भजन खानपान पौष्टिक भोजन आदि के बारे में जागरूक किया गया कार्यक्रम के दौरान डॉ सुषमा रामपाल ने बताया कि मानव विकास के दृष्टिकोण से महिला स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना बहुत अनिवार्य है महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक वह मुख्य आयोजक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि महिलाओं के बीच स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा होना बहुत आवश्यक है कुपोषण व स्वास्थ्य सुरक्षा के अभाव में महिलाओं का विकास अवरुद्ध हो जाता है इस दौरान डॉ अनिल यादव आदि मौजूद रहे।

'घनी आबादी से मानव का स्वास्थ्य खतरे में'

meerut@inext.co.in

MEERUT (14 July): चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केंद्र में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें मुख्य वक्ता डॉ इंदु सिंह वॉल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के नुकसान बताए. उन्होंने कहाकि घनी आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में है. दिन पर दिन बढ़ती जनसंख्या जनसंख्या के कारण वायु जनित रोग यानी हवा से होने वाली बीमारियां फैल रही है.

बढ़ रही अशिक्षा

महिला अध्ययन केंद्र की प्रमुख प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण अशिक्षा वह अंधविश्वास है. जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए परिवार नियोजन की आवश्यकता है. इस दौरान महिलाओं को पोषण आहार भी वितरित किया गया.

जनसंख्या नियंत्रण है जरूरी

गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जयमाला ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण अनेक समस्याएं पैदा होती है. इसलिए जनसंख्या को नियंत्रण करना बहुत जरूरी है. इसके अलावा लल्ला पुर में ग्रामीण महिलाओं के साथ एक कार्यशाला हुई. इसमें महिलाओं को स्वस्थ रहने की जानकारी दी गई.

दिनाँक: 13 जुलाई 2021

कार्यक्रम 2 :

महिला अध्ययन केंद्र द्वारा "किशोरियों की स्वास्थ्य स्पर्धा"

विषय पर जागरूकता शिविर

संचालन का स्थान:	लल्लापुर गांव
मुख्य संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अध्यक्ष :	प्रोफेसर जयमाला, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
NCC ऑफिसर :	डॉ. अनिल यादव
मुख्य वक्ता :	• डॉ विनीता शर्मा, मनो सामाजिक कार्यकर्ता, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्यारे लाल शर्मा, जिला चिकित्सालय • डॉक्टर सुषमा रामपाल, राजनीति विज्ञान विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

विवरण :

महिला अध्ययन केंद्र, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय एवं एन.सी.सी. के तत्वधान में लल्लापुर में ग्रामीण महिलाओ के साथ एक कार्यशाला का आयोजन आज दिनांक 13-07-2021 को किया गया। जिसका विषय था 'महिलाओ में स्वास्थ्य स्पर्धा'। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति प्रो. एन. के. तनेजा एवं प्रति कुलपति वाई. विमला जी के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. बिंदु शर्मा, आचार्य जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र; डॉक्टर अनिल यादव एन.सी.सी. अधिकारी; डॉ. सुषमा रामपाल, राजनीति विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. विनीता शर्मा, मनु सामाजिक विज्ञान कार्यकर्ता, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, प्यारेलाल जिला चिकित्सक थी। उनके द्वारा इस कार्यशाला में ग्रामीण महिलाओं को किशोरियों की स्वास्थ्य स्पर्धा विषय के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अंतर्गत उन्होंने बताया किशोरावस्था के दौरान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यदि हमारी किशोरी स्वस्थ रहेगी तो वह घर परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा पाएगी। किशोरावस्था में प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य ,किशोरियों में पोषण के विभिन्न आयामों के अंतर्गत पोषण संबंधी एनीमिया, अति पोषण की स्थिति का आकलन, अधिक वजन खानपान की आदतें तथा विकास पौष्टिक भोजन के तत्व, आदि के संबंध में जानकारी दी। गैर संचारी रोग,किशोरियों की प्रमुख चिंताएं एवं किशोरियों की मानसिक स्वास्थ्य समस्या के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सुषमा रामपाल ने बताया की मानव विकास के दृष्टिकोण से महिला स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना बहुत अनिवार्य है। इसके पश्चात इस कार्यशाला के अंत में प्रो. बिंदु शर्मा जी के द्वारा महिलाओं में स्वास्थ्य स्पर्धा विषय के अंतर्गत यह बताया कि किस प्रकार किशोरियों में कुपोषण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के अभाव के कारण उनका विकास अवरुद्ध हो जाता है अंत में सब को औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाएं विषय को जानने के संबंध में बहुत उत्साहित दिखाई दी और उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उपरोक्त के अतिरिक्त एन.सी.सी कैडेट, लल्लापुर की आशा कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का भी सहयोग रहा।

फोटोग्राफ गैलरी :

मीडिया रिपोर्ट :

अवधनामा संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ इंदु सिंह वाल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण गरीबी भुखमरी

और सेहत को भी प्रभावित करती है घनी आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में है दिन पर दिन बढ़ती जनसंख्या जनसंख्या के कारण वायु जनित रोग यानी हवा से होने वाली बीमारियां फैल रही है जैसे कोई डोर मानसूनी बीमारियां भी हवा से फैलती है। महिला अध्ययन केंद्र की प्रमुख प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण अशिक्षा वह अंधविश्वास है जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए परिवार नियोजन की आवश्यकता है इस दौरान महिलाओं को पोषण आहार भी वितरित किया गया वह परिवार नियोजन के प्रति महिलाओं को जागरूक किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जयमाला ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण अनेक समस्याएं पैदा होती है इसलिए जनसंख्या को नियंत्रण करना बहुत जरूरी है। वहीं दूसरी ओर महिला अध्ययन केंद्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय वह एनसीसी के तत्वधान में लल्ला पुर में ग्रामीण महिलाओं के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता मनो सामाजिक विज्ञान कार्यकर्ता डॉ विनीता शर्मा ने कहा कि किशोरावस्था के दौरान शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का देखभाल करना अत्यंत आवश्यक है यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो परिवार और समाज भी स्वस्थ रहेगा और उसका विकास भी हो पाएगा इस दौरान महिलाओं को किशोरावस्था में प्रजनन यौन स्वास्थ्य पोषण संबंधी एनीमिया आज भजन खानपान पौष्टिक भोजन आदि के बारे में जागरूक किया गया कार्यक्रम के दौरान डॉ सुषमा रामपाल ने बताया कि मानव विकास के दृष्टिकोण से महिला स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना बहुत अनिवार्य है महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक वह मुख्य आयोजक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि महिलाओं के बीच स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा होना बहुत आवश्यक है कुपोषण व स्वास्थ्य सुरक्षा के अभाव में महिलाओं का विकास अवरुद्ध हो जाता है इस दौरान डॉ अनिल यादव आदि मौजूद रहे।

अमर भारती संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ इंदु सिंह वाल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण गरीबी भुखमरी और सेहत को भी प्रभावित करती है घनी आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में है दिन पर दिन बढ़ती जनसंख्या जनसंख्या के कारण वायु जनित रोग यानी हवा से होने वाली बीमारियां फैल रही है जैसे कोई डोर मानसूनी बीमारियां भी हवा से फैलती है। महिला अध्ययन केंद्र की प्रमुख प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण अशिक्षा वह अंधविश्वास है जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए परिवार नियोजन की आवश्यकता है इस दौरान महिलाओं को पोषण आहार भी वितरित किया गया वह परिवार

नियोजन के प्रति महिलाओं को जागरूक किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जयमाला ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण अनेक समस्याएं पैदा होती है।

इसलिए जनसंख्या को नियंत्रण करना बहुत जरूरी है। वहीं दूसरी ओर महिला अध्ययन केंद्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय वह एनसीसी के तत्वधान में लल्ला पुर में ग्रामीण महिलाओं के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता मनो सामाजिक विज्ञान कार्यकर्ता डॉ विनीता शर्मा ने कहा कि किशोरावस्था के दौरान शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का देखभाल करना अत्यंत आवश्यक है यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो परिवार और समाज भी स्वस्थ रहेगा और उसका विकास भी हो पाएगा।

दिनाँक: 19 जुलाई 2021

कार्यक्रम 3 :

महिलाओं से सम्बन्धित कानून एवं केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से अवगत कराने हेतु जागरूकता शिविर

संचालन का स्थान:	ग्राम भटीपुरा
दिवस:	अन्तर्राष्ट्रीय न्याय दिवस
मुख्य संरक्षक:	प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
समन्वयक:	• प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • डा. विवेक त्यागी, समन्वयक एवं सहयुक्त आचार्य, विधि अध्ययन संस्थान
मुख्य वक्ता :	• श्री आशीष कौशिक, सहायक आचार्य • श्रीमती मंजू, ग्राम प्रधान • श्रीमती अपेक्षा चौधरी, सहायक आचार्य • डा0 कुसुमा वती, सहायक आचार्य • श्रीमती सुदेशना, सहायक आचार्य • मानवी अग्रवाल, बी.ए.एलएल.बी. षष्टम् सेमेस्टर

विवरण :

कोविड-19 की गाईडलाइन्स का पालन करते हुये विधिक सेवा केन्द्र, विधि अध्ययन संस्थान एवं महिला अध्ययन केन्द्र, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर महिलाओं से सम्बन्धित कानून एवं केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से अवगत कराने लिये एक विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन ग्राम भटीपुरा के ग्राम पंचायत स्थल पर किया गया।इस कार्यक्रम का आयोजन मा0 कुलपति, प्रो. एन.के. तनेजा एवं प्रतिकुलपति प्रो. वाई. विमला जी, चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डा. विवेक कुमार जी, समन्वयक एवं सहयुक्त आचार्य, विधि अध्ययन संस्थान एवं ग्राम प्रधान श्रीमती मंजू द्वारा किया गया तथा इस अवसर पर मास्क का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में विधि अध्ययन संस्थान की एलएल-एम0 चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा नेहा रूहेला ने ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य स्तर की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जैसे-राज्य संचालित सुमंगला योजना, मुफ्त सिलाई योजना, वृद्धा पेंशन योजना आदि के बारे में बताया। इसके पश्चात् मानवी अग्रवाल, बी0ए0एलएल-बी0 षष्टम् सेमेस्टर की छात्रा ने महिलाओं से सम्बन्धित संवैधानिक एवं विधिक अधिकार के बारे में जानकारी दी।

श्रीमती अपेक्षा चौधरी, सहायक आचार्य ने राज्य स्तर पर संचालित योजनाओं एवं अन्य जागरूकता के अभियानों के बारे में एवं विधवा पेंशन योजना, उ0प्र0 वृद्ध पेंशन योजना, उ0प्र0 विवाह अनुदान योजना, उ0प्र0 दिव्यांगजन शादी अनुदान योजना आदि के बारे में बताया। इसके पश्चात् डा0 कुसुमा वती, सहायक आचार्य ने भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं विशेषकर महिला-ई-हाट योजना, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना तथा वन स्टोप सेन्टर तथा अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन को बताया। श्रीमती सुदेशना, सहायक आचार्य ने महिलाओं से जुड़े अपराधों व अपराधों से संरक्षण के लिये विभिन्न कानूनों की जानकारी दी। श्री आशीष कौशिक, सहायक आचार्य ने महिलाओं को अपने अधिकारों के बारें में ज्यादा से ज्यादा जागरूक रहने के लिये कहा। ग्राम प्रधान मंजू ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इस तरह के अभियानों के आयोजन से जन-जाग्रती आती है तथा एक लोकतांत्रिक देश को सफलता के लिये उसके नागरिकों का जागरूक होना अतिआवश्यक है तथा भविष्य में ऐसे आयोजनों को और बड़े स्तर पर कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डा0 विकास कुमार ने किया। कार्यक्रम के अन्त में विधि अध्ययन संस्थान के समन्वयक डा0 विवेक कुमार जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि विधि अध्ययन संस्थान स्थित विधिक सहायता केन्द्र सभी ग्रामीणों व अन्य की विधिक सहायता हेतु एवं सभी सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मद्द करने को कृत संकल्प और आप सभी से अनुरोध किया कि किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क कर लाभ लें। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी अपूर्व मित्तल, श्री अंकुर चौधरी, अधिवक्ता, दिल्ली उच्च न्यायालय, श्री कुवंर पाल सिंह, शिवानी चौधरी, श्री अमृतांश, श्री पंकज आदि मौजूद रहे।

फोटोग्राफ गैलरी :

विधिक सेवा केन्द्र
विधि अध्ययन संस्थान
चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर
मेरठ
अंतर्राष्ट्रीय
न्याय दिवस
"महिला अध्ययन केन्द्र"
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

मीडिया रिपोर्ट :

विधिक सेवा केंद्र नि:शुल्क विधिक सेवा देने के लिए कृत संकल्प : डॉ. विवेक कुमार

ग्राम भटीपुरा में विधिक साक्षारता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

धारा न्यूज संवाददाता

मेरठ। विधि अध्ययन संस्थान स्थित विधिक सहायता केन्द्र सभी ग्रामीणों व अन्य की विधिक सहायता हेतु एवं सभी सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मद करने को कृत संकल्प और सभी से अनुरोध है कि किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क कर लाभ लें। आज के समय से सरकार द्वारा अनेक योजनाओ व महिलाओं के मदद के लिए अनेक प्रकार के कार्यक्रम संचालित कर रही है। जिससे महिला का सरंक्षण हो सके। यह बात विधि अध्ययन संस्थान के समन्वयक डॉ. विवेक कुमार ने कोविड.19 की गाईडलाइन्स का पालन करते हुये विधिक सेवा केन्द्र, विधि अध्ययन संस्थान एवं महिला अध्ययन केन्द्र, प्रो. बिन्दु शर्मा, समन्वयक चौ चरण सिंह विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर महिलाओं से सम्बन्धित कानून एवं केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से अवगत कराने लिये एक विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर ग्राम भटीपुरा के ग्राम पंचायत स्थल आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही।

इस कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो.एनके तनेजा एवं प्रतिकुलपति प्रो. वाई विमला चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालयए मेरठ के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डा. विवेक कुमार समन्वयक एवं सहयुक्त आचार्य, विधि अध्ययन संस्थान एवं ग्राम प्रधान मंजू द्वारा किया गया तथा इस अवसर पर मास्क का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में विधि अध्ययन संस्थान की ओर से नेहा रूहेला ने ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य स्तर की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जैसे.राज्य संचालित सुमंगला योजना, मुफ्त सिलाई योजना, वृद्धा पेंशन योजना आदि के बारे में बताया। इसके पश्चात् मानवी अग्रवाल ने महिलाओं से सम्बन्धित संवैधानिक एवं विधिक अधिकार के बारे में जानकारी दी। अपेक्षा चौधरी सहायक आचार्य ने राज्य स्तर पर संचालित योजनाओं एवं अन्य जागरूकता के अभियानों के बारे में एवं विधवा पेंशन योजनाए उप्र वृद्ध पेंशन योजनाए उप्र विवाह अनुदान योजना, उप्र दिव्यांगजन शादी अनुदान योजना आदि के बारे में बताया। इसके पश्चात् डा. कुसुमा वती, सहायक आचार्य ने भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं विशेषकर महिला.ई.हाट योजना, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना तथा वन स्टोप सेन्टर तथा अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन को बताया। सुदेशना सहायक आचार्य ने महिलाओं से जुड़े अपराधों व अपराधों से संरक्षण के लिये विभिन्न कानूनों की जानकारी दी। आशीष कौशिक, सहायक आचार्य ने महिलाओं को अपने अधिकारों के बारें में ज्यादा से ज्यादा जागरूक रहने के लिये कहा। ग्राम प्रधान मंजू ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इस तरह के अभियानों के आयोजन से जन.जाग्रती आती है तथा एक लोकतात्रिक देश को सफलता के लिये उसके नागरिकों का जागरूक होना अतिआवश्यक है तथा भविष्य में ऐसे आयोजनों को और बड़े स्तर पर कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डा विकास कुमार ने किया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी अपूर्व मित्तल, अंकुर चौधरी, अधिवक्ता, दिल्ली उच्च न्यायालय, कुवंर पाल सिंह, शिवानी चौधरी, अमृतांश, पंकज आदि मौजूद रहे।

विधिक सेवा केंद्र निःशुल्क विधिक सेवा देने के लिए कृत संकल्पः डॉ0 विवेक कुमार

❑ग्राम भटीपुरा में विधिक साक्षारता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन ❑100 से अधिक महिलाओं ने कार्यक्रम में की सहभागिता

(एम.एन.एस.)

मेरठ। विधि अध्ययन संस्थान स्थित विधिक सहायता केन्द्र सभी ग्रामीणों व अन्य को विधिक सहायता हेतु एवं सभी सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मद्द करने को कृत संकल्प और आप सभी से अनुरोध है कि किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क कर लाभ लें। आज के समय से सरकार द्वारा अनेक योजनाओ व महिलाओं के मदद के लिए अनेक प्रकार के कार्यक्रम संचालित कर रही है। जिससे महिला का संरक्षण हो सके। यह बात विधि अध्ययन संस्थान के समन्वयक डॉ0 विवेक कुमार ने कोविड-19 की गाईडलाइन्स का पालन करते हुये विधिक सेवा केन्द्र, विधि अध्ययन संस्थान एवं महिला अध्ययन केन्द्र, प्रो0 बिन्दु शर्मा, समन्वयक, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर महिलाओं से सम्बन्धित कानून एवं केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से अवगत कराने लिये एक विधिक साक्षारता एवं जागरूकता शिविर ग्राम भटीपुरा के ग्राम पंचायत स्थल आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। इस कार्यक्रम का आयोजन मा0 कुलपति प्रो0 एन0के0 तनेजा एवं प्रतिकुलपति प्रो0 वाई0 विमला जी, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डा0 विवेक कुमार जी, समन्वयक एवं सहायुक्त आचार्य, विधि अध्ययन संस्थान एवं ग्राम प्रधान श्रीमती मंजू द्वारा किया गया तथा इस अवसर पर मास्क का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में विधि अध्ययन संस्थान की और से नेहा रूहेला ने ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य स्तर की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जैसे-राज्य संचालित सुमंगला योजना, मुफ्त सिलाई योजना, वृद्धा पेंशन योजना आदि के बारे में बताया। इसके पश्चात् मानवी अग्रवाल ने महिलाओं से सम्बन्धित संवैधानिक एवं विधिक अधिकार के बारे में जानकारी दी। श्रीमती अपेक्षा चौधरी, सहायक आचार्य ने राज्य स्तर पर संचालित योजनाओं एवं अन्य जागरूकता के अभियानों के बारे में एवं विधवा पेंशन योजना, उ0प्र0 वृद्ध पेंशन योजना, उ0प्र0 विवाह अनुदान योजना, उ0प्र0 दिव्यांगजन शादी अनुदान योजना आदि के बारे में बताया। इसके पश्चात् डा0 कुसुमा पाती, सहायक आचार्य ने भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं विशेषकर महिला-ई-हाट योजना, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना तथा वन स्टोप सेन्टर तथा अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन को बताया। श्रीमती सुदेशना, सहायक आचार्य ने महिलाओं से जुड़े अपराधों व अपराधों से संरक्षण के लिये विभिन्न कानूनों की जानकारी दी। श्री आशीष कौशिक, सहायक आचार्य ने महिलाओं को अपने अधिकारों के बारें में ज्यादा से ज्यादा जागरूक रहने के लिये कहा। ग्राम प्रधान मंजू ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि इस तरह के अभियानों के आयोजन से जन-जागृती आती है तथा एक लोकतांत्रिक देश को सफलता के लिये उसके नागरिकों का जागरूक होना अतिआवश्यक है तथा भविष्य में ऐसे आयोजनों को और बड़े स्तर पर कराने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन मोडल अधिकारी डा0 विकास कुमार ने किया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी अपूर्व मित्तल, श्री अंकुर चौधरी, अधिवक्ता, दिल्ली उच्च न्यायलय, श्री कुवंर पाल सिंह, शिवानी चौधरी, श्री अमृतांश, श्री पंकज आदि मौजूद रहे।

विधिक सेवा केंद्र निशुल्क विधिक सेवा देने के लिए कृत संकल्प डॉ0 विवेक कुमार

ग्राम भटीपुरा में विधिक साक्षारता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

मेरठ। विधि अध्ययन संस्थान स्थित विधिक सहायता केन्द्र सभी ग्रामीणों व अन्य की विधिक सहायता हेतु एवं सभी सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु मद्द करने को कृत संकल्प और आप सभी से अनुरोध है कि किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क कर लाभ लें। यह बात विधि अध्ययन संस्थान के समन्वयक डॉ0 विवेक कुमार ने कोविड.19 की गाईडलाइन्स का पालन करते हुये विधिक सेवा केन्द्र विधि अध्ययन संस्थान एवं महिला अध्ययन केन्द्र प्रो0 बिन्दु शर्मा समन्वयक चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के संयुक्त तत्वाधान में अन्तर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर महिलाओं से सम्बन्धित कानून एवं केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से अवगत कराने लिये एक विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर ग्राम भटीपुरा के ग्राम पंचायत स्थल आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही।

इस कार्यक्रम का आयोजन मा0 कुलपति प्रो0 एन0के0 तनेजा एवं प्रतिकुलपति प्रो0 वाई0 विमला चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के संरक्षण में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डा0 विवेक कुमार

समन्वयक एवं सहयुक्त आचार्य विधि अध्ययन संस्थान एवं ग्राम प्रधान श्रीमती मंजू द्वारा किया गया तथा इस अवसर पर मास्क का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम में विधि अध्ययन संस्थान की ओर से नेहा रूहेला ने ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य स्तर की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। जैसे.राज्य संचालित सुमंगला योजना मुफ्त सिलाई योजना वृद्धा पेंशन योजना आदि के बारे में बताया। इसके पश्चात् मानवी अग्रवाल ने महिलाओं से सम्बन्धित संवैधानिक एवं विधिक अधिकार के बारे में जानकारी दी। श्रीमती अपेक्षा चौधरी सहायक आचार्य ने राज्य स्तर पर संचालित योजनाओं एवं अन्य जागरूकता के अभियानों के बारे में एवं विधवा पेंशन योजनाए उ0प्र0 वृद्ध पेंशन योजनाए उ0प्र0 विवाह अनुदान योजनाए उ0प्र0 दिव्यांगजन शादी अनुदान योजना आदि के बारे में बताया। इसके पश्चात् डा0 कुसुमा वती सहायक आचार्य ने भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं विशेषकर महिला.ई.हाट योजना बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना तथा वन स्टोप सेन्टर तथा अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन को बताया। श्रीमती सुदेशना सहायक आचार्य ने महिलाओं से जुड़े अपराधों व अपराधों से संरक्षण के लिये विभिन्न कानूनों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डा0 विकास कुमार ने किया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी अपूर्व मित्तल अंकुर चौधरी अधिवक्ता दिल्ली उच्च न्यायालय कुवंर पाल सिंह शिवानी चौधरी अमृतांश पंकज आदि मौजूद रहे।

दिनाँक: 21 जुलाई 2021

कार्यक्रम 4 :

पोषण युक्त आहार के महत्व पर जागरूकता शिविर का आयोजन

संचालन का स्थान:	ग्राम नानपुर
मुख्य संरक्षक:	प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
समन्वयक:	• प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
मुख्य वक्ता :	• प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ • शैंकी त्यागी, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, RIT नानपुर कॉलेज

विवरण :

इस कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा जी एवं प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला जी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने जीवन में पोषण युक्त आहार के महत्व के बारे ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को बताया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सक्रिय जीवन के लिए मनुष्य को उचित एवं पर्याप्त पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है खराब पोषण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और वह संवेदनशीलता बढ़ जाती है एवं मानसिक विकास बाधित होता है उन्होंने जीवन के चरणों में आहार योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी.,शिशु के लिए आहार WHO के अनुसार क्या होना चाहिए, बढ़ते बच्चों के लिए संतुलित आहार किस तरह बनाएं, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं ओस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए कैल्शियम युक्त पदार्थ बुजुर्ग लोगों के लिए विटामिन और खनिज की आवश्यकता अधिक होती है। महिला अध्ययन केंद्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में एक जागरूकता शिविर का आयोजन नानपुर ग्राम में किया गया।

फोटोग्राफ गैलरी :

मीडिया रिपोर्ट :

महिला अध्ययन केंद्र ने नानपुर में किया जागरूकता शिविर का आयोजन

मेरठ (मेरठ समाचार प्रतिनिध)। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा एवं प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला के संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने जीवन में पोषण युक्त आहार के महत्व के बारे ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को बताया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सक्रिय जीवन के लिए मनुष्य को उचित एवं पर्याप्त पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। खराब पोषण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और वह संवेदनशीलता बढ़ जाती है एवं मानसिक विकास बाधित होता है। उन्होंने जीवन के चरणों में आहार योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। शिशु के लिए आहार विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार क्या होना चाहिए, बढ़ते बच्चों के लिए संतुलित आहार किस तरह बनाएं, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं ओस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए कैल्शियम युक्त पदार्थ बुजुर्ग लोगों के लिए विटामिन और खनिज की आवश्यकता अधिक होती है। कार्यक्रम का संचालन नानपुर कॉलेज में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष शैंकी त्यागी ने किया। प्रधानाचार्य डॉ गंगा दास, डॉ मोनिका शर्मा, डॉक्टर पवन तोमर मौजूद रहे।

खराब पोषण से घट जाती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा बृहस्पतिवार को नानपुर गांव में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया गया। कुलपति प्रो. एनके तनेजा एवं प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला के संरक्षण में हुए कार्यक्रम में महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. बिंदु शर्मा ने जीवन में पोषण युक्त आहार के महत्व के बारे ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खराब पोषण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। मानसिक विकास बाधित होता है। शिशु के लिए आहार डब्लूएचओ के अनुसार क्या होना चाहिए, बढ़ते बच्चों के लिए संतुलित आहार किस तरह बनाएं, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं ओस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए कैल्शियम युक्त पदार्थ कैसे बनाएं, इसकी जानकारी दी गई। संचालन नानपुर कॉलेज में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष शैंकी त्यागी ने किया। प्रधानाचार्य डॉ. गंगा दास, डॉ. मोनिका शर्मा एवं डॉ. पवन तोमर मौजूद रहे। ब्यूरो

12 जुलाई 2021

कार्यक्रम 1 :

जनसंख्या दिवस के उपलक्ष में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा व्याख्यान एवं पोषण आहार वितरण

संचालन का स्थान:	विश्वविद्यालय परिसर, मेरठ
दिवस :	विश्व जनसंख्या दिवस
मुख्य संरक्षक:	माननीय कुलपति, प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी , चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अध्यक्ष :	प्रोफेसर जयमाला, विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
कार्यक्रम की समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
NCC ऑफिसर :	डॉ. अनिल यादव

विवरण :

दुनिया भर में हर साल 11 जुलाई को वर्ल्ड पॉप्यूलेशन डे यानि की जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। इस अवसर को ध्यान में रखते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने महिला अध्ययन केंद्र के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय में दिनांक 12-07-2021 को माननीय कुलपति प्रो. एन. के. तनेजा और प्रति कुलपति प्रो. वाई. विमला मैडम के संरक्षण में एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया I इस कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. जयमाला, अध्यक्ष, गणित विभाग, थी I समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र एवं मुख्य आयोजक प्रो. बिंदु शर्मा थी I इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. इंदु सिंहवाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ, लोकप्रिय अस्पताल, थी I उन्होंने अपने भाषण में महिलाओं को जनसंख्या नियंत्रण पर सुझाव दिए और बढ़ती आबादी को काबू करने के लिए परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक किया I बढ़ती जनसंख्या गरीबी, भुखमरी के अलावा सेहत को भी प्रभावित करती है। इस अवसर पर महिलाओं को पोषण आहार वितरित किया गया I घनी आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में है। दिन-ब-दिन बढ़ती आबादी के बीच आसानी से वायुजनित रोग यानी हवा से होने वाली बीमारियां आसानी से फैल रही हैं। जैसा की शोध में भी स्पष्ट हो चुका है कि कोविड और मानसूनी बीमारियां भी हवा से फैलती हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. इंदु सिंहवाल ने महिलाओं और किशोरियों को जागरूक किया । प्रो. बिंदु शर्मा ने बताया भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या का कारण आज भी शिक्षा एवं अंधविश्वास है I अंत में उनके द्वारा ही सबको औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया गया I इस कार्यक्रम में एन.सी.सी. ऑफिसर अनिल यादव जी का भी सहयोग रहा I

फोटोग्राफ गैलरी :

"महिला अध्ययन केन्द्र"
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
विश्व जनसं
दिवस

मीडिया रिपोर्ट :

'घनी आबादी से मानव का स्वास्थ्य खतरे में'

meerut@inext.co.in

MEERUT (14 July): चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केंद्र में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसमें मुख्य वक्ता डॉ इंदु सिंह वॉल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के नुकसान बताए. उन्होंने कहाकि घनी आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में है. दिन पर दिन बढ़ती जनसंख्या जनसंख्या के कारण वायु जनित रोग यानी हवा से होने वाली बीमारियां फैल रही है.

बढ़ रही अशिक्षा

महिला अध्ययन केंद्र की प्रमुख प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण अशिक्षा वह अंधविश्वास है. जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए परिवार नियोजन की आवश्यकता है. इस दौरान महिलाओं को पोषण आहार भी वितरित किया गया.

जनसंख्या नियंत्रण है जरूरी

गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जयमाला ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण अनेक समस्याएं पैदा होती है. इसलिए जनसंख्या को नियंत्रण करना बहुत जरूरी है. इसके अलावा लल्ला पुर में ग्रामीण महिलाओं के साथ एक कार्यशाला हुई. इसमें महिलाओं को स्वस्थ रहने की जानकारी दी गई.

3 मेरठ समाचार
गुरुवार, 15 जुलाई, 2021
www.facel
meerutsar

बढ़ती आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में

मेरठ (मेरठ समाचार प्रतिनिधि)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केंद्र द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ इंदु सिंह वाल ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण गरीबी भुखमरी और सेहत को भी प्रभावित करती है घनी आबादी के कारण मानव स्वास्थ्य खतरे में है दिन पर दिन बढ़ती जनसंख्या जनसंख्या के कारण वायु जनित रोग यानी हवा से होने वाली बीमारियां फैल रही है जैसे कोई डोर मानसूनी बीमारियां भी हवा से फैलती है। महिला अध्ययन केंद्र की प्रमुख प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण अशिक्षा वह अंधविश्वास है जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए परिवार नियोजन की आवश्यकता है।

इस दौरान महिलाओं को पोषण आहार भी वितरित किया गया वह परिवार नियोजन के प्रति महिलाओं को जागरूक किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हैं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जयमाला ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण अनेक समस्याएं पैदा होती है इसलिए जनसंख्या को नियंत्रण करना बहुत जरूरी है। वहीं दूसरी ओर महिला अध्ययन केंद्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय वह एनसीसी के तत्वधान में लल्ला पुर में ग्रामीण महिलाओं के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता मनो सामाजिक विज्ञान कार्यकर्ता डॉ विनीता शर्मा ने कहा कि किशोरावस्था के दौरान शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का देखभाल करना अत्यंत आवश्यक है यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो परिवार और समाज भी स्वस्थ रहेगा और उसका विकास भी हो पाएगा इस दौरान महिलाओं को किशोरावस्था में प्रजनन यौन स्वास्थ्य पोषण संबंधी एनीमिया आज भजन खानपान पौष्टिक भोजन आदि के बारे में जागरूक किया गया कार्यक्रम के दौरान डॉ सुषमा रामपाल ने बताया कि मानव विकास के दृष्टिकोण से महिला स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना बहुत अनिवार्य है महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक वह मुख्य आयोजक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि महिलाओं के बीच स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा होना बहुत आवश्यक है कुपोषण व स्वास्थ्य सुरक्षा के अभाव में महिलाओं का विकास अवरुद्ध हो जाता है इस दौरान डॉ अनिल यादव आदि मौजूद रहे।

दिनाँक: 21 जुलाई 2021

कार्यक्रम 4 :
पोषण युक्त आहार के महत्व पर जागरूकता शिविर का आयोजन

संचालन का स्थान:	ग्राम नानपुर
मुख्य संरक्षक:	प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
समन्वयक:	• प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण :

इस कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा जी एवं प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला जी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने जीवन में पोषण युक्त आहार के महत्व के बारे ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को बताया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सक्रिय जीवन के लिए मनुष्य को उचित एवं पर्याप्त पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है खराब पोषण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और वह संवेदनशीलता बढ़ जाती है एवं मानसिक विकास बाधित होता है उन्होंने जीवन के चरणों में आहार योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी.,शिशु के लिए आहार WHO के अनुसार क्या होना चाहिए, बढ़ते बच्चों के लिए संतुलित आहार किस तरह बनाएं, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं ओस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए कैल्शियम युक्त पदार्थ बुजुर्ग लोगों के लिए विटामिन और खनिज की आवश्यकता अधिक होती है। महिला अध्ययन केंद्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में एक जागरूकता शिविर का आयोजन नानपुर ग्राम में किया गया।

फोटोग्राफ गैलरी :

मीडिया रिपोर्ट :

DAILY NEWS F1RST TODAY दैनिक न्यूज फर्स्ट टुडे

स्वस्थ और सक्रिय जीवन के लिए पर्याप्त पोषक तत्व जरूरी : प्रो. बिंदु शर्मा

मेरठ (NFT)। महिला अध्ययन केंद्र चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन नानपुर ग्राम में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. एन.के. तनेजा एवं प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई. विमला के संरक्षण में किया गया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. बिंदु शर्मा ने जीवन में पोषण युक्त आहार के महत्व के बारे ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को बताया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सक्रिय जीवन के लिए मनुष्य को उचित एवं पर्याप्त पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। खराब पोषण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और वह संवेदनशीलता बढ़ जाती है एवं मानसिक विकास बाधित होता है। उन्होंने आहार योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। शिशु के लिए आहार WHO के अनुसार क्या होना चाहिए, बढ़ते बच्चों के लिए संतुलित आहार किस तरह बनाएं। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं ओस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए कैल्शियम युक्त पदार्थ बुजुर्ग लोगों के लिए विटामिन और खनिज की आवश्यकता अधिक होती है। कार्यक्रम का संचालन RIP नानपुर कॉलेज में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष शैंकी त्यागी ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. गंगा दास, डॉ. मोनिका शर्मा, डॉ. पवन तोमर मौजूद रहे।

खराब पोषण से घट जाती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा बृहस्पतिवार को नानपुर गांव में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया गया। कुलपति प्रो. एनके तनेजा एवं प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला के संरक्षण में हुए कार्यक्रम में महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. बिंदु शर्मा ने जीवन में पोषण युक्त आहार के महत्व के बारे ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खराब पोषण से रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। मानसिक विकास बाधित होता है। शिशु के लिए आहार डब्लूएचओ के अनुसार क्या होना चाहिए, बढ़ते बच्चों के लिए संतुलित आहार किस तरह बनाएं, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं ओस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए कैल्शियम युक्त पदार्थ कैसे बनाएं, इसकी जानकारी दी गई। संचालन नानपुर कॉलेज में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष शैंकी त्यागी ने किया। प्रधानाचार्य डॉ. गंगा दास, डॉ. मोनिका शर्मा एवं डॉ. पवन तोमर मौजूद रहे। ब्यूरो

दिनाँक: 31 जुलाई 2021

कार्यक्रम 5:

कथा- सम्राट प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर उर्दू विभाग मौन "महिला स्पेशल" एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

संचालन का स्थान	उर्दू विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
सानिध्य में	● प्रोफेसर असलम जमशेदपुरी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
मुख्य अथितिगढ़:	● प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
समन्वयक:	● प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
मुख्य अथिति :	● डॉ हुमा मकसूद

विवरण:

दिनाँक: 31 जुलाई 2021 को उर्दू विभाग में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गयाI इस कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर असलम जमशेदपुरी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ जी एवं प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला जी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के संरक्षण में किया गयाI इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा मुख्य तथा अथिति डॉ हुमा मकसूद जी भी मौजूद रही Iइस कार्यक्रम में तीन पुस्तकों जाविया निगाह, विनय पत्रिका एवं सांधिनि, जहाने कुदरत उल्लाह शहाब का विमोचन हुआI समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने बताया की वर्त्तमान परिदृश्य मैं महिला अपनी रचना के माध्यम से अपनी प्रतिभा दर्ज करा रही हैंI प्रो. वाई विमला नें बताया की महिला आज अपनी रचनाओं के माध्यम से अपनी समस्याओं को अपनी रचनाओं से वाणी में व्यक्त कर रही हैंI

फोटोग्राफ गैलरी:

CH. CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT

DEPARTMENT OF URDU شعبۂ اردو

Prof. Mohammad Aslam Khan
(Aslam Jamshedpuri)
Head

پروفیسر محمد اسلم خان
(اسلم جمشیدپوری)
صدر شعبہ

Date

Ref. No. 275

उर्दू विभाग चौ. चरणसिंह विश्वविद्यालय एवं आयूसा की संयुक्त प्रस्तुति

कथा–सम्राट प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर उर्दू विभाग में "महिला स्पेशल" एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

31 जुलाई, 2021 दिन : शनिवार

प्रथम सत्र	: विमोचन कार्यक्रम 2:30 से 4:00 तक सांय
सानिध्य में	: प्रो. असलम जमशेदपुरी (अध्यक्ष, उर्दू विभाग चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)
अध्यक्षता	: प्रो. बिन्दु शर्मा (अध्यक्ष जुलोजी विभाग एवं महिला प्रकोष्ठ चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)
मुख्य अतिथिगण	: प्रो. वाई. विमला (प्रतिकुलपति, चौ.चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)
	: श्रीमती मीना खान (एडिशनल जिला सेशन जज)
पुस्तक विमोचन	: ज़ाविया–ए–निगाह (डॉ. फरहत खातून) समीक्षा– डॉ. शादाब अलीम
	: विनयपत्रिका एवं सन्धिनी (डॉ. अलका वशिष्ठ) समीक्षा– डॉ. दीपा त्यागी
	: जहाने कुदरतउल्लाह शहाब (डॉ. शबिस्तॉ आरा मोहम्मद) समीक्षा– फरहा नाज
संचालन	: डॉ. इफ्फत जकिया (उर्दू विभाग, ईस्माइल डिग्री कॉलिज, मेरठ)
धन्यवाद ज्ञापन	: डा0 आसिफ अली (उर्दू विभाग, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)
द्वितीय सत्र	: कहानी की एक शाम प्रेमचंद के नाम (4:15 से 5:00 तक सांय)
सानिध्य में	: प्रो. मोहम्मद काजिम (उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
अध्यक्षता	: डॉ. प्रज्ञा पाठक (एसोसिएट प्रोफेसर, एनएस कॉलिज, मेरठ)
मुख्य अतिथि	: डॉ. हुमा मसूद (प्राचार्या, ईस्माइल नेशनल डिग्री कॉलिज, मेरठ)
कहानीकार	: श्रीमती मीना खान (आगरा)
	: डॉ. कविता त्यागी (मेरठ)
	: शूबी जहरा नकवी (मेरठ)
	: ताहिरा साबिर (मेरठ)
संचालन	: सैयदा मरियम
धन्यवाद ज्ञापन	: डॉ. इरशाद स्यानवी (उर्दू विभाग, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)
आयोजक	: उर्दू विभाग, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
	: अंतर्राष्ट्रीय यंग उर्दू स्कालर्स एसोसिएशन, (आयूसा)

मीडिया रिपोर्ट:

की आयरलैंड में हुए एक बम धमाके में मौत हो गई

मेरठ

संक्षेप

स्त्री किसी बात का उत्तर न दे तो वह कमतर नहीं

मेरठ। स्त्री किसी बात का प्रत्युत्तर नहीं दे रही है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह कमतर है बल्कि वह सही समय पर सही शक्ति का सृजन एवं प्रत्युत्तर देना चाहती है। चौधरी चरण सिंह विवि के अंग्रेजी विभाग में समकालीन भारतीय अंग्रेजी लेखिकाएं विषय पर लेक्चर सीरीज के पहले दिन यह बात प्रो. शिवगोविन्द पुरी ने कही। प्रो. पुरी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में स्त्री आधुनिकता के साथ अपनी छुपी हुई प्रतिभा को रचनाधर्म द्वारा दर्ज करा सकती है। प्रोवीसी प्रो.वाई विमला ने कहा कि भारतीय महिला लेखिकाओं ने अपनी प्रतिभा के दम पर महिलाओं की समस्याओं को अपनी रचनाओं में वाणी दी है। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. बिंदु शर्मा, प्रो. प्रतिभा त्यागी, अदिति मिश्रा, विभागाध्यक्ष प्रो.विकास शर्मा, आयोजन सचिव प्रो.रवींद्र कुमार, मिनी राणा, शुचि चौहान, अनिंदता आदि रहे।

Chand Seminar Hall
DEPARTMENT OF URDU

दिनाँक:31 जुलाई 2021

कार्यक्रम 5:

गोकुलपुर गांव बच्चो में"क्षय रोग निवारण" पर जागरूक शिविर का आयोजन

संचालन का स्थान	गोकुलपुर गांव
मुख्य संरक्षक:	प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
समन्वयक:	• प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण:

दिनांक 31 जुलाई 2021 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने गोकलपुर ग्राम में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन "बच्चों में क्षय रोग निवारण" विषय पर कराया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों ने महिलाओं और बच्चों को जागरूक करते हुए टीबी रोग से संबंधित समुचित जानकारी दी। इस कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति प्रोफेसर एन.के. तनेजा एवं प्रति कुलपति प्रोफेसर भाई विमला जी के संरक्षण में किया गया। चौधरी चरण सिंह विश्विद्यालय के जीव विज्ञान विभाग की शोध छात्राएं मेरिका जयंत, सुमन भार्गवा और हिमानी शर्मा ने ग्रामीण महिलाओ को समझाया कि टीबी मुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिये हर स्तर पर सामुदायिक सहभागिता जरूरी है। अभियान की सफलता में पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण टीबी की बीमारी एक छूत रोग है, जिसका समय पर इलाज ना होने पर जानलेवा बीमारी का रूप धारण कर लेती है।। टीबी की बीमारी को कई अलग-अलग नामों से जाना जाता है जैसे तपेदिक, क्षय रोग तथा यक्ष्मा। छात्र स्वयंसेवकों ने बताया कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है। अगर किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी की शिकायत हो तो उन्हें तुरंत नजदीकी चिकित्सा केन्द्र पर अपने बलगम की जांच करानी चाहिये। बलगम के साथ खून आना या नहीं आना, शाम के समय बुखार आना, भूख कम लगना, शरीर का वजन कम होना, सीने में दर्द की शिकायत, रात में पसीना आना टीबी रोग से जुड़े लक्षण हो सकते हैं। चार सप्ताह से लेकर 24 महीने तक के इलाज से इसे ठीक किया जा सकता है। टीबी संक्रमण की पुष्टि होने पर पूरे कोर्स की दवा रोगी को सरकार द्वारा मुफ्त उपलब्ध कराया जाता है। जांच से इलाज तक की पूरी प्रक्रिया मुफ्त है। निक्षय पोषण योजना के तहत सभी टीबी मरीजों को 500 रुपये प्रतिमाह सहायता राशि देने का प्रावधान है।

फोटोग्राफ गैलरी:

बच्चों में क्षय
रोग निवारण
"महिला अध्ययन केन्द्र"
(उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्देशित)
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

अगस्त 2021

दिनाँक: 09अगस्त 2021

कार्यक्रम 1:

दत्तावली गाँव "मित्रतादिवस के महत्व पर जागरूकता शिविर का आयोजन

संचालन का स्थान	दत्तावली गाँव
मुख्य संरक्षक:	• प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक:	• प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
समन्वयक:	• प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण:

उत्तर प्रदेश शाशन के द्वारा भेजे गए महिलाओं के लिए आउटरीच/विस्तार गतिविधियों 2021-2022 के संबंध में पत्र संख्या पी.एफ. / 3645 दिनांक 3.6.21 के तत्वाधान में अगस्त माह 2021 में होने वाली गतिविधिओं को ध्यान में रखते हुए दिनांक 09 अगस्त 2021 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने "मित्रता दिवस" के उपलक्ष पर पास के दत्तावली गाँव में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन कराया। इस कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति प्रोफेसर एन.के. तनेजा एवं प्रति कुलपति प्रोफेसर भाई विमला जी के संरक्षण में किया गया। छात्रा स्वयंसेवकों ने महिलाओं को मित्रता दिवस के विषय पर जागरूक किया कि उन्हें गाँव में अपनी सहकर्मी महिलाओं का समर्थन कैसे और क्यों करना चाहिए। महिलाएं हमेशा घरेलू हिंसा, दुर्व्यवहार, बलात्कार, सती प्रथा, पर्दा प्रथा जैसे सामाजिक कर्मकांडों में फंसी रही हैं जो अपने आप में महिला लिंग के लिए एक नकारात्मक बात है। इसलिए ऐसी सामाजिक बाधाओं को पार करने के लिए महिलाओं को हाथ मिलाना चाहिए और अन्य महिलाओं को समर्थन और प्रोत्साहित करना चाहिए, चाहे वे किसी भी क्षेत्र में हों। "किसी अन्य महिला की जीत या सफलता का जश्न मनाने से आपकी चमक या गौरव कभी कम नहीं होगा। यदि कुछ भी हो, तो यह उसे और अधिक मजबूत बनाएगा और उसकी सफलता की कहानी में और रोशनी पैदा करेगा।" अब पहले से कहीं ज्यादा ऐसा लगता है कि महिलाएं एक साथ आ रही हैं और न केवल अपने मतभेदों बल्कि समानताओं का भी जश्न मना रही हैं।" ग्रामीणों ने जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और आपस में वर्षों से अपनी दोस्ती का जश्न भी मनाया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आने वाले वर्षों में गांव की महिलाएं धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से अपने अधिकारों का एहसास करेंगी और युवा पीढ़ी के बीच महिला सशक्तिकरण का संदेश फैलाएंगी।

फोटोग्राफ गैलरी:

"महिला अध्ययन केन्द्र"
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

दिनाँक: 21अगस्त 2021

कार्यक्रम 2:

मिशन शक्ति के तृतीय चरण का शुभारम्भ

संचालन का स्थान	**अंग्रेज़ी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ**
मुख्य संरक्षक:	• **प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ**
संरक्षक:	• **प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ**
समन्वयक:	• **प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ**

विवरण:

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मिशन शक्ति योजना के तृतीय चरण का शुभारंभ आज 21 अगस्त के करते हुए दिसंबर 2021 तक महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वाभिमान के लिए मिशन शक्ति अभियान के तहत अनेक कार्यक्रम का आयोजन ललित कला विभाग एवं महिला अध्ययन केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से समय-समय पर किया जाएगाI प्रोफ़ेसर बिंदु शर्मा डॉ अलका तिवारी समन्वयक महिला अध्ययन केंद्र के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण की दिशा में अच्छा कार्य करने वाले बालिकाओं एवं महिलाओं को सम्मानित भी किया जाएगा मुख्य अतिथि प्रोफेसर विमला प्रति कुलपति आदि उपस्थित रहेI

फोटोग्राफ गैलरी:

मिशन शक्ति
तृतीय चरण

मीडिया रिपोर्ट:

THE NEWS RED
पत्रकारिता अभियान के रूप में
मिशन शक्ति के तीसरे चरण का शुभारंभ
मिशन शक्ति
तृतीय चरण
माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मिशन शक्ति योजना के तृतीय चरण का शुभारंभ आज 21 अगस्त से करते हुए दिसंबर 2021 तक महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वाभिमान के लिए मिशन शक्ति अभियान के तहत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन ललित कला विभाग एवं महिला अध्ययन केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से समय-समय पर किया जाएगा। प्रो. बिंदु शर्मा, डॉ अलका तिवारी समन्वयक महिला अध्ययन केंद्र मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण की दिशा में अच्छा कार्य करने वाले बालिकाओं एवं महिलाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। मुख्य अतिथि प्रोफेसर वाई विमला (प्रति कुलपति), आदि उपस्थित रहे
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें 9634324860

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग डॉ. उर्मिला कार्या, स्टाफ नर्स शर्ली भंडारी को सम्मानित किया।

मिशन शक्ति के तीसरे चरण में चित्र प्रदर्शनी

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कैंपस में मिशन शक्ति के तीसरे चरण की शुरुआत चित्र प्रदर्शनी से हुई।

बतौर मुख्य अतिथि प्रोवीसी प्रो. वाई विमला एवं प्रो.बिंदु शर्मा ने नारी शक्ति पर आधारित चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। समन्वयक डॉ.अलका तिवारी के अनुसार दिसंबर 2021 तक मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम होंगे। प्रो. बिंदु शर्मा के अनुसार कॉलेजों में महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ गठित होंगी। अच्छा कार्य करने वाली महिला एवं बालिकाओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

लखनऊ में हुए समारो

विश्वविद्यालय में

KATYAYANI
College of Education

दिनाँक:26 अगस्त 2021- 04 सितम्बर 2021

कार्यक्रम 3:

एक सप्ताह की व्याख्यान श्रृंखला

संचालन का स्थान	**अंग्रेज़ी विभाग ,चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ**
अध्यक्ष	**प्रो. प्रभात त्यागी विकाश शर्मा रविंद्र कुमार**
समन्वयक और संयोजक	**प्रो. विकाश शर्मा**
आयोजन सचिव	**प्रो. रविंद्र कुमार**

दिनाँक: 26 अगस्त 2021

(I) समकालीन भारतीय अंग्रेजी महिला लेखिका

विवरण:

आज दिनांक 26 अगस्त 2021 चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग में सात दिवसीय व्याख्यानमाला का बृहस्पति वार को पहला दिन रहा हूं मुख्य वक्ता प्रोफेसर डॉ शिव गोविंद पुरी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में तीन आधुनिकता के साथ अपनी प्रतिभा के रचना धर्म द्वारा अपनी पहचान तथा उपस्थिति दर्ज करा सकती है I मुख्य अतिथि प्रति कुलपति प्रोफ़ेसर बाय विमला ने कहा कि भारतीय अंग्रेजी महिला लेखकों ने महिलाओं की समस्याओं को अपनी रचना में वाणी दी हैI महिला अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने भी विचार दें अध्यक्ष प्रोफेसर प्रतिमा त्यागी व संचालन अदिति मिश्रा ने किया अध्यक्ष विकास शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया इस दौरान मिनी राणा, शुभी चौहान,अंनंदील आदि मौजूद रहेI

फोटोग्राफ गैलरी

DEPARTMENT OF ENGLISH
Ch. Charan Singh University, Meerut
In Joint Collaboration With
MAHILA ADHYAYAN KENDRA
(3rd Phase of Mision Shakti)
One- Week Lecture Series
(August-26- September- 02, 2021)
Topic: Contemporary Indian English Women Writers
Day 1: August 26, 2021 (Thursday)
Time : 10.00 AM- 12.00 Noon
Venue : Seminar Room, Dept. of English
Resource Person
Dr. SHIV GOVIND PURI
Department of English & Modern European Languages
University of Lucknow, Lucknow
Guest of Honour
Prof. BINDU SHARMA
Co-ordinator, Mission Shakti
C.C.S. University, Meerut

DEPARTMENT OF ENGLISH
Ch. Charan Singh University, Meerut
In Joint Collaboration With
MAHILA ADHYAYAN K
(3rd Phase of Mission
NE-WEEK LECTU
September- 02, 2021) T

मीडिया रिपोर्ट:

अंग्रेजी विभाग में सात दिवसीय व्याख्यान माला शुरू

मेरठ। सीसीएसयू के अंग्रेजी विभाग में सात दिवसीय व्याख्यानमाला का बृहस्पतिवार को पहला दिन रहा। मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. शिवगोविंद पुरी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में स्त्री आधुनिकता के साथ अपनी छिपी प्रतिभा के रचनाधर्म द्वारा अपनी पहचान तथा उपस्थिति दर्ज करा सकती है। मुख्य अतिथि प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि भारतीय अंग्रेजी महिला लेखकों ने महिलाओं की समस्याओं को अपनी रचनाओं में वाणी दी है। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. बिंदु शर्मा ने भी विचार रखे। अध्यक्षता प्रो. प्रतिभा त्यागी ने व संचालन अदिति मिश्रा ने किया। विभागाध्यक्ष प्रो. विकास शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान मिनी राणा, शुचि चौहान, अनन्दिल आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

अलग पहचान बना रहीं हैं अंग्रेजी लेखिकाएं

जागरण संवाददाता, मेरठ : चौ. चरण सिंह विवि के अंग्रेजी विभाग में दो दिवसीय व्याख्यान माला आयोजित की गई। इसमें पहले दिन लखनऊ विवि के अंग्रेजी के प्रोफेसर डा. शिवगोविंदपुरी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में महिलाएं आधुनिकता के साथ अपनी छिपी हुई प्रतिभा से पहचान बना रहीं हैं। अगर महिला किसी बात का उत्तर नहीं दे रही है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह कमतर है। प्रतिकुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि महिला लेखिकाओं ने अपनी प्रतिभा के दम पर स्त्री विमर्श को लिखा है। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. बिंदु ने कहा कि लेखिकाओं ने अपनी रचना में दलित उत्पीड़न को भी उठाया है। प्रो. प्रतिभा त्यागी ने अध्यक्षता की। संचालन अदिति मिश्रा ने की। विभागाध्यक्ष प्रो. विकास शर्मा ने सभी का स्वागत किया। आयोजन सचिव प्रो. रविंद्र कुमार रहे।

चौ. चरणसिंह विवि के इंग्लिश विभाग में कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. शिव गोविंदपुरी • जागरण

दिनाँक: 27 अगस्त 2021

(II) विक्टोरियन कविता में नारीवाद, कल्पना और रोमांस के तत्व

विवरण:

आज दिनांक 27 अगस्त 2021चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में शक्ति के तहत चल रहे ध्यान में व्यक्तियों ने लेखिकाओं के योगदान को सराहा नोएडा की एएमटी यूनिवर्सिटी नोएडा की डॉक्टर सुमित्रा सिंह ने कहा कि विक्टोरियन युग में अंग्रेजी की महिला रचनाकारों ने पश्चिम में फैमिली संरचना की शुरुआत की थी विज्ञान और धर्म के अंतर्द्वंद में फंसी महिलाओं को खुली हवा में सांस लेने में ब्रिटिश लेखिकाओं के योगदान को नहीं बुलाया जा सकता I एलिजाबेथ बैरेंट, ब्राइनिंग व क्रिसटीनिआ ने अपनी कविताओं में रोमांस स्थान दिया है अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विकास शर्मा ने कहा कि महिला रचनाकारों ने विक्टोरियन मोलेरिटी की अवधारणा को इतिहास के डस्टबिन में देखने का साहस अपनी कविताओं में किया I

फोटोग्राफ गैलरी

DEPARTMENT OF ENGLISH

Ch. Charan Singh University, Meerut

In Joint Collaboration With

MAHILA ADHYAYAN KENDRA

(3rd Phase of Mission Shakti)

One- Week Lecture Series

(August-26- September- 02, 2021)

Topic: Elements of Feminism, Fantasy and Romance in Victorian Poetry

Day 2: August 27, 2021 (Friday)

Time : 12.00 Noon

Venue : Seminar Room, Dept. of English

Resource Person

Dr. SUMITRA SINGH

Assistant Professor, Department of English, Amity University, Noida

Chairperson

Prof. PRATIBHA JYAGI

Dept. of English

C.C.S. University, Meerut

Coordinator & Convener

Prof. VIKAS SHARMA, D.Lit

Head, Department of English

C.C.S. University, Meerut

Organizing Secretary

Prof. RAVINDRA KUMAR

Department of English

C.C.S. University, Meerut

DEPARTMENT OF
Ch. Char ngh Univer
In Collaboratio
MAHILA YAYAN
3rd Mission
Time:

DEPARTMENT OF ENGLISH
Ch. Charan Singh University, Meerut
In Joint Collaboration With
MAHILA ADHYAYAN KENDRA
(3rd Phase of Mission Shakti)

मीडिया रिपोर्ट:

ब्रिटिश लेखिकाओं को नहीं कर सकते हैं नजरअंदाज

जागरण संवाददाता, मेरठ: चौ. चरण सिंह विवि के अंग्रेजी विभाग में मिशन शक्ति के तहत चल रहे व्याख्यान में वक्ताओं ने लेखिकाओं के योगदान को सराहा। एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा की डा. सुमित्रा सिंह ने कहा कि विक्टोरियन युग में अंग्रेजी की महिला रचनाकारों ने पश्चिम में फेमनिज्म रचनाओं की शुरुआत की थी। विज्ञान और धर्म के अंतरद्वंद में फंसी महिलाओं को खुली हवा में सांस लेने में ब्रिटिश लेखिकाओं के योगदान को नहीं भूला नहीं जा सकता है। एलिजाबेथ

सीसीएसयू के अंग्रेजी विभाग में व्याख्यान देती वक्ता ● जागरण

बैरेट ब्राइनिंग व क्रिस्टीनिया रोजेटी ने अपनी कविताओं में रोमांस को स्थान दिया। अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. विकास शर्मा ने कहा कि महिला रचनाकारों ने विक्टोरियन मोरलिटी की अवधारणा को इतिहास के डस्टबिन में फेंकने का साहस अपनी कविताओं में किया।

ब्रिटिश महिला लेखिकाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते

मेरठ। विक्टोरियन युग में अंग्रेजी की महिला रचनाकारों ने पश्चिम में फेमनिज्म आंदोलन की शुरुआत अपनी रचनाओं से की थी। विज्ञान एवं धर्त के अंतर्द्वंद्व में फंसी महिलाओं को खुली हवा में सांस लेने में ब्रिटिश महिला लेखकों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सीसीएसयू के अंग्रेजी विभाग में फेमनिज्म फेंटेसी एंड रोमांस इन विक्टोरियन इंग्लिश पोयट्री विषय पर यह बात एमिटि यूनिवर्सिटी से डॉ.सुमित्रा सिंह ने कही। एचओडी प्रो.विकास शर्मा ने कहा कि महिला रचनाकारों ने विक्टोरियनल मोरलिटी की अवधारणा को इतिहास के डस्टबिन में फेंकने का साहस किया है। प्रेम जैसे विषय को

तथाकथित नैतिकता के बंधन से निकालने में महिला रचनाकारों की भूमिका उल्लेखनीय है। डॉ. मेघना श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय महिलाओं ने अपनी प्रतिभा से पुरुष लेखकों को पीछे छोड़ दिया है। प्रो.बिंदु शर्मा ने कहा महिलाओं की लेखकीय प्रतिभा उनकी व्यक्तिगत संवेदनाओं और अनुभूतियों का प्रतिफल है। आयोजन सचिव प्रो.रवींद्र कुमार, अदिति मिश्रा, निधि गुप्ता आदि रहे।

दिनाँक: 28 अगस्त 2021

(III) विक्टोरियन कविता में नारीवाद, कल्पना और रोमांस के तत्व

विवरण:

आज दिनांक 28 अगस्त 2021 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग एवं मिशन शक्ति के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय महिला अंग्रेजी में देखो पर जारी श्रंखला के तीसरे दिन एचओडी प्रोसेसर विकास शर्मा ने कहां कि प्रकृति ने महिलाओं को पुरुषों से अधिक मानवीय संवेदनाएं दी हैI यह बात एचओडी प्रोसेसर विकास शर्मा ने कहीI डॉ अलका बंसल ने कहा कि स्त्रियों को आधुनिकरण के आधुनिकरण के युग में अपनी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए I प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने कहा कि पुरुषों को महिलाओं के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी तभी हम एक सफल भारत की कल्पना कर सकते हैं I

फोटोग्राफ गैलरी

DEPARTMENT OF ENGLISH
Ch. Charan Singh University, Meerut

In Joint Collaboration With

MAHILA ADHYAYAN KENDRA
(3rd Phase of Mission Shakti)

One- Week Lecture Series
(August-26- September- 04, 2021)

Topic: Internal Cultural Clashes of Immigrant Women Characters in The Novels of Bharti Mukherjee

Day 3: August 28, 2021 (Saturday)
Time : 12.00 Noon
Venue : Seminar Room, Dept. of English

Resource Person

Dr. ALKA BANSAL
Associate Professor & Head, Department of English, S.D. (P.G.) College, Muzaffarnagar.
Dean of Arts Faculty

Chairperson	Co-ordinator & Convener	Organizing Secretary
Prof. PRATIBHA JYAGI	Prof. VIKAS SHARMA, D.Lit	Prof. RAVINDRA KUMAR
Dept. of English	Head, Department of English	Department of English
C.C.S. University, Meerut	C.C.S. University, Meerut	C.C.S. University, Meerut

मीडिया रिपोर्ट:

आधुनिकीकरण में अपनी संस्कृति न भूलें

मेरठ। प्रकृति ने महिलाओं को पुरुषों से अधिक मानवीय संवेदनाएं दी हैं। सीसीएसयू के अंग्रेजी विभाग एवं मिशन शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय महिला अंग्रेजी लेखकों पर जारी श्रृंखला के तीसरे दिन यह बात एचओडी प्रो.विकास शर्मा ने कही। मुख्य वक्ता डॉ.अलका बंसल ने कहा कि स्त्री को आधुनिकीकरण के युग में अपनी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। प्रो.बिंदु शर्मा ने कहा कि पुरुषों को महिलाओं के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी।

(IV) मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग सत्र का आयोजन

विवरण:

आज दिनांक 28 अगस्त, 2021 को प्रातः 11:00 बजे, जूलॉजी डिपार्टमेंट, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति' कार्यक्रम के 'चुप्पी तोड़ो खुल कर बोलो, थीम के तहत काउंसलिंग सत्र प्रो. बिंदु शर्मा, समन्वयक महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित किया गया। सत्र की अध्यक्षता जूलॉजी डिपार्टमेंट की अध्यक्षा प्रोफ़ेसर नीलू जैन द्वारा की गई एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर एवं आरसीआई रजिस्टर्ड मनोवैज्ञानिक डॉ संजय कुमार रहे। वक्ता डॉ संजय कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया की भारत एक ऐसा देश है जहां पर किसी भी प्रकार की मानसिक या व्यक्तिगत समस्याओं की की बात किसी से कहना बुरा समझा जाता है। उन्होंने बताया की हम जिंदगी में कई प्रकार के अनुभव प्राप्त करते हैं, परंतु जब कभी हमारे अनुभव खराब, दबाव अथवा तनाव पैदा करने वाले होते हैं और ऐसे अनुभवों को हम अगर किसी से साझा नहीं करते तो वह हमारे अंदर मानसिक ही नहीं अपितु शारीरिक बीमारियां तक पैदा करते हैं। इसलिए अगर कोई महिला ऐसी किसी स्थिति से जूझ रही है कि उन्हें रात में नींद नहीं आती, खाने-पीने की दिनचर्या प्रभावित हो रही है, आप अपनी शक्तियों और क्षमताओं का सही से उपयोग नहीं कर पा रहे हैं साथ ही आपका व्यक्तिगत, सामाजिक, एवं व्यवसायिक जीवन बिगड़ रहा हैं और भविष्य में आपको कोई आशा की किरण दिखाई नहीं दे रही हैं तो जिस प्रकार हम अपनी शारीरिक समस्याओं को डॉक्टर से साझा करते हैं उसी प्रकार से हमारे मन की बात सुनने वाला जो प्रोफेशनल होता है उसे हम मनोवैज्ञानिक या काउंसलर या क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट कहते हैं। और ऐसी स्थितियों में हमें इन्हीं लोगों से संपर्क करना चाहिए। यह प्रोफेशनल आपको बिना जज किए हुए आपके बारे में किसी भी प्रकार की बिना धारणा बनाए हुए आपको सुनते हैं और आपके जीवन को बेहतर एवं उद्देश्य पूर्ण बनाने, सही निर्णय लेने एवं जीवन में पहले जैसी खुशियां वापस लाने में सिर्फ वार्तालाप के माध्यम से आपकी सहायता करते हैं। उन्होंने बताया कि तनाव, दवाव, मानसिक द्वंद, गुस्सा, चिन्ता, निराशा, हताशा, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, अनिर्णय जैसी स्थिति में आप यदि कोई पहला स्टेप लेना चाहते हैं तो वह है अपने मन की बात किसी से साझा करना और आप अपने मन की बात अपने माता-पिता, भाई-बहन, शिक्षक या किसी बड़े के साथ साझा कर सकते हैं। इससे आपको एक तो मन की शांति मिलती है और बहुत हद तक समस्या का समाधान भी मिलता है। और फिर भी यदि आप किसी सही निर्णय पर नहीं पहुंच पाते तो आप किसी वैज्ञानिक से सलाह ले सकते हैं। इस हेतु मनोविज्ञान विभाग में शाम 4:00 से 5:00 तक मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग सेंटर संचालित है और विवि की कोई भी छात्र-छात्रा इस समय आकर सलाह ले सकते है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रोफेसर नीलू जैन ने छात्राओं को एक एक्टिविटी के माध्यम से समझाया कि वह कौन सा व्यक्ति हो सकता है जिससे वे अपने मन की बात कह सकते हैं और समझाया कि हम अपने मन की बातें किसी से साझा कर भी लेते हैं फिर भी कुछ न कुछ ऐसा रह जाता है जो हमें अंदर से परेशान करता है और उसका समाधान खोज लेने से हम अपनी जिंदगी को सुकून भरा शांतिपूर्ण और बेहतर बना सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में संयोजक, प्रोफ़ेसर बिंदु शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया एवं इसी प्रकार से मिशन शक्ति के तहत अगले शनिवार को एक नये तत्र में मिलने का आग्रह किया।

फोटोग्राफ गैलरी

"महिला अध्ययन केन्द्र"
(मिशन शक्ति तृतीय चरण)
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

"महिला अध्ययन केन्द्र"
(मिशन शक्ति तृतीय चरण)
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

मीडिया रिपोर्ट:

सीसीएसयू में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अपने तनाव व दुखद अनुभवों को साझा करना स्वास्थ्य के लिए जरूरी

मेरठ मिशन प्रतिनिधि

मेरठ। शनिवार को जूलॉजी डिपार्टमेंट, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम के चुप्पी तोड़ो खुल कर बोलो, थीम के तहत काउंसलिंग सत्र प्रो. बिंदु शर्मा, समन्वयक महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग के द्वारा आयोजित किया गया। सत्र की अध्यक्षता जूलॉजी डिपार्टमेंट की अध्यक्षा प्रोफ़ेसर नीलू जैन द्वारा की गई एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर संजय कुमार एसोसिएट प्रोफेसर एवं आरसीआई रजिस्टर्ड मनोवैज्ञानिक डॉ संजय कुमार रहे। वक्ता डॉ संजय कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया की भारत एक ऐसा देश है जहां पर किसी भी प्रकार की मानसिक या व्यक्तिगत समस्याओं की की बात किसी से कहना बुरा समझा जाता है।

उन्होंने बताया की हम जिंदगी में कई प्रकार के अनुभव प्राप्त करते हैं, परंतु जब कभी हमारे अनुभव खराब, दबाव अथवा तनाव पैदा करने वाले होते हैं और ऐसे अनुभवों को हम अगर किसी से साझा नहीं करते तो वह हमारे अंदर मानसिक ही नहीं अपितु शारीरिक बीमारियां तक पैदा करते हैं। इसलिए अगर कोई महिला ऐसी किसी स्थिति से जूझ रही है कि उन्हें रात में नींद नहीं आती, खाने–पीने की दिनचर्या प्रभावित हो रही है, आप अपनी शक्तियों और क्षमताओं का सही से उपयोग नहीं कर पा रहे हैं साथ ही आपका व्यक्तिगत, सामाजिक, एवं व्यवसायिक जीवन बिगड़ रहा हैं और भविष्य में आपको कोई आशा की किरण दिखाई नहीं दे रही हैं तो जिस प्रकार हम अपनी शारीरिक समस्याओं को डॉक्टर से साझा करते हैं उसी प्रकार से हमारे मन की बात सुनने वाला जो प्रोफेशनल होता है उसे हम मनोवैज्ञानिक या काउंसलर या क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट कहते हैं। और ऐसी स्थितियों में हमें इन्हीं लोगों से संपर्क करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रोफेसर नीलू जैन ने छात्राओं को एक एक्टिविटी के माध्यम से समझाया कि वह कौन सा व्यक्ति हो सकता है जिससे वे अपने मन की बात कह सकते हैं और समझाया कि हम अपने मन की बातें किसी से साझा कर भी लेते हैं फिर भी कुछ न कुछ ऐसा रह जाता है जो हमें अंदर से परेशान करता है और उसका समाधान खोज लेने से हम अपनी जिंदगी को सुकून भरा शांतिपूर्ण और बेहतर बना सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में संयोजक, प्रोफ़ेसर बिंदु शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

दिनाँक: 31अगस्त 2021

कार्यक्रम 4:

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ व वीरांगना अवंती बाई महाविद्यालय में *मिशन शक्ति* पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

संचालन का स्थान	**वीरांगना अवंती बाई महाविद्यालय खानपुर, बुलंदशहर**
मुख्य संरक्षक	**प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ**
संरक्षक:	**प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ**
समन्वयक:	**प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ**
अध्यक्षा	**आरती जी दीप**

विवरण:

आज दिनांक 31 अगस्त 2021 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ तथा वीरांगना अवंती बाई महाविद्यालय खानपुर बुलंदशहर के अंत में महिला अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया गया इसके अलावा शक्ति पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया I कार्यशाला का शुभारंभ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा ने किया इस मौके पर महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की गई दरअसल उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर निश्चित जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं उनका मकसद महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ ही उन्हें स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया जा रहा है इस कड़ी में अवंतीबाई महाविद्यालय चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में कार्यशाला का उद्घाटन किया गया कार्यक्रम की तरफ से महिलाओं को स्वास्थ्य के स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया गया इस दौरान करीब 200 महिलाओं को जांच मुफ्त में जांच कराने की सुविधा थी इसके अलावा कुलपति ने 150 महाविद्यालयों को पौष्टिक आहार का वितरण किया इस अवसर पर महिलाओं को सर्टिफिकेट वितरित किए गए तथा इसके अलावा कुलपति ने 150 महिलाओं को पौष्टिक आहार का वितरण किया महिलाओं की सुरक्षा व स्वास्थ्य के संबंध में कराए जा रहे कार्य की सराहना की I कार्यक्रम में थाना की पुलिस उपाधीक्षक अलका सिंह व विशेष लोक अभियोजक योगेश कुमार ने महिलाओं को सुरक्षा से जुड़े कानूनी पहलुओं पर अपने विचार साझा किए उन्होंने कहा कि कभी भी अन्याय को सहन ना करें I सरकार, पुलिस और कानून आपके साथ हैं डीएसपी अलका सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के महिला शक्ति मिशन कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया तथा

महिलाओं को उनके हकों के लिए कार्य करने के लिए तथा लड़ने के लिए आग्रह किया उन्होंने छात्राओं को परीक्षा की तैयारी के बारे में भी बताया I समन्वयक विद्यालय शर्मा ने कहा कि महिलाएं वैदिक काल से ही सम्मान के योग्य रहे हैI कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा प्रोफेसर बिंदु शर्मा दी सिंह वीरांगना अवंती बाई कॉलेज की अध्यक्ष आरती जी ने कॉलेज के प्रांगण में पौधारोपण भी कियाI

फोटोग्राफ गैलरी

-: स्नेह निमंत्रण पत्र :-

श्रीयुत.....जी

कार्यक्रम

मंगलवार, 31 अगस्त, 2021

हेल्थ कैम्प (फेलिक्स हॉस्पिटल, नोएडा)..... प्रातः 10 बजे

महिला सुरक्षा पर कानूनी सलाह, श्री योगेश कुमार

विशेष लोक अभियोजक बुलन्दशहर... .....प्रातः 11 बजे

महिला सुरक्षा पर व्याख्यान

श्रीमति अलका सिंह डी.एस.पी. स्याना (बु.शहर).....दोप0: 12 बजे

पौष्टिक आहार का वितरण व व्याख्यान

प्रो. एन.के. तनेजा माननीय कुलपति चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय.....दोपहर 1 बजे

मीडिया रिपोर्ट:

महाविद्यालय में मिशन शक्ति पर हुआ सेमिनार

धारा न्यूज संवाददाता

खानपुर। नगर के निकट क्या लेने महिला अध्ययन केंद्र का शुभारंभ करते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की प्रोफेसर एनके तनेजा ने किया उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्देशक मिशन शक्ति तथा स्वयं महिलाओं की सुरक्षा सम्मान में स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भर कैसे बनाया जाए के लिए मार्गदर्शक किया गया जिसमें महिलाओं को पौष्टिक आहार का वितरण करते हुए एनके तनेजा ने महिलाओं की सुरक्षा व स्वास्थ्य के संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की तथा ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करने के

लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया विशेष लोक अभियोजक योगेश कुमार ने महिलाओं को सुरक्षा से जुड़े हुए कानूनी पहलुओं पर अपने विचार साझा किए और कहा कि किसी भी अन्याय को सहन ना करें सरकार पुलिस और कानून जनता के साथ रहता है कार्यक्रम में शामिल क्षेत्रअधिकारी स्याना अलका सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के महिला शक्ति मिशन कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए महिलाओं को उनके हक के लिए तथा लड़ने के लिए आग्रह किया उन्होंने छात्राओं को यू पी एस सी से संबंधित पदों की तैयारी के विषय में बताया प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने महिलाओं के उत्थान के संबंध में अपने विचार रखे तथा उन्होंने महिलाएं वैदिक काल से ही सम्मान के योग्य रही हैं उन्होंने पर्यावरण पर प्रकाश डालते हुए चिपको आंदोलन तथा नर्मदा आंदोलन के विषय पर विचार रखें प्रोफेसर एनके तनेजा ने प्रोफेसर बिंदु शर्मा क्षेत्राधिकारी अलका सिंह महाविद्यालय अध्यक्षा के साथ प्रांगण में पौधारोपण किया।

शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की करें : तनेजा

स्यानपुर / संवाददाता

क्षेत्र के गांव नगला आलमपुर स्थित अवंती बाई महाविद्यालय में मिशन शक्ति अभियान के तृतीय चरण का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के तत्वावधान में एक महिला अध्ययन केंद्र का भी उद्घाटन किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ चौ.चरण सिंह विवि के कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रो.एनके तनेजा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की कर छात्राएं आगे बढ़ें।

महिलाओं के लिए हेल्थ कैंप का भी उद्घाटन किया गया। शासन द्वारा महिलाओं को स्वावलंबी व आत्मसम्मान की रक्षा व सुरक्षा के लिए

अवंतीबाई लोधी कालेज में महिलाओं को सम्मानित करते कुलपति प्रो.एनके तनेजा।.

मिशन शक्ति अभियान के तृतीय चरण का आगाज किया गया है। सीओ स्याना अलका सिंह ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए मार्गदर्शन किया। महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच फेलिक्स हॉस्पिटल नोएडा के डॉक्टरों द्वारा की गई। महिलाओं को पौष्टिक आहार का वितरण किया। विवि की समन्वयक प्रो. बिंदु शर्मा, महाविद्यालय की अध्यक्ष आरती दीप ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विशेष लोक अभियोजक योगेश सिंह ने पुलिस और प्रदेश सरकार के महिला शक्ति मिशन को विस्तार से बताया। महाविद्यालय में अतिथियों ने पौधारोपण किया।

सितम्बर 2021

दिनाँक: 13-14 सितम्बर, 2021

कार्यक्रम 1:

तीन दिवसीय (स्वस्थ परीक्षण शिविर (महिलाओं /छात्राओं के लिए) एवं हेल्थ क्लब का उद्घाटन

प्रथम दिवस हेल्थ क्लब का उद्घाटन

संचालन का स्थान	रानी लक्ष्मी महिला छात्रावास,चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक	प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण:

आज दिनांक 13-09-2021 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा संचालित महिला अध्यन केंद्र के उद्देश्य को पूरा करने के लिए रानी लक्ष्मी महिला छात्रावास, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ माननीय कुलपति द्वारा उच्य शिक्षा विभाग द्वारा संचालित मिशन शक्ति के अंतर्गत बालिका हेल्थ क्लब का उद्घाटन दिपप्रज्वलित करके किया गयाI इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला एवं. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग उपस्थित रहे I

माननीय कुलपति प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी कहा की सिर्फ मानसिक स्वास्थ को ही स्वस्थ रखना ही काफी नहीं है शारीरिक स्वास्थ को भी अच्छा बनाये रखना शिक्षक का उद्देश्य होना चाइये तथा इसके साथ ही शिक्षाओं का काम केवल लेक्चर लेना ही नहीं बल्कि उनमे छुपी प्रतिभाओं को भी निखारना है

फोटोग्राफ गैलरी:

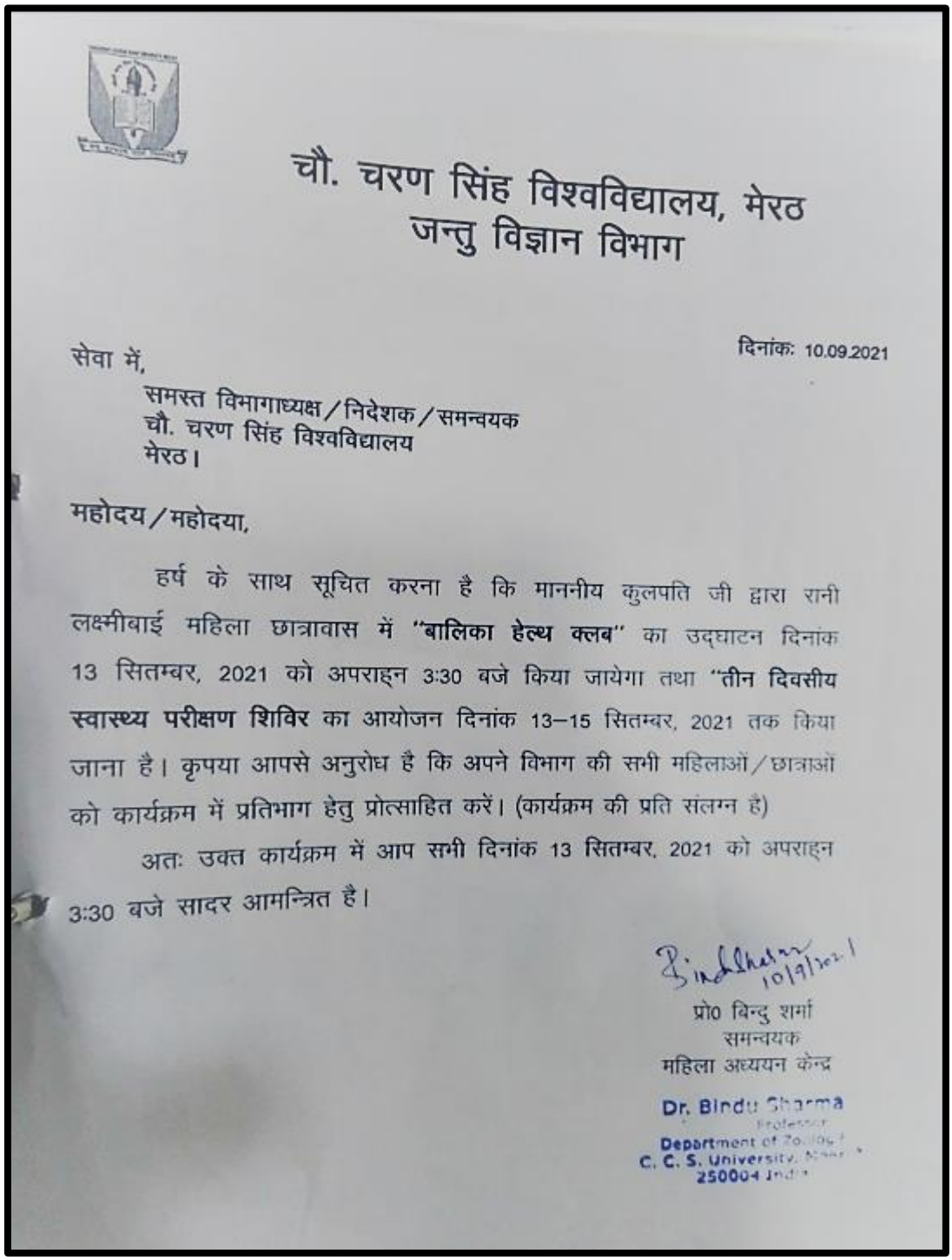

चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
जन्तु विज्ञान विभाग

दिनांक: 10.09.2021

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष/निदेशक/समन्वयक
चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय
मेरठ।

महोदय/महोदया,

हर्ष के साथ सूचित करना है कि माननीय कुलपति जी द्वारा रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास में **"बालिका हेल्थ क्लब"** का उद्घाटन दिनांक 13 सितम्बर, 2021 को अपराह्न 3:30 बजे किया जायेगा तथा **"तीन दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर** का आयोजन दिनांक 13–15 सितम्बर, 2021 तक किया जाना है। कृपया आपसे अनुरोध है कि अपने विभाग की सभी महिलाओं/छात्राओं को कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु प्रोत्साहित करें। (कार्यक्रम की प्रति संलग्न है)

अतः उक्त कार्यक्रम में आप सभी दिनांक 13 सितम्बर, 2021 को अपराह्न 3:30 बजे सादर आमन्त्रित है।

10/9/2021

प्रो0 बिन्दु शर्मा
समन्वयक
महिला अध्ययन केन्द्र

Dr. Bindu Sharma
Professor
Department of Zoology
C. C. S. University, Meerut
250004 India

मिशन शक्ति
महिला अध्ययन केन्द्र
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
द्वारा आयोजित
उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम, (तृतीय चरण) के अन्तर्गत
तीन दिवसीय
स्वास्थ्य परीक्षण शिविर (महिलाओं/छात्राओं के लिए) एवं
बालिका हेल्थ क्लब का उद्घाटन
आयोजन तिथि- 13.09.2021 से 15.09.2021 समय- दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे
स्थान- रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास
प्रो. नरेन्द्र कुमार तनेजा
संरक्षक
माननीय कुलपति
प्रो. वाई. विमला
उपसंरक्षक
माननीय प्रति कुलपति
प्रो. बिन्दु शर्मा
समन्वयक
महिला अध्ययन केन्द्र

महिला अध्ययन केन्द्र
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
द्वारा आयोजित
उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम, (तृतीय चरण)
के अन्तर्गत
तीन दिवसीय
स्वास्थ्य परीक्षण शिविर (महिलाओं/छात्राओं के लिए)
एवं
बालिका हेल्थ क्लब का उद्घाटन
आयोजन तिथि- 13.09.2021 से 15.09.2021
समय- दोपहर 2:30 बजे से शाम 5: बजे
स्थान- रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास
प्रो. वाई. विमला
उपसंरक्षक
प्रति कुलपति
प्रो. बिन्दु शर्मा
समन्वयक
महिला अध्ययन केन्द्र

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ के रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास में
मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत बालिका हैल्थ क्लब
का उद्घाटन
प्रोफैसर नरेन्द्र कुमार तनेजा
माननीय कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
प्रोफैसर वाई. विमला
माननीय प्रति-कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
के कर कमलों द्वारा सोमवार दिनांक 13 सितम्बर 2021
विक्रमी सम्वत् 2078, भाद्रपद शुक्ल पक्ष सप्तमी को सम्पन्न हुआ।
धीरेन्द्र कुमार (कुलसचिव)
प्रो. बिन्दु शर्मा (समन्वयक)
इं0मनीष मिश्रा (विश्वविद्यालय अभियन्ता)
सुशील कुमार गुप्ता (वित्त अधिकारी)

मीडिया रिपोर्ट:

समारोह अबला नारी शब्द हमारी शब्दावली में ही नहीं, महिलाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करें

महिलाओं का सम्मान हमारी संस्कृति है: डा. तनेजा

हिन्ट संवाददाता

मेरठ। महिलाओं का सम्मान भारतीय संस्कृति की पुरानी परंपरा है अबला नारी शब्द हमारी शब्दावली में ही नहीं है, यदि हमारी शब्दावली में अबला नारी शब्द होता प्राचीन व वैदिक काल में और स्वाधीनता से पूर्व रानी लक्ष्मीबाई सहित अनेक वीरांगना कैसे होती। महिलाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए। यह बात सीसीएसयू के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने महिला अध्ययन केंद्र व महिला हेल्थ क्लब के शुभारंभ के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि हेल्थ क्लब से बालिकाओं के स्वास्थ्य के साथ मानसिक वह बौद्धिक स्तर भी बढ़ेगा वही महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण स्थान पा सकेंगी। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए हमारा विश्वविद्यालय प्रयत्नशील है शिक्षकों का काम केवल लेक्चर देना नहीं है या शोध के कार्य को बढ़ावा देना ही नहीं है। शिक्षक को चाहिए कि बच्चे में छिपी प्रतिभा को पहचाने उसे निखारने का काम करें साथ ही बच्चों के साथ अपनी भागीदारी भी बड़ा है, उनकी समस्याओं का हल करने वाला एजेंट बने। भारतीय संस्कृति में शिक्षक वह है जो बच्चे के माता-पिता की तरह स्वयं सीखता है। गांव से सिखाता है उसकी दुर्बलता व विशेषता को पहचानते हुए उसे निखारने का काम करता है। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश में 50% आबादी महिलाओं की है जो सामाजिक दूरियों को तोड़ते हुए सांस्कृतिक विशेषता को प्रस्तुत कर रही हैं आज हर क्षेत्र में हर फील्ड में वह बराबर की भागीदारी दे रही हैं।

इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. वाई विमला ने कहा कि केवल उच्च पदों पर बैठना ही महिला सशक्तिकरण नहीं है बल्कि उनका सम्मान उनको बराबर की हिस्सेदारी देना महिला सशक्तिकरण है। महिला अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने सभी का स्वागत किया डॉ अनिल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया मंच का संचालन डॉ अलका तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर भूपेंद्र राणा प्रोफेसर वीरपाल सिंह एसीएमओ डॉक्टर पूजा प्रोफेसर नवीन चंद लोहनी, प्रोफेसर एवी कौर, प्रोफेसर आराधना गुप्ता डॉक्टर संजय भारद्वाज डॉ विवेक त्यागी डॉक्टर निशा मनीष इंजीनियर मनीष मिश्रा डॉक्टर गुलाब सिंह रूहल, डॉक्टर पीके बंसल प्रेस प्रवक्ता मितेन्द्र कुमार गुप्ता आदि रहे।

महिलाओं का सम्मान हमारी संस्कृति है: प्रो. एनके तनेजा

महिला अध्ययन केंद्र व महिला हेल्थ क्लब का शुभारंभ

कानूनी जंग न्यूज

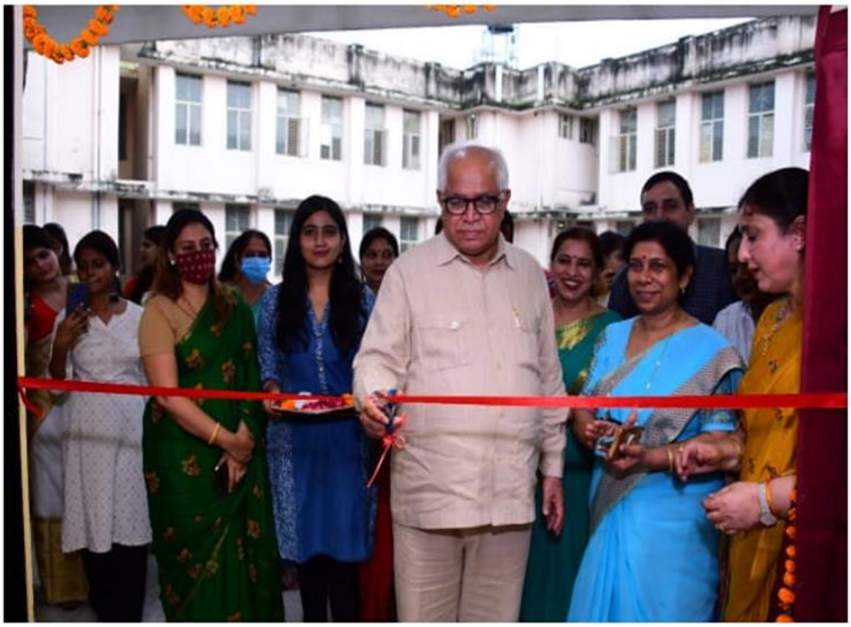

मेरठ। महिलाओं का सम्मान भारतीय संस्कृति की पुरानी परंपरा है अबला नारी शब्द हमारी शब्दावली में ही नहीं है यदि हमारी शब्दावली में अबला नारी शब्द होता प्राचीन व वैदिक काल में और स्वाधीनता से पूर्व रानी लक्ष्मीबाई सहित अनेक वीरांगना कैसे होती महिलाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए यह बात चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने महिला अध्ययन केंद्र व महिला हेल्थ क्लब के शुभारंभ के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि हेल्थ क्लब से बालिकाओं के स्वास्थ्य के साथ मानसिक वह बौद्धिक स्तर भी बढ़ेगा वही महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण स्थान पा सकेंगी। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि केवल उच्च पदों पर बैठना ही महिला सशक्तिकरण नहीं है बल्कि उनका सम्मान उनको बराबर की हिस्सेदारी देना महिला सशक्तिकरण है। महिला अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने सभी का स्वागत किया डॉ. अनिल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. अलका तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर भूपेंद्र राणा, प्रोफेसर वीरपाल सिंह, एसीएमओ डॉक्टर पूजा, प्रोफेसर नवीन चंद लोहनी, प्रोफेसर एवी कौर, प्रोफेसर आराधना गुप्ता, डॉक्टर संजय भारद्वाज, डॉ. विवेक त्यागी, डॉक्टर निशा, मनीष इंजीनियर, मनीष मिश्रा, डॉक्टर गुलाब सिंह रूहल, डॉक्टर पीके बंसल प्रेस प्रवक्ता मितेन्द्र कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

महिलाओं का सम्मान भारतीय संस्कृति की पुरातन परंपरा : तनेजा

मेरठ (एसएनबी)। चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा ने महिला अध्ययन केंद्र व महिला हेल्थ क्लब के उद्घाटन समारोह में कहा कि महिलाओं का सम्मान भारतीय संस्कृति की पुरानी परंपरा है। अबला नारी शब्द हमारी शब्दावली में ही नहीं है यदि हमारी शब्दावली में अबला नारी शब्द होता तो प्राचीन व वैदिक काल में और स्वाधीनता से पूर्व रानी लक्ष्मीबाई सहित अन्य वीरांगना कैसे होतीं। महिलाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने का सामूहिक प्रयास किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हेल्थ क्लब से बालिकाओं के स्वास्थ्य के साथ मानसिक व बौद्धिक स्तर भी बढ़ेगा। हमारा विवि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए प्रयत्नशील है शिक्षकों का काम केवल लेक्चर देना व शोध के कार्य को बढ़ावा देना ही नहीं है। यह सब चीज भी महत्वपूर्ण हैं, मगर शिक्षकों को बच्चे में छिपी प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने का काम करना चाहिए। भारतीय संस्कृति में शिक्षक वह है जो बच्चे के माता-पिता की तरह स्वयं सीखता है गांव से सिखाता है। हमारे देश में महिलाएं हर क्षेत्र में बराबर की भागीदारी दे रही हैं हमे अपनी सोच को बदलना होगा और महिलाओं को आदर देकर सम्मानित करना होगा। प्रति कुलपति प्रोफेसर वाई विमला ने कहा कि केवल उच्च पदों पर बैठना ही महिला सशक्तिकरण नहीं है बल्कि उनका सम्मान उन्हें बराबर की हिस्सेदारी देना है। महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर बिंदु शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

मेरठ : चौधरी चरणसिंह विवि में महिला अध्ययन केंद्र व महिला हेल्थ क्लब के उद्घाटन समारोह में मिशन शक्ति अभियान में बेहतर सहयोग के लिए नंगला अलमपुर (बुलंदशहर) स्थित वीरांगना अवंती बाई महाविद्यालय के सचिव विनोद राजपूत को प्रशस्ति पत्र देते कुलपति प्रोफेसर एनके तनेजा।

मंच का संचालन डॉ. अलका तिवारी ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर भूपेंद्र राणा, प्रोफेसर वीरपाल सिंह, एसीएमओ डाक्टर पूजा शर्मा, प्रोफेसर नवीन चंद लोहनी, प्रोफेसर एवी कौर, प्रोफेसर आराधना गुप्ता, डा. संजय भारद्वाज डा. विवेक त्यागी, प्रेस प्रवक्ता मितेन्द्र कुमार गुप्ता भी मौजूद रहे।

महिलाओं का सम्मान हमारी संस्कृति है प्रोफ़ेसर नरेंद्र कुमार तनेजा

अवधनामा संवाददाता

मेरठ। महिलाओं का सम्मान भारतीय संस्कृति की पुरानी परंपरा है अबला नारी शब्द हमारी शब्दावली में ही नहीं है यदि हमारी शब्दावली में अबला नारी शब्द होता प्राचीन व वैदिक काल में और स्वाधीनता से पूर्व रानी लक्ष्मीबाई सहित अनेक वीरांगना कैसे होती महिलाओं के विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए यह बात चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरेंद्र कुमार तनेजा ने महिला अध्ययन केंद्र व महिला हेल्थ क्लब के शुभारंभ के अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि हेल्थ क्लब से बालिकाओं के स्वास्थ्य के साथ मानसिक वह बौद्धिक स्तर भी बढ़ेगा वही महिलाएं समाज में महत्वपूर्ण स्थान पा सकेंगी। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए हमारा विश्वविद्यालय प्रयत्नशील है शिक्षकों का काम केवल

लेक्चर देना नहीं है या शोध के कार्य को बढ़ावा देना ही नहीं है हालांकि यह सब चीज भी महत्वपूर्ण है शिक्षक को चाहिए कि बच्चे में छिपी प्रतिभा को पहचाने उसे निखारने का काम करें साथ ही बच्चों के साथ अपनी भागीदारी भी बड़ा है उनकी समस्याओं का हल करने वाला एजेंट बने भारतीय संस्कृति में शिक्षक वह है जो बच्चे के माता.पिता की तरह स्वयं सीखता है गांव से सिखाता है उसकी दुर्बलता व विशेषता को पहचानते हुए उसे निखारने का काम करता है उन्होंने कहा कि आज हमारे देश में 50: आबादी महिलाओं की है।

दिनांक 14.09.2021 एवं 15.09.2021

द्वितीय तथा तृतीय दिवस

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर शिविर (महिलाओं /छात्राओं के लिए)

संचालन का स्थान	रानी लक्ष्मी महिला छात्रावास,चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संरक्षक	प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
उपसंरक्षक:	प्रो. वाई विमला, प्रति कुलपति, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण:

दिनांक 14.09.2021 एवं 15.09.2021 को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा संचालित महिला अध्ययन केंद्र द्वारा संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय कुलपति प्रो. एन. के. तनेजा और प्रति कुलपति प्रो. वाई. विमला मैडम के तत्वाधान में तीन दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के दूसरे एवं तीसरे दिन , जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम प्यारेलाल शर्मा जिला चिकित्सालय की डॉ. मोनिका पुंडीर ने स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में 63 महिलाओ का स्वास्थ्य परीक्षण किया, साथ ही उन्हे स्वास्थ्य से सम्बंधित जानकारी प्रदान की। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग की छात्राओं ने भी इसमे बढचढ कर हिस्सा लिया। प्रो. बिंदु शर्मा, समन्वयक, महिला अध्ययन केंद्र ने बालिकाओ को कहा की उन्हे समय से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए, साथ ही संतुलित आहार भी ग्रहण करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में प्यारेलाल शर्मा अस्पताल से जिला चिकित्सक सीखा चतुर्वेदी ने स्वस्थ परिक्षण में 60 से अधिक महिलाओं का परीक्षण कर उन्हें स्वस्थ सम्बंधित जानकारी दीI विश्व स्वस्थ संघटन की निर्देशों के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति है जो शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होIमहिलाओं को पोषणयुक्त आहार लेना चाइये जिससे उन्हें खून की कमी न हो I इस अवसर पर प्रो वीर पल, अलका तिवारी, अनिल यादव आदि मौजूद रहेI

फोटोग्राफ गैलरी:

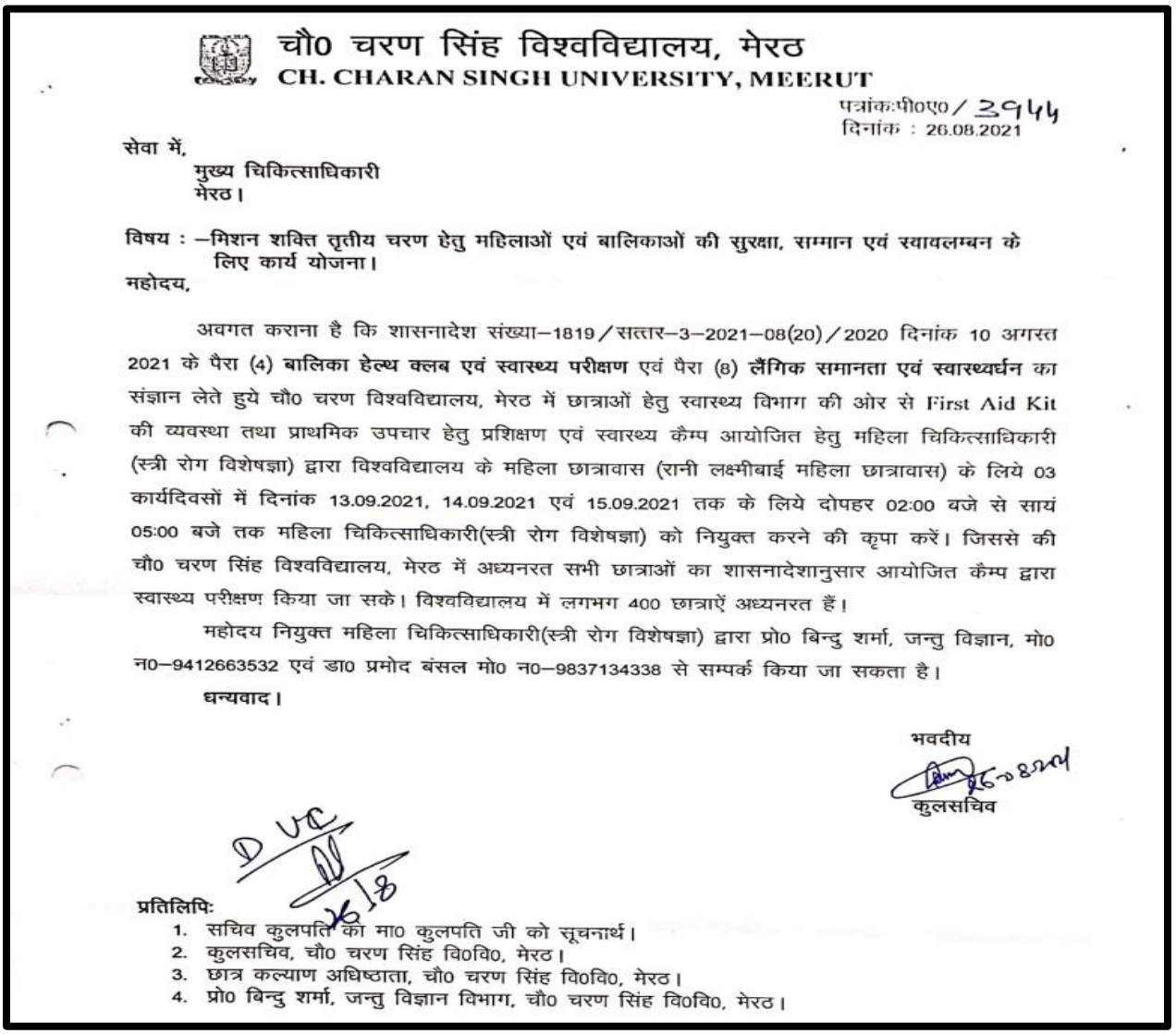

चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
CH. CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT

पत्रांकःपी0ए0/ 3944
दिनांक : 26.08.2021

सेवा में,
मुख्य चिकित्साधिकारी
मेरठ।

विषय : –मिशन शक्ति तृतीय चरण हेतु महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए कार्य योजना।

महोदय,

अवगत कराना है कि शासनादेश संख्या–1819/सत्तर–3–2021–08(20)/2020 दिनांक 10 अगस्त 2021 के पैरा (4) **बालिका हेल्थ क्लब एवं स्वास्थ्य परीक्षण** एवं पैरा (8) **लैंगिक समानता एवं स्वास्थ्यर्धन** का संज्ञान लेते हुये चौ0 चरण विश्वविद्यालय, मेरठ में छात्राओं हेतु स्वास्थ्य विभाग की ओर से First Aid Kit की व्यवस्था तथा प्राथमिक उपचार हेतु प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य कैम्प आयोजित हेतु महिला चिकित्साधिकारी (स्त्री रोग विशेषज्ञा) द्वारा विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास (रानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास) के लिये 03 कार्यदिवसों में दिनांक 13.09.2021, 14.09.2021 एवं 15.09.2021 तक के लिये दोपहर 02:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक महिला चिकित्साधिकारी(स्त्री रोग विशेषज्ञा) को नियुक्त करने की कृपा करें। जिससे की चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में अध्यनरत सभी छात्राओं का शासनादेशानुसार आयोजित कैम्प द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जा सके। विश्वविद्यालय में लगभग 400 छात्राऐं अध्यनरत हैं।

महोदय नियुक्त महिला चिकित्साधिकारी(स्त्री रोग विशेषज्ञा) द्वारा प्रो0 बिन्दु शर्मा, जन्तु विज्ञान, मो0 न0–9412663532 एवं डा0 प्रमोद बंसल मो0 न0–9837134338 से सम्पर्क किया जा सकता है।

धन्यवाद।

भवदीय
26.8.2021
कुलसचिव

D VC
26/8

प्रतिलिपिः
1. सचिव कुलपति को मा0 कुलपति जी को सूचनार्थ।
2. कुलसचिव, चौ0 चरण सिंह वि0वि0, मेरठ।
3. छात्र कल्याण अधिष्ठाता, चौ0 चरण सिंह वि0वि0, मेरठ।
4. प्रो0 बिन्दु शर्मा, जन्तु विज्ञान विभाग, चौ0 चरण सिंह वि0वि0, मेरठ।

दिनाँक: 30 सितम्बर 2021

कार्यक्रम 2: लैंगिक समानता पर व्याख्यान का आयोजन

संचालन का स्थान	भौतिक विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
अध्यक्ष	प्रो. नरेंद्र कुमार तनेजा जी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
संचालक	अनिल यादव, एन० सी० सी०
समन्वयक:	प्रो. बिंदु शर्मा, महिला अध्ययन केंद्र/ आचार्य, जीव विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

विवरण:

दिनांक 30 सितम्बर 2021 को महिला अध्ययन केंद्र चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया | जिसमे वक्ता डा० श्रद्धा पाल, सहायक आचार्य रसियन विभाग, चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, ने लैंगिक समानता, आज के समाज की आवश्यकता क्यों; पर अपने विचार प्रस्तुत किये | उनके अनुसार सृष्टि संचालन के लिए प्राकृत ने नर और मादा दो तरह के प्राणियों की रचना की, जिसमे नर और नारी की उत्पत्ति मानवीय जातीय को चलाने के लिए किया गया | कालांतर में पुरुष और महिला ये हमारे समाज ने निर्धारण किया और इनके कार्यों और वेश भूषा का भी वर्गीकरण कर दिया | समाज के संचालन में दोनों की भूमिका की अहमियत बताए और कहा की दोनों ही अहम् घटक एवं पूरक है | आगे बताया की कैसे समय के साथ एक लिंग दूसरे पर हावी हो गया | लैंगिक समानता के लिए कानून के अधिकारों के बारे में जागरूक किया | उन्होंने नारी शक्तिकरण का एक उदाहरण रसियन समाज का दिया, बताया की द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद रसिया में पुरुषों की भारी क्षति हुए, जिसके कारण महिलाओं को उन कार्यों का करना पड़ा जिसमे पहले उनकी भागीदारी नहीं थी | समय के साथ महिलाओं ने पुरुष अधिकृत सभी कार्यों में निपुणता हासिल कर लिया | इस प्रकार महिलाओं को अवसर मिले तो समाज के सभी क्षेत्रों में कौशल को प्रदर्शित कर सकती है जो नारी को और इस समाज को सशक्तिकरण में सहयोग प्रदान करेंगे | इस ब्याख्यान में महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो० बिंदु शर्मा , शोध विद्यार्थी, एन० सी० सी० के कैडेट्स उपस्थित रहे और कार्यक्रम का संचालन एन० सी० सी० के अधिकारी डा० अनिल कुमार यादव ने किया |

फोटोग्राफ गैलरी: